केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा ऑपरेशन सिंदूर से आतंकियों को दिया कड़ा संदेश
- 12

7332 करोड़ रुपये में होगा पीएम स्वनिधि योजना का विस्तार
- 12

पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर बाढ़ के पानी में डूबा, सौ से ज्यादा लोग फंसे
- 13

रविचंद्रन अश्विन ने आईपीएल से संन्यास की घोषणा
की- 14

आज का मौसम
32.0⁰ अधिकतम तापमान
27.0⁰ न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.47
सूर्यास्त 06.33

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| कानपुर |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष पंचमी 05:57 उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

गुरुवार, 28 अगस्त 2025, वर्ष 4, अंक 8, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 5 रुपये

परिवारवादी राजनीति ने प्रदेश को बना दिया था लूट का अड्डा: योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 2,425 मुख्य सेविका व 13 फार्मासिस्टों को दिए नियुक्ति पत्र व ईमानदार रहने की नसीहत
- कहा-पहले सरकारी नौकरियों में होता था बंदरबांट, योग्य युवा होते थे भेदभाव के शिकार

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विपक्ष के पास मुद्दा नहीं, सिर्फ नकारात्मकता है। जर्जर भवनों को शिफ्ट करने और छात्र-शिक्षक अनुपात सुधारने का प्रयास राष्ट्रीय शिक्षा नीति का हिस्सा है। फिर भी विपक्ष भ्रम फैलाता है। उन्होंने पारदर्शिता से हुई भर्तियों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले नौकरियों में बंदरबांट होती थी, योग्य युवा भेदभाव के शिकार होते थे। दंगों और परिवारवादी राजनीति ने यूपी को लूट का अड्डा बना दिया था। आज युवाओं को रोजगार के सुनहरे अवसर मिल रहे हैं।

मुख्यमंत्री योगी बुधवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मुख्य सेविकाओं व फॉर्मासिस्टों से ईमानदारी और भेदभाव मुक्त सेवा करने की अपील की। योगी ने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में खाद्यान्न उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश में प्रदेश पिछड़ता गया। नौजवान यूपी से बाहर जाते तो पहचान का संकट झेलते थे। योगी ने कहा कि युवा प्रतिभाशाली और ऊर्जावान होता है, लेकिन जब वह भेदभाव और भ्रष्टाचार का शिकार होता है, तो यह राष्ट्रीय क्षति है।

2017 से पहले यूपी में नियुक्तियां नहीं होती थीं, होती भी तो बंदरबांट और भ्रष्टाचार के चलते योग्य युवा पीछे रह जाते थे। नतीजा, यूपी बीमारू राज्य बन गया। मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि यूपी पुलिस में 2 महीने पहले 60,244 भर्ती में 12,045 बेटियां चयनित हुईं। 1947-2017 में सिर्फ 10 हजार महिला पुलिसकर्मी थीं, लेकिन 8 साल में 40 हजार से अधिक बेटियों को भर्ती किया। बेसिक शिक्षा परिषद में 1 लाख 56 हजार शिक्षकों में ज्यादातर बेटियां हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना का उल्लेख किया, जिसमें 26 लाख से अधिक बेटियों को 25 हजार रुपये का पैकेज मिला। साथ ही, 4 लाख बेटियों की शादी सामूहिक विवाह योजना से हुई और मातृ वंदना योजना में 183 करोड़ रुपये वितरित किए गए।

चयनित अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र सौंपते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

बेईमान दलों से यूपी था बीमारू

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेईमान राजनीतिक दलों ने यूपी को बीमारू राज्य बना दिया था। भ्रष्टाचार और बंदरबांट की राजनीति ने इस समृद्ध प्रदेश को पहचान के संकट में धकेल दिया था। कहा कि 1947 के बाद 1960 तक यूपी देश का अग्रणी प्रदेश था, जिसका योगदान 14% से अधिक था। लेकिन 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई और 1990 के बाद और तेज हो गई। 2017 तक यूपी का योगदान 8% से कम हो गया।

स्वास्थ्य-कुपोषण में आया सुधार

योगी ने कहा कि एनएफएचएस सर्वे (2015-16) के बाद 2017 से महिलाओं में एनीमिया 5.1%, स्टंटिंग 6.6%, अल्पवजन 7.4%, और सूखापन 0.6% कम हुआ। शिशु मृत्यु दर 38 और मातृ मृत्यु दर 197 हो गई। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों में पोषाहार और कुपोषण निवारण पर जोर देते हुए कहा कि हर आंगनबाड़ी केंद्र के अंदर समय पर पोषाहार और सभी प्रकार की योजनाओं का लाभ प्राप्त हो सके इसके लिए मुख्य सेविकाओं को एक लीडर के रूप में आगे आना होगा।

ब्रीफ न्यूज

गला घोंटू गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में पुलिस के साथ मुठभेड़ के बाद 'गला घोंटू गिरोह' के दो कथित सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। इस गिरोह के सदस्य लूटपाट से पहले शिकार का गला घोंटकर उनकी हत्या कर देते थे। अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि मुठभेड़ के दौरान एक आरोपी गोली लगने से घायल हो गया। आरोपियों की पहचान अजय उर्फ कंगारू (33) और रवि उर्फ गोटिया (30) के रूप में हुई है, दोनों लॉरेंस रोड इलाके में रहते हैं।

2.98 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में दो पकड़े

रांची। झारखंड सीआईडी ने 2.98 करोड़ रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी के मामले में गुजरात से दो साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। 28 जुलाई को सीआईडी के साइबर अपराध थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। सीआईडी ने कहा कि शिकायतकर्ता को ऑनलाइन विज्ञापन के माध्यम से शिकागो बोर्ड ऑफ ऑप्शंस एक्सचेंज के नाम पर एक मंच में निवेश करने का लालच दिया गया था, जिसके बाद उसे ठगी को अंजाम दिया गया।

दोहरे हत्याकांड में तीन भाई गिरफ्तार

अहमदाबाद। राजस्थान में पिछले महीने व्यापारिक प्रतिद्वंद्विता के चलते दो व्यक्तियों की हत्या करने वाले तीन भाइयों को अहमदाबाद शहर में गिरफ्तार कर लिया गया है। शहर अपराध शाखा की ओर से कहा गया है कि तीनों पर अजमेर शहर में मांस की दुकान के मालिक इमरान और उसके सहयोगी शाहनवाज की कम कीमत पर मटन और चिकन बेचने के कारण चाकू मारकर हत्या करने का आरोप है। सलमान अब्दुलाली कुरैशी और उसके भाइयों अल्लारखा और ओवेस को अजमेर के रामगंज पुलिस थाने के अधिकारियों को सौंप दिया गया।

आसाराम की जमानत बढ़ाने की याचिका रद्द

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की जोधपुर पीठ ने बुधवार को 2013 के बलात्कार मामले में अंतरिम जमानत बढ़ाने की कथावाचक आसाराम की याचिका खारिज कर दी और किसी भी गंभीर स्वास्थ्य स्थिति की आशंका से इनकार किया। उसकी जमानत अवधि 29 अगस्त को समाप्त हो रही है, जिसके बाद उसे जोधपुर सेंट्रल जेल में आत्मसमर्पण करना होगा।

वैष्णो देवी में 34 हुई मृतक संख्या

मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका, तलाश अभियान जारी

- मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री को फोन पर दी हालात की जानकारी

जम्मू, एजेंसी

वैष्णो देवी में भूस्खलन की घटना में बचावकर्मियों द्वारा मलबे से और शव निकाले जाने के बाद, हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में पर्वतीय क्षेत्र में स्थित वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर एक दिन पहले भूस्खलन हुआ था। अधिकारियों ने कहा कि लगातार और भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज हो रहा है। मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका के चलते बचाव दल तलाश जारी रखे हुए हैं। मलबे से 30 शव बरामद किए गए, जबकि चार घायलों की अस्पताल में मौत हो गई।

मंगलवार को अपराह्न करीब तीन बजे भूस्खलन हुआ और पहाड़ की ढलान से पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें नीचे गिरने लगीं। इससे बेखबर लोग इसकी चपेट में आ गए। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश और बाढ़ से उत्पन्न स्थिति से अवगत कराया और जम्मू कश्मीर के लोगों को सहायता देने के उनके आश्वासन के लिए आभार जताया। कटरा से मंदिर तक की 12 किलोमीटर की घुमावदार यात्रा के लगभग आधे रास्ते में अर्धकुंवारी में इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास भूस्खलन हुआ था। मंदिर तक जाने के दो मार्ग हैं, जिसमें हिमकोटि पैदल मार्ग पर सुबह से यात्रा स्थगित कर दी गई थी, जबकि पुराने मार्ग पर अपराह्न डेढ़ बजे तक यात्रा जारी थी। हालांकि अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश को देखते हुए यात्रा अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया। लगातार कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जम्मू क्षेत्र में तबाही मचा दी है।

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन पर घर लौटने के लिए ट्रेनों का इंतजार करते यात्री।

राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने व्यक्त की गहरी संवेदना

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर गहरा दुख जताया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह सभी की सुरक्षा और उनके कुशल होने की प्रार्थना करते हैं। उन्होंने एक्स पर कहा कि माता वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर भूस्खलन के कारण लोगों की जान जाने की खबर दुखद है। मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

बारिश के कारण जम्मू क्षेत्र में 58 ट्रेनें रद्द

जम्मू। उत्तर रेलवे ने जम्मू कश्मीर में भारी बारिश से हुई तबाही के मद्देनजर बुधवार को जम्मू और कटरा स्टेशनों से आने-जाने वाली 58 ट्रेनों को रद्द कर दिया जबकि 64 ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर बीच में ही रोक दिया गया। एक दिन के निलंबन के बाद रेल यातायात बुधवार सुबह कुछ समय के लिए बहाल हुआ और जम्मू से छह ट्रेन रवाना हुईं। अधिकारियों ने बताया कि चक्की नदी क्षेत्र में बाढ़ और मिट्टी के कटाव के कारण यातायात फिर से रुक गया है। उत्तर रेलवे, जम्मू मंडल के पीआरओ ने बताया कि चक्की नदी में अचानक आई बाढ़ और मिट्टी के भारी कटाव के कारण, जम्मू मंडल में रेल यातायात अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया है। अगली सूचना तक ट्रेनें रद्द रहेंगी या उन्हें बीच में समाप्त कर दिया जाएगा।

यूपी के दो लोगों की मौत, सात घायल

वैष्णो देवी मंदिर मार्ग पर मंगलवार को हुई भूस्खलन की घटना में यूपी के दो लोगों की मौत हुई है जबकि मलबे में दबने से कम से कम सात लोग घायल हैं। मृतकों में मुज्जफरनगर के कार्तिक के अलावा अंजली शामिल हैं। वहीं संगीता, वैष्णवी, उमंग, कमलेश, पूर्वी और लखनऊ के रहने वाले गोरन और मयंक शामिल हैं। सभी दर्शन के लिए वैष्णोदेवी गए थे लेकिन अचानक हुए भूस्खलन की चपेट में आ गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की तथा परिजनों को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता के निर्देश दिए। मृतकों के शव उनके घर पहुंचाने की व्यवस्था के निर्देश भी अधिकारियों को दिए।

अहमदाबाद बनेगा 2030 राष्ट्रमंडल खेलों का दावेदार

- आदर्श मेजबान बताते हुए केंद्रीय कैबिनेट ने लगाई मुहर

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय कैबिनेट ने बुधवार को भारत की 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की दावेदारी को मंजूरी दे दी और विश्व स्तरीय स्टेडियमों, अत्याधुनिक अभ्यास सुविधाओं और खेल संस्कृति के कारण अहमदाबाद को आदर्श मेजबान बताया। भारत ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी की इच्छा जताने वाला आशय पत्र जमा कर दिया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रमंडल खेल 2030 की दावेदारी के युवा कार्य और खेल मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इसमें कहा गया कि कैबिनेट ने संबंधित मंत्रालयों, विभागों और प्राधिकरणों से आवश्यक गारंटियों के साथ मेजबान सहयोग समझौते (एचसीए) पर हस्ताक्षर करने और बोली स्वीकार होने की स्थिति में गुजरात सरकार को आवश्यक अनुदान सहायता की मंजूरी देने को भी मंजूरी दे दी। दावेदारी के लिए बोली जमा करने की आखिरी तारीख 31 अगस्त है । आईओए अगले 48 घंटे में प्रक्रिया पूरी कर सकता है।भारत ने आखिरी बार 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी की थी। राष्ट्रमंडल खेल की आमसभा नवंबर के आखिरी सप्ताह में ग्लास्गो में मेजबान देश पर फैसला लेगी।

सरकार ने चार रेल प्रोजेक्ट को दी मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम को लाभ पहुंचाने वाली तीन परियोजनाओं के मल्टी-ट्रैकिंग तथा गुजरात के कच्छ के दूर-दराज के क्षेत्रों को जोड़ने के लिए एक नई रेल लाइन को मंजूरी दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 12,328 करोड़ रुपये है।

चार साल के बेटे को जहर देकर दंपती फंदे पर झूले

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- आर्थिक तंगी और कर्ज होने के कारण उठाया खौफनाक कदम
- रोजा क्षेत्र की दुर्गा एंक्लेव कॉलोनी में हुई दिल दहलाने वाली घटना

अमृत विचार : शहर के हैंडलूम कारोबारी ने पत्नी और चार वर्षीय बेटे के साथ आत्महत्या कर ली। कारोबारी ने पहले बेटे को चूहे मारने की दवा खिलाई और फिर पत्नी के साथ फंदे पर झूल गया। दंपती लंबे समय से कारोबार में घाटे और कर्ज का दबाव झेल रहे थे। सब्र जवाब दे गया तो उन्होंने खौफनाक कदम उठा लिया।

रोजा थाना क्षेत्र के मोहल्ला दुर्गा एंक्लेव कॉलोनी के निवासी सचिन ग्रोवर (36) का मोहनगंज में पानीपत हैंडलूम नाम से शो रूम था। वह मकान की दूसरी मंजिल पर पत्नी शिवांगी (34) और चार साल के बेटे फतेह ग्रोवर के साथ रहते थे। एक मंजिल पर उनके बड़े भाई मोहित उर्फ गौरव परिवार के साथ रहते हैं। तीसरे भाई रोहित भी उसी कालोनी में किराए के मकान में रहते हैं। मोहित के बेटे का बुधवार को नामकरण था। सभी लोगों को सुबह आठ बजे गुरुद्वारा जाना था।

मोहित की मां सीमा ने सुबह 8 बजे कहा कि सचिन को देखकर आ रही हूं, अभी तक सोकर नहीं उठा। वह दूसरी मंजिल पर गई और दरवाजा खोला तो देखा सचिन और उसकी पत्नी शिवांगी का शव रस्सी से पंखे के कुंडे से लटका हुआ था। बेटे फतेह का शव बेड पर पड़ा था। उसके ऊपर कंबल डाला गया था। बच्चे के मुंह से झाग निकल रहा था। चूहे मार दवा के दो रैपर भी पड़े थे। मां ने शोर मचाया तो मोहित व परिवार के अन्य लोग पहुंच गए। सूचना पाकर एसपी राजेश द्विवेदी भी अधिकारियों के साथ पहुंचे। पुलिस को एक कमरे से सचिन के मोबाइल से 14 पन्ने का सुसाइड नोट मिला। जिसमें आर्थिक तंगी और कर्ज होने की बात लिखी है। परिवार वालों ने बताया कि सचिन ने व्यापार के लिए सूदखोरों से ब्याज पर रुपये ले रखे थे। वह सूदखोरों ने काफी परेशान था। फॉरेंसिक टीम ने जांच करके नमूने लिए।

कारोबारी दंपती और बेटा फतेह (फाइल)

> दंपती ने बेटे को जहर देकर मार डाला और फिर खुद फंदे से लटक गए। सुसाइड नोट मिला है। जिसमें आर्थिक तंगी और कर्ज होने का जिक्र किया गया है। विस्तृत जांच की जा रही है, जो तथ्य सामने आएंगे उनके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।
> **- राजेश द्विवेदी,** एसपी

भारत पर 50 % अमेरिकी टैरिफ प्रभावी

न्यूयॉर्क/वॉशिंगटन, एजेंसी

- इसमें रूसी तेल खरीद पर लगाया 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क शामिल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का रूसी तेल की खरीद के लिए भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क बुधवार से प्रभावी हो गया। भारत पर अमेरिका द्वारा लगाया गया कुल शुल्क अब 50 प्रतिशत हो गया है। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा था कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को 'ईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है।

बशर्ते कि उन्हें देश में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई हो या 17 सितंबर, 2025 को 12:01 बजे (ईडीटी) से पहले उपभोग के लिए गोदाम से बाहर ले जाया गया हो और आयातक ने एक विशेष 'कोड' घोषित करके अमेरिकी सीमा शुल्क को यह प्रमाणित किया हो। ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत के जवाबी शुल्क की घोषणा की थी जो सात अगस्त से लागू हो गया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सात अगस्त को ही रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा की जाने वाली खरीद के लिए भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को दोगुना करके 50 प्रतिशत करने की घोषणा की थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को जोर देकर कहा था कि वह किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकते।

महाराष्ट्र में मुठभेड़, 4 नक्सली ढेर

- मृतकों तीन महिला नक्सली शामिल, सुरक्षा बलों ने कई हथियार बरामद किए

गढ़चिरोली। पूर्वी महाराष्ट्र के गढ़चिरोली जिले में बुधवार को एक मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों सहित चार नक्सली मारे गए। पुलिस बताया कि यह घटना गढ़चिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास हुई।

पुलिस को 25 अगस्त को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गढ़चिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी इकाइयों के कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद नक्सल-रोधी कमांडो बल सी-60 की 19 इकाइयां और सीआरपीएफ की त्वरित कार्रवाई टीम की दो इकाइयां क्षेत्र में भेजी गईं। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओरातिजंस एम. रमेश के नेतृत्व में टीम बुधवार सुबह जंगल में तलाशी अभियान चला रही थी, तभी नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाकर्मियों ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें तीन महिला और एक पुरुष नक्सली मारे गए। उनके शव के साथ एक एसएलआर राइफल, दो इंसास राइफल और एक .303 राइफल बरामद की गई।इलाके में बाकी नक्सलियों की तलाश के लिए अभियान जारी है।

सितंबर में नो हेलमेट नो फ्यूल अभियान

लखनऊ। योगी सरकार पूरे प्रदेश में 1 से 30 सितंबर तक नो हेलमेट, नो फ्यूल विशेष सड़क सुरक्षा अभियान संचालित करेगी। यह अभियान डीएम के नेतृत्व तथा जिला सड़क सुरक्षा समिति के समन्वय से चलाया जाएगा।

इस अवधि में पुलिस, राजस्व, जिला प्रशासन व परिवहन विभाग के अधिकारी प्रवर्तन की मुख्य जिम्मेदारी निभाएंगे। सरकार ने आमजन से इन प्रवर्तन एजेंसियों के साथ पूर्ण सहयोग करने की अपील की है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 की धारा 129 दोपहिया चालक तथा पिलियन के लिए हेलमेट को अनिवार्य करती है, जबकि धारा 194 डी उल्लंघन पर दंड का प्रावधान करती है। परिवहन आयुक्त ब्रजेश नारायण सिंह ने कहा कि 'नो हेलमेट, नो फ्यूल का उद्देश्य दंडित करना नहीं है।

संबोधन | रण संवाद में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा-सशस्त्र बलों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना होगा

जंग जीतने के लिए जवान और हथियार ही काफी नहीं

महू (मप्र), एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि अप्रत्याशित भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए देश के सशस्त्र बलों को अल्पकालिक संघर्षों से लेकर पांच साल तक के युद्ध सहित सभी प्रकार की सुरक्षा चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए।

महू सैन्य छावनी के आर्मी वॉर कॉलेज में तीनों सेनाओं की संयुक्त संगोष्ठी रण संवाद 2025 के दूसरे और अंतिम दिन पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए सिंह ने यह बात कही। उन्होंने सैन्य संघर्षों में विजय प्राप्त करने के संदर्भ में यह भी कहा कि सैनिकों की संख्या या हथियारों के भंडारों का आकार अब पर्याप्त नहीं रह गया है क्योंकि साइबर युद्ध, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ड्रोन और उपग्रह-आधारित निगरानी प्रणाली भविष्य के युद्धों को परिभाषित कर रही है।

सिंह ने कहा कि सटीकता से वार करने वाले हथियार, वास्तविक समय में मिलने वाली खुफिया जानकारी और डेटा से हासिल होने वाली सूचनाएं अब किसी भी सैन्य संघर्ष में सफलता की आधारशिला बन गई हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा की चुनौतियों पर चर्चा करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत किसी की जमीन नहीं चाहता, लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है। सिंह ने कहा कि आज के दौर में युद्ध इतने अचानक और अप्रत्याशित हो गए हैं कि यह अनुमान लगाना बहुत मुश्किल है कि कोई युद्ध कब समाप्त होगा और कितने समय तक चलेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों को हर स्थिति के लिए तैयार रहना चाहिए। रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका मतलब यह है कि अगर कोई युद्ध दो महीने, चार महीने, एक साल, दो साल, यहां तक कि पांच साल तक भी चलता है, तो हमें उसके लिए पूरी तरह तैयार रहना चाहिए। सिंह ने जोर देकर कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा अब केवल सेना का मामला नहीं रह गया है।

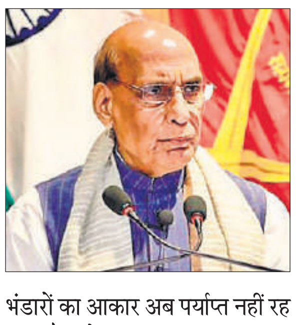

खुलेपन से सुलझाएंगे एकीकृत कमान का मसला : सीडीएस

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने कहा कि तीनों सेनाओं की एकीकृत थिएटर कमान की योजना को लेकर सेना में व्याप्त 'असहमति' को राष्ट्र के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए दूर किया जाएगा। सीडीएस ने यह टिप्पणी एकीकृत थिएटर कमान की योजना को लेकर दो बलों के प्रमुखों के अलग-अलग विचार आने के बाद की। संगोष्ठी के दौरान एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने योजना पर जल्दबाजी में आगे बढ़ने के प्रति गाह किया था और दिल्ली में शीर्ष सैन्य अधिकारियों वाला एक समन्वय केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा था। जबकि नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी ने कहा कि उनका बल एकीकृत थिएटर कमान के लक्ष्य के अनुरूप तालमेल बैठाने के लिए प्रतिबद्ध है।

न्यूज ब्रीफ

सेवा पखवाड़ा मनाएगी भाजपा, लगाएगी शिविर

अमृत विचार, लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने बुधवार को कहा कि भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर से महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर तक विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम से सेवा पखवाड़ा मनाएगी। वे बुधवार को गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय पदाधिकारी, जिलाध्यक्ष एवं जिला प्रभारियों की संगठनात्मक बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा नर सेवा-नारायण सेवा के संकल्प के साथ रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य शिविर, स्वच्छता कार्यक्रमों सहित विभिन्न सेवा कार्यों के माध्यम गांव, गली, मोहल्लों, शहरों, कस्बों, पगडंडियों तक पहुंचेगी। उन्होंने पंचायत चुनाव व 2027 विधानसभा चुनाव में पूर्व तैयारी-पूर्ण तैयारी की नीति के साथ बूथ समिति तथा मजबूत बूथ व्यूह रचना की रणनीति पर चर्चा की।

डिस्कॉम को भुगतान के खिलाफ याचिका

अमृत विचार, लखनऊ : भारी घाटे में चल रहे उप्र. पावर कॉरपोरेशन व सहायक वितरण निगमों ने आल इंडिया डिस्कॉम एसोसिएशन को एक करोड़ 30 लाख 80 हजार रुपये का भुगतान किया है। एसोसिएशन के सदस्य के तौर पर यह भुगतान किया गया है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इसके विरोध में राज्य विद्युत नियामक आयोग में याचिका दाखिल की और प्रकरण की जांच की मांग की। दूसरी ओर, विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति ने सख्त आपत्ति करते हुए मुख्यमंत्री से प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। एसोसिएशन के डायरेक्टर जनरल आलोक कुमार का कहना है कि एसोसिएशन का उद्देश्य ऊर्जा क्षेत्र के अच्छे कार्यों को साझा करना है। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री की उपस्थिति में यह संगठन लांच हुआ था। इसमें सरकारी बिजली कंपनियां स्वेच्छा से सदस्य बनी हैं।

लखनऊ कौशल महोत्सव अगले माह

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की ओर से कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय के सहयोग से 17 व 18 सितंबर को लखनऊ कौशल महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के संचालन और प्रभावी क्रियान्वयन की तैयारी के लिए कौशल विकास मिशन मुख्यालय में अपर मिशन निदेशक प्रिया सिंह की अध्यक्षता में बुधवारको उच्चस्तरीय बैठक हुई। बैठक में गठित चार सदस्यीय टीम ने कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की और महोत्सव को सफल बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार की। इस दौरान प्रतिभागियों की सुविधा, प्रशिक्षण साझेदारों की भागीदारी, उद्योगों के साथ समन्वय तथा युवाओं तक अधिकतम सूचना पहुंचाने के लिए रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

कार्यशाला में दिया जा रहा प्रशिक्षण

अमृत विचार, लखनऊ : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि मिर्जापुर में बच्चों के लिए आयोजित कार्यशाला में 50 से अधिक स्कूली बच्चों, 15 से ज्यादा स्वयंसेवकों, शिक्षकों, धरोहर-प्रेमियों और वेलनेस विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया। इस दौरान बच्चों ने मिट्टी, ओडीओपी (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) कालीन अपशिष्ट और चुनार संगमरमर पाउडर से गणेश प्रतिमाएं तैयार की है। पर्यटन मंत्री ने बुधवार को बताया कि कार्यक्रम में प्रतिमा निर्माण के साथ संरक्षण, पुनर्स्थापन और धरोहर से जुड़ी जागरूकता संबंधी सत्र भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि हाल ही में बहराइच के कारिकोट गांव को पर्यटन के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।

अब सीएचसी की निगरानी भी होगी स्वास्थ्य भवन से

महानिदेशालय में स्थापित होगा पृथक हेल्थ ऑनलाइन पैरामीटर इवैल्यूएशन केंद्र होप-2

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित अस्पतालों की होगी 24 घंटे निगरानी

अमृत विचार : मंडलीय व जिला अस्पतालों की तरह ग्रामीण क्षेत्र स्थित 972 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों की भी निगरानी 24 घंटे लगातार स्वास्थ्य विभाग से होगी। इसके लिए इमरजेंसी से लेकर इंडोर तक 9 से 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे, जो स्वास्थ्य महानिदेशालय में हेल्थ ऑनलाइन पैरामीटर इवैल्यूएशन केंद्र (होप-2) से जुड़े होंगे, यहां पर तैनात टीम अस्पताल में मरीज को मिलने वाली हर सुविधा का ध्यान रखेगी, लापरवाही बरतने पर संबन्धित कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की संस्तुति कर सकेगी। इस व्यवस्था को स्थापित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा पांच करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

स्वास्थ्य विभाग में स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ.रतन पाल सिंह 'सुमन' ने बताया कि चतुर्थ तल पर होप स्थापित है। अभी तक इससे प्रदेश के 99 महिला व पुरुष जिला अस्पतालों को डिजिटल तरीके से जोड़ दिया गया है। इनके साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों को भी शामिल किया जा रहा है। इसके लिए कंप्यूटर ऑपरेटर समेत अन्य स्टाफ तैनात किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सीसीटीवी में बैठकर देखा जा सकेगा कि सीएचसी की इमरजेंसी या ओपीडी में डॉक्टर कक्ष में मौजूद हैं या नहीं। काउंटर के ऊपर लगा कैमरा बताएगा कि मरीजों को दवाएं मिल रहीं हैं या नहीं, हर समस्या की निगरानी की जाएगी। विभाग में रोजाना रिपोर्ट तैयार होगी। गड़बड़ी दिखने पर संबन्धित अस्पताल प्रशासन से तत्काल जवाब तलब किया जाएगा और शिकायतों के समाधान के निर्देश दिए जाएंगे।

क्या है होप

हर जिला अस्पताल में 16-16 सीसीटीवी कैमरे लगेंगे। ये कैमरे, रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर ओपीडी और इमरजेंसी समेत विभिन्न संवेदनशील स्थानों में लगे होंगे। पार्किंग और अस्पताल के मुख्य गेट और बाहर सड़क पर भी कैमरा लगाया जाएगा। हर उस स्थान पर कैमरा लगाया गया है जहां-जहां मरीज के लिए दिक्कत आ सकती है, ताकि हर स्तर पर मॉनिटरिंग की जा सके। इन सभी कैमरों को होप टू सिस्टम से जोड़ दिया गया है। इसके लिए स्वास्थ्य भवन में दर्जनों कम्प्यूटर युक्त होप दो सिस्टम तैयार किया गया है। एक बड़ी स्क्रीन पर अस्पतालों में लगे कैमरों द्वारा भेजी जा रही लाइव पोजिशन चलेगी।

> सीएचसी की दिक्कतें अभी तक जिला स्तर पर सुलझानी पड़ती हैं। अब इस इंटीग्रेटेड कंट्रोल सिस्टम द्वारा लखनऊ से ही पूरे प्रदेश की सीएचसी की निगरानी हो सकेगी। हर शिकायत का तत्काल समाधान किया जा सकेगा। अगर कोई शिकायत मिलती है तो संबन्धित अस्पताल में संबन्धित पुरानी फुटेज देखकर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसके शुरू होने के बाद, मंडलीय व जिला अस्पतालों की तरह सीएचसी के मरीजों को व्यावहारिक सुविधाएं मिलने के साथ ही शिकायतों से छुटकारा मिलेगा।
>
> -डॉ. रतन पाल सिंह 'सुमन', स्वास्थ्य महानिदेशक, उप्र.

प्रदेश में मोबाइल वेटनरी यूनिट और कॉल सेंटर बढ़े

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

- पशुओं के त्वरित इलाज की सुविधा का होगा विस्तार

अमृत विचार: प्रदेश में गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं के स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रदेश में मोबाइल वेटरिनरी यूनिटों की संख्या बढ़ाई जाएगी। साथ ही काल सेंटर भी बढ़ाया जाएगा। इसके लिए राज्य सरकार ने बुधवार को सभी जिलाधिकारियों और पशुपालन विभाग के निदेशक को पत्र भेजा है।

पशुपालन विभाग के उप सचिव रवीन्द्र प्रताप सिंह ने आदेश में स्पष्ट किया है कि प्रदेश में पांच करोड़ 20 लाख 37 हजार पशु हैं, प्रति एक लाख पशुओं पर एक यूनिट के आधार पर प्रदेश में 520 मोबाइल वेटरिनरी यूनिट संचालित हो रही हैं। इन यूनिटों को संचालित करने के लिए पांच काल सेंटर हैं, जिनमें एक साथ छह काल और एक समय में 30 कॉलें स्वीकार की जा रही हैं। ये काल सेंटर मेरठ, आगरा, लखनऊ, वाराणसी एवं प्रयागराज में स्थापित हैं। हर काल सेंटर पर दो पशु चिकित्सक कार्यरत हैं, फ्री टोल फ्री नंबर 1962 के जरिए जरूरतमंद पशु तक पहुंच कर स्वास्थ्य लाभ दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि काल सेंटर पर टेलीमेडिसिन की सुविधा प्रदान की जाती है और जरूरतमंद के पास मोबाइल यूनिट भेजी जाती है।

प्रभारी मंत्री तत्काल संभालें बाढ़ राहत कार्यों की कमान

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, कहा-पीड़ितों का रखा जा रहा ध्यान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- करीब ढाई लाख लोगों को दी गई सहायता, प्रदेश के 17 जिले बाढ़ की चपेट में
- 548 नाव और मोटरबोट्स की सहायता से पहुंचाई जा रही राहत सामग्री

अमृत विचार : लगातार मूसलाधार बारिश के कारण प्रदेश के 17 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बुधवार को बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी मंत्रियों को अपने-अपने जिलों में तत्काल राहत और बचाव कार्य की कमान संभालने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों से भी बढ़-चढ़कर इस कार्य में भाग लेने और प्रभावित लोगों की हर जरूरत का ध्यान रखने को कहा।

योगी ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति बाढ़ की समस्या से परेशान न हो, प्रभावित लोगों को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया जाए और मवेशियों के लिए भी पर्याप्त इंतजाम किये जाएं।

राहत आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी के अनुसार प्रदेश की 37 तहसीलों के 688 गांव बाढ़ से प्रभावित हैं, जिनमें 2,45,980 लोग और 30,030 मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट किया गया है। बाढ़ से कुल 27061 हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित हुआ है। राहत कार्य में 548 नाव और मोटरबोट्स की सहायता से राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। बुधवार को 1,904 खाद्यान्न पैकेट और 11,350 लंच पैकेट वितरित किये गए।

प्रदेश के ये जिले हैं बाढ़ प्रभावित : बलिया, बहराइच, बदायूं, चंदौली, कानपुर नगर, हरदोई, फर्रुखाबाद, गोंडा, कासगंज, लखीमपुर खीरी, मेरठ, मीरजापुर, मुजफ्फनगर, शाहजहांपुर, उन्नाव, प्रयागराज और वाराणसी।

996 बाढ़ चौकियों की स्थापना

कुल 284 बाढ़ शरणालय सक्रिय हैं, जहां 4,440 लोग अस्थायी रूप से निवास कर रहे हैं और 626 मेडिकल टीमों द्वारा उनका मेडिकल चेकअप किया जा रहा है। सरकार ने जलजनित बीमारियों को रोकने के लिए 12,298 क्लोरीन टेबलेट और 4,422 ओआरएस पैकेट वितरित किए हैं। प्रभावित इलाकों में 996 बाढ़ चौकियों की स्थापना की गई है, जो लगातार स्थिति पर निगरानी रख रही हैं।

जहां योजनाएं नहीं पहुंचती थीं, आज वहां मिल रहे रोजगार

मुख्यमंत्री ने थारू जनजाति की बेटियों के चयन को बताया निष्पक्षता का जीवंत उदाहरण

चयनित थारू जनजाति और सुदूर क्षेत्रों के लाभार्थियों के साथ लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य।

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- चयनित युवाओं ने साझा किए अनुभव, बोले- पारदर्शी प्रक्रिया से मिली नौकरी में रहेंगे ईमानदार

अमृत विचार : लखीमपुर खीरी से आई थारू समुदाय की नंदू राना की चयन मुख्य सेविका के पद पर हुआ है। ऐसे तमाम पिछड़े इलाकों से चयनित लोगों के अनुभव ईमानदार भर्ती प्रक्रिया के जीवंत उदाहरण बन गए। मुख्यमंत्री योगी ने इन बेटियों के चयन को पारदर्शी और निष्पक्षता से जोड़ते हुए कहा कि जहां पहले योजनाएं नहीं पहुंचती थीं, आज वहां रोजगार मिल रहे हैं।

चयनित युवाओं ने लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से अपने अनुभव साझा किए। लखीमपुर खीरी से आई थारू समुदाय की नंदू राना, जो मुख्य सेविका के पद पर चयनित है। उन्होंने कहा कि दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से हूं। अतिपिछड़े क्षेत्र से हूं, जहां मूलभूत सुविधाएं नहीं थीं। सीमित संसाधनों में पढ़ाई की और आज मुख्यमंत्री योगी के प्रयासों से निष्पक्ष प्रक्रिया से मुख्य सेविका के पद पर चयन हुआ। इसके अलावा विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षेत्रों से आई अन्य लाभार्थियों ने भी योगी सरकार की पारदर्शी भर्ती की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमें हक मिला और हम ईमानदारी से कर्तव्य निभाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेष रूप से थारू जनजाति और सुदूर क्षेत्रों की बेटियों का चयन इस निष्पक्ष प्रक्रिया का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री कहा कि आज नियुक्ति पत्र वितरण के दौरान मैंने देखा कि आजमगढ़, अमरोहा, शामली, लखनऊ, कानपुर, आगरा, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज जैसे जनपदों के युवाओं को अवसर मिला। वहीं लखीमपुर खीरी और दुधवा नेशनल पार्क के जंगलों से थारू जनजाति की बेटियों का चयन हुआ, जो इस प्रक्रिया की पारदर्शिता को दर्शाता है।

नमामि गंगे अभियान को दुनिया ने सराहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्टॉकहोम वर्ल्ड वॉटर वीक में बढ़ा भारत का मान

अमृत विचार : स्टॉकहोम वर्ल्ड वॉटर वीक में नदी संरक्षण के लिए 'नमामि गंगे' को दुनिया ने सराहा है। 40 हजार करोड़ से गंगा पुनर्जीवन की ऐतिहासिक पहल से भारत का मान बढ़ा। विशेषज्ञों ने की भावुक अपील की कि शहर अब केवल उपभोक्ता नहीं, नदी बेसिन के सक्रिय संरक्षक बनें।

नदियों के संरक्षण को लेकर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद विशेषज्ञ।

स्टॉकहोम इंटरनेशनल वॉटर इंस्टीट्यूट द्वारा वर्ष 1991 से आयोजित यह प्रतिष्ठित आयोजन अब वैश्विक नीति निर्धारकों, वैज्ञानिकों, उद्योग विशेषज्ञों और सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए सबसे प्रभावशाली मंच बन चुका है। गंगा के विस्तृत प्रवाह वाले प्रदेश के रूप में उत्तर प्रदेश नमामि गंगे कार्यक्रम का प्रमुख केंद्र रहा है। वाराणसी में रिवरफ्रंट विकास, कानपुर में सीवेज शोधन संयंत्रों की स्थापना तथा छोटे एवं मझोले नगरों में सामुदायिक भागीदारी आधारित पहलें इस अभियान को सफलतापूर्वक आगे बढ़ा रही हैं।

इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का केंद्र बिंदु बना "नदी शहरों की पुनर्कल्पनाः जलवायु-संवेदी और बेसिन-केंद्रित शहरी विकास" जिसमें राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन, राष्ट्रीय शहरी कार्य संस्थान और जर्मन विकास सहयोग ने मिलकर नेतृत्व किया। इस सत्र में विशेषज्ञों ने जोर दिया कि जलवायु परिवर्तन और शहरीकरण की चुनौतियों के बीच, नदी-केंद्रित विकास ही शहरों को टिकाऊ और सुरक्षित बना सकता है।

राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव कुमार मित्तल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि नमामि गंगे मिशन ने भारत में नदियों के पुनरुद्धार के लिए एक ऐतिहासिक नीतिगत बदलाव की नींव रखी है। उन्होंने बताया कि इस मिशन के तहत अब तक 40 हजार करोड़ रुपये का भारी निवेश किया जा चुका है, जो गंगा और उसकी सहायक नदियों को उनके प्राचीन रूप में पुनः स्थापित करने की दिशा में तेजी से कार्य कर रहा है।

स्वच्छता की झूठी तस्वीर पेश कर रही सरकार

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बोले, रोजगार के नाम पर छला जा रहा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा कि राज्य सरकार स्वच्छता के नाम पर झूठी तस्वीर पेश कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में युवाओं को रोजगार के नाम पर छला जा रहा है। प्रदेश अध्यक्ष बुधवार को प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि एक ओर अव्यवस्था से गरीब अपनी जान गंवा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकार झूठे आंकड़ों और चमकदार तस्वीरों से इनाम बटोरने में लगी है। उन्होंने कहा कि राजधानी में जानकीपुरम सेक्टर-7 निवासी राजेश कौशल की मौत डायरिया से हुई, जिसका कारण दूषित सीवरयुक्त पानी था। राजेश कौशल फेरी करके परिवार चलाते थे, उनकी मौत पूरे सिस्टम की पोल खोलती है। दुर्भाग्य यह है कि सरकार मौत का असली कारण छिपा रही है और भाजपा के किसी नेता ने उनके परिजन की सुध तक नहीं ली। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राजधानी लखनऊ को देशभर में स्वच्छता रैंकिंग में तीसरा स्थान मिला है और जो रक्षामंत्री का संसदीय क्षेत्र है, वहां लोग गंदगी और बीमारियों से मर रहे हैं। यह सरकार की संवेदनहीनता का सबूत है।

प्रेसवार्ता करते अजय राय।

कांग्रेस नेता ने बेरोजगारी पर सरकार को घेरते हुए कहा कि युवा निराश हैं और सरकार तथाकथित 'कुंभ रोजगार' जैसे आयोजन कर छलावा कर रही है। वहां बच्चों और युवाओं के सीवी और डिग्रियां कूड़े में पड़ी मिल रही हैं। यह युवाओं के साथ घोर मजाक है।

सही बिजली बिल न देने पर होगी कार्रवाई : अध्यक्ष

अमृत विचार, लखनऊ : सही बिजली बिल न देने पर बिलिंग एजेंसियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उप्र. पावर कॉरपोरेशन के अध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार गोयल ने एजेंसियों को चेतावनी देते हुए कहा कि हर हाल में बिजली उपभोक्ताओं को सही रीडिंग का बिल उपलब्ध कराएं।

अध्यक्ष बुधवार को शक्ति भवन में एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने बिलिंग एजेंसियों साईं कंप्यूटर, तेरा सॉफ्ट, वैभव इंफ्रा, फ्लूएंट ग्रिड व इन्वेंटिव सॉफ्टवेयर कंपनियों को नोटिस के माध्यम से कड़ी चेतावनी देने के निर्देश दिए। अध्यक्ष ने कहा कि गलत और त्रुटि पूर्ण बिल की तमाम शिकायतें आ रही हैं, जो खत्म होनी चाहिए, इसकी पूरी जिम्मेदारी मीटर रीडर की है। उन्होंने कहा कि एजेंसियां अपने मीटर रीडर के कार्यों की समीक्षा करें, साथ ही तकनीक के जरिये सही बिलिंग की पड़ताल करते रहें।

अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट मीटर लग रहे हैं। इनके पूरी तरह लगने के बाद उपभोक्ताओं की गलत बिल मिलने की शिकायतें समाप्त हो जाएंगी।

शिकायतों के फर्जी निस्तारण पर बिजली कर्मियों पर होगी कार्रवाई

- ऊर्जा मंत्री ने अधिकारियों को दिए निर्देश

अमृत विचार, लखनऊ : हेल्पलाइन 1912 पर दर्ज शिकायतों के फर्जी निस्तारण पर दोषी बिजली कर्मियों पर कार्रवाई होगी। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने अधिकारियों को फर्जी निस्तारण में शामिल अधिकारियों-कर्मचारियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने के निर्देश दिये। ऊर्जा मंत्री बुधवार को राजधानी स्थित संगम सभागार में ऊर्जा विभाग की बिजली आपूर्ति समेत अन्य शिकायतों के निस्तारण की समीक्षा कर रहे थे।

उन्होंने निगमों के सभी प्रबंध निदेशकों को निर्बाध बिजली आपूर्ति व शिकायतों के क्रॉस चेकिंग करते हुए दोषी अधिकारियों-कर्मचारियों पर कार्रवाई के निर्देश दिये। बैठक में सभी

एके शर्मा

वितरण निगम के प्रबंध निदेशक व केस्को के निदेशक ने क्षेत्रवार ऑनलाइन शिकायतों के निस्तारण की वस्तुस्थिति से अवगत कराया। ऊर्जा मंत्री ने विभागीय शिकायतों के निस्तारण की वास्तविक स्थिति पर गहरी नाराज़गी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिना समस्याओं का सही समाधान किए हुए उन्हें निस्तारित दिखाना जनता के साथ अन्याय है। ऐसी लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऊर्जा मंत्री ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी प्रबंध निदेशक अपने स्तर से निस्तारित होने वाले शिकायतों के संबंध में शिकायतकर्ता से बात करते हुए क्रॉस चेक कराएं।

तैयारी

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण में योगी सरकार का डबल फोकस

पुरानी योजनाओं की दिखेंगी उपलब्धियां, नई होंगी लांच

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

UP INTERNATIONAL TRADE SHOW

- प्रदेश की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने के साथ भविष्य की योजनाओं पर जोर

अमृत विचार : उप्र. इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 में इस बार इस मेगा इवेंट का फोकस न सिर्फ पुरानी योजनाओं और उपलब्धियों पर रहेगा, बल्कि सरकार की ओर से कई नई योजनाओं और नीतियों को भी यहां पर लॉन्च किया जा सकता है। ताकि निवेशकों को आकर्षित करने के साथ ही प्रदेश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में पेश किया जा सके।

कार्यक्रम के दौरान योगी सरकार के विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं और पिछले वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), उप्र. डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, गंगा एक्सप्रेस-वे, डिजिटल निवेश पोर्टल और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स की झलक निवेशकों और आगंतुकों को दिखाई जाएगी। वहीं, पूरी संभावना है कि इंटरनेशनल ट्रेड शो के मंच से सरकार नई उद्योग प्रोत्साहन योजनाएं, एमएसएमई वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम और निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष स्कीम्स को लॉन्च कर सकती है। इसके साथ ही उद्यमियों के लिए इनोवेशन सपोर्ट, महिला उद्यमिता प्रोत्साहन और स्टार्टअप्स के लिए सब्सिडी जैसी योजनाओं के विषय में भी घोषणा हो सकता है।

कई केंद्रीय मंत्री बनेंगे कार्यक्रम का हिस्सा : आयोजन की महत्ता बढ़ाने के लिए कई केंद्रीय मंत्रियों को आमंत्रित किया जा रहा है, जिनमें वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह, एमएसएमई मंत्री जितन राम मांझी और कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, प्रदेश सरकार के मंत्री, विधायक, अधिकारी एवं अन्य वीआईपी गेस्ट भी इस इवेंट का हिस्सा बनेंगे।

विदेशी निवेशकों तक पहुंचेगा संदेश

योगी सरकार ने भारतीय दूतावासों और विदेशी मिशनों से इस आयोजन को प्रमोट करने का अनुरोध किया है। इसके तहत होस्टेड बायर प्रोग्राम की जानकारी संबंधित देशों के प्रमुख खरीदारों, चैंबर्स और ट्रेड बॉडीज तक पहुंचाई जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश और देश के अंदर भी व्यापक प्रचार किया जा रहा है। मेट्रो, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और टीवी चैनलों के जरिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए यूपी की लोककला और धरोहर का रंगारंग प्रदर्शन भी किए जाने की तैयारी है।

दो दिनों में हुई 9,297 युवकों की भर्ती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- रोजगार महाकुंभ का दूसरा दिन

अमृत विचार : रोजगार महाकुंभ में दो दिनों के भीतर कुल 9,297 युवकों की भर्ती हुई। बुधवार को दूसरे दिन टोकन प्रणाली से कंपनियों ने साक्षात्कार लिए। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में बुधवार को कुल 7,479 लोगों का चयन किया गया है। इनमें से 6,947 का चयन भारत में विभिन्न नौकरियों के लिए और 532 का चयन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) स्थित 22 कंपनियों में नौकरियों के लिए किया गया है। मंगलवार को 1,818 और बुधवार को 7,479 यानी कुल 9,297 युवकों की भर्ती हुई। उम्मीद है कि तीसरे और अंतिम दिन तक कुल भर्ती 15 हजार को पार कर जाएगी।

रोजगार महाकुंभ के दौरान कतार में लगे युवा।

नई परियोजनाओं के अनुरूप प्रशिक्षित होंगे युवा

अमृत विचार, लखनऊ : कौशल विकास मिशन के निदेशक पुलकित खरे ने कहा कि प्रदेश के युवा नई औद्योगिक परियोजनाओं के अनुरूप प्रशिक्षित होंगे। वह बुधवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित रोजगार महाकुंभ-2025 के दूसरे दिन आयोजित 'इंडस्ट्री नीड्स बनाम स्किल इकोसिस्टम-ब्रिजिंग द गैप' सत्र को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि युवाओं को न्यू एज टेक्नोलॉजी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमेशन, डेटा एनालिटिक्स, डिजिटल मार्केटिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा।

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS • MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

न्यूज ब्रीफ

दीवार गिरने से मलबे में दबा अधेड़, मौत

छिबरामऊ। ग्राम मदारपुर में बुधवार की सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। अपने घर में दीवार के पास काम कर रहे अधेड़ पर दीवार गिर पड़ी, मलबे में दबने से उसकी मौत हो गई। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मदारपुर निवासी 50 वर्षीय सरवन पुत्र बाबूराम मजदूरी का कार्य करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। बुधवार को वह अपने कच्चे मकान में काम कर रहा था तभी कमजोर दीवार भरभराकर गिर पड़ी। दीवार के मलबे में दबने से सरवन गंभीर रूप से घायल हो गया। दीवार गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। पड़ोसियों और परिजनों ने तुरंत मलबा हटाकर सरवन को बाहर निकाला और उन्हें सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर यहां से तिर्वा मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। वहां कुछ देर चल प्राथमिक उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

मेजर ध्यान चंद जयंती पर होंगी खेल प्रतियोगिताएं

कन्नौज। जिला खेल कार्यालय के तत्वावधान में मेजर ध्यान चंद के जन्म दिवस (राष्ट्रीय खेल दिवस) पर 29 अगस्त से जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किय जाएगा। यह जानकारी देते हुए जिला क्रीड़ा अधिकारी नूर हसन ने बताया कि 29 अगस्त को 14 वर्ष से कम आयु वर्ग में जिला स्तरीय हॉकी, 30 को 19 वर्ष से कम आयु वर्ग की फुटबाल तथा इसी आयु वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

बेसिक शिक्षा की बैठक आज

कन्नौज। बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि 28 अगस्त को विकास भवन सभागार में बैठक होगी। इसमें बेसिक शिक्षा विभाग के अलावा माध्यमिक शिक्षा, सीएमओ, डीडीओ, पीडी, डायट, डीपीआरओ, जिला कार्यक्रम अधिकारी, समाज कल्याण, प्रोबेशन अधिकारी, दिव्यांग जन सशक्तीकरण अधिकारी, जिला युवा कल्याण अधिकारी, बीडीओ आदि शामिल होंगे। बैठक में आरटीई के तहत निगरानी की व्यवस्था एवं सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने आदि पर चर्चा होगी। अध्यक्षता सीडीओ करेंगे।

श्री गणेश की पूजा अर्चना करते भक्त। अमृत विचार

जलालाबाद में भी भक्ति की बयार

संवाददाता,जलालाबाद, कन्नौज

अमृत विचार। मनसा देवी मंदिर में श्री गणेश महोत्सव सेवा समिति की आयोजक अर्चना पाठक व पंडित धीरज पांडे ने विघ्नहर्ता गणेश की पूजा अर्चना कर 9वीं बार स्थापना की। स्थापना होते ही गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे लगे। कस्बा में चार स्थानों पर स्थापना की गई। अखिल नगर में सुनील श्रीवास्तव, बबलू सक्सेना, पशु चिकित्सालय के निकट श्रीकृष्ण बाल्मीक भक्तों ने पंडालों व घरों को फूलों व रंग बिरंगी लाइटों से भव्य सजावट की। देर रात आरती के बाद भजन कीर्तन व झांकियों का कलाकारों के द्वारा प्रदर्शन किया गया। इस दौरान अध्यक्ष रंजीत चौरसिया, सौरव पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

सरिता गौतम का राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए चयन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- बुधवार को जारी हुई पुरस्कार की सूची में 34वें नंबर पर कन्नौज का नाम है

05 सितंबर को शिक्षक दिवस पर वर्ष 2024 का पुरस्कार दिया जाएगा

अमृत विचार। सदर विकास खंड क्षेत्र के प्राथमिक स्कूल आसकरनपुर्वा की प्रधानाध्यापक सरिता गौतम का चयन राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए हो गया है। 05 सितंबर को उन्हें वर्ष 2024 का पुरस्कार दिया जाएगा। बुधवार को जारी हुई पुरस्कार की सूची में 34वें नंबर पर कन्नौज का नाम है।

शहर के डाक बंगला रोड के निकट की निवासी सरिता गौतम ने बताया कि लखनऊ में 11 अगस्त को 3 अधिकारियों ने उनका साक्षात्कार लिया था। उनको भरोसा था कि राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिए चयन हो जाएगा। समिति ने पीपीटी, आईसीटी, बच्चों की उपस्थिति व संख्या, अभिभावक बैठक, पढ़ाई, कविता व कहानी में अंतर, विद्यार्थियों को अब तक कितना पढ़ाया आदि सवाल पूछे थे। सरिता बताती हैं कि पुरस्कार के लिए वह आवेदन नहीं कर रहीं थीं, लेकिन मित्र और राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित रेनू कमल ने प्रेरित किया। सरिता ने अपने विद्यालय परिवार को चयन का श्रेय दिया है। बताया कि स्कूल में निजी प्रयास से स्मार्ट क्लास, इन्वर्टर, लैपटॉप, टीवी, पंखे, प्रिंटर व मैट की व्यवस्था की है। विद्यालय में सहायक शिक्षक अमित श्रीवास्तव, अरविंद दुबे, पुष्पा, संदीप मिश्र, रामकुमार, देवेंद्र सिंह पाल व मोहित कटियार सहयोग करते हैं। पति अश्वनी गौतम व्यवसायी हैं। बीएसए संदीप कुमार ने बताया कि जिला समिति ने अच्छे शिक्षकों का चयन कर फाइनल के लिए राज्य पर भेजा था। जनपद का नाम सूची में आया है, इससे अच्छा लग रहा है। पिछले साल चयन नहीं हो सका था। अन्य अध्यापक भी मेहनत करें, जिससे उनको पुरस्कार मिल सके। बीईओ सदर मधुलिका बाजपेयी ने बताया कि पीएस आसकरनपुर्वा का परिवेश बेहतर है।

प्राथमिक स्कूल आसकरनपुर्वा के बच्चों के साथ प्रधानाध्यापक सरिता गौतम।

इस तरह पाई कामयाबी

- प्रधानाध्यापक सरिता गौतम ने बताया कि उनका चयन 02 जनवरी 2006 को प्राथमिक स्कूल चौधरियापुर में सहायक अध्यापक के रूप में हुआ था। 2008 में प्रमोशन हुआ और प्रधानाध्यापक बन गईं। सितंबर 2011 में उनकी तैनाती प्राथमिक स्कूल आसकरनपुर्वा में हो गई। 2015 में इस विद्यालय को अंग्रेजी माध्यम में चुना गया, उस समय छात्र संख्या 200 थी। वर्ष 2019-20 में 317 बच्चे हो गए। वर्तमान में 217 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। 2022-23 में उनको कन्नौज शिक्षा रत्न पुरस्कार दिया गया। विद्यालय में अभिभावकों की बैठक, बच्चों की उपस्थिति व लाइब्रेरी रूम पर अधिक फोकस रहता है। निरक्षर महिलाओं को भी उन्होंने पढ़ाया।

मोहल्ला कटरा बहादुर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित होने के बाद पूजा करते यजमान।

भगवान गणेश प्रतिमा की आरती करते नगर पंचायत राहुल गुप्ता व अन्य।

जिले भर में 61 स्थानों पर विराजे गजानन, 10 दिन चलेगा उत्सव

कटरा बहादुर मोहल्ले में 15 फुट ऊंचे भगवान गणेश की हुई प्राण प्रतिष्ठा

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। जिले भर में गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की प्रतिमा पूरे जिले में स्थापित की गई हैं। बुधवार को पूरे जिले में भगवान गणेश की पूजा पाठ का दौर चलता रहा। गणेश महोत्सव को लेकर एसपी ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये हैं।

जिले में 61 स्थानों पर भगवान गणेश का प्रतिमा स्थापित की गई हैं। शहर के मोहल्ला कटरा बहादुर में 15 फुट ऊंची भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रतिमा स्थापित होने के बाद आचार्य शिवांक अग्निहोत्री ने मंत्रोच्चारण के साथ यजमान नीरज कुमार गुप्ता व उनकी पत्नी पूजा गुप्ता ने वेदी पूजन व प्राण प्रतिष्ठा की पूजा कराई। श्री गणेश सेवा समिति के तत्वाधान में गणेश महोत्सव 06 सितंबर तक चलेगा। 28 अगस्त को अखण्ड पाठहोगा। 29 अगस्त को भगवान गणेश विवाह हल्दी कुमकुम, 30 अगस्त को पूजा आरती व रात में जवाबी कीर्तन , 31 अगस्त को श्री गणेश जी का दुर्वाभिषेक एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। 01 सितंबर को भव्य जागरण, 02 सितंबर को सुन्दर काण्ड पाठ, 03 सितंबर को पूजा आरती, 04 सितंबर को भगवान गणेश का रुद्राभिषेक एवं बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम, 05 सितंबर को हवन पूर्ण आहुति व महा आरती, 06 सितंबर को विशाल शोभा यात्रा निकाली जायेगी। नियमित शाम के समय की आरती 8:30 बजे से होगी। गणेश महोत्सव को लेकर एसपी विनोद कुमार ने सुरक्षा के खास इंतजाम किये हैं। जिन स्थानों पर प्रतिमा स्थापित की गई है वहां पर पुलिस की पहरेदारी रहेगी। खास कर प्रतिमा विसर्जन के दिन भारी पुलिस बल को लगाया गया है।

सौरिख में भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित चेयरमैन ने किया पूजन

- **सौरिख कन्नौज।** मोहल्ला नेहरू नगर में सोमनाथ मंदिर के प्रांगण में बुधवार को गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई। भगवान गणेश की आरती नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने की। वहीं पूजन पंडित राघव पाठक ने कराया। इस महोत्सव पर विगत वर्षों की भांति भजन कीर्तन का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर कमेटी के प्रबंधक शशिकांत गुप्ता, अध्यक्ष शैलेंद्र प्रजापति, कार्यवाहक अध्यक्ष आकाश शर्मा, राजेश कुमार, प्रमोद गुप्ता, राजू प्रजापति, देव गुप्ता, बादल सिंह, अमन प्रजापत, मनीष प्रजापत, गगन गुप्ता, राज किशोर प्रजापत, मोतीलाल प्रजापत, संतोष प्रजापति उपस्थित रहे।

गाजे-बाजे के साथ घर व पंडालों में विराजे गणपति बप्पा, उल्लास

संवाददाता गुरसहायगंज

अमृत विचार। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गणपति का जन्म गणेश चतुर्थी भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी को हुआ था। भगवान गणेश को देवताओं में प्रथम स्थान प्राप्त है। किसी कार्य को प्रारम्भ करने से पहले गणेश प्रथम पूज्य व मंगलमय भी माने जाते हैं। नगर व क्षेत्र में श्रद्धालुओं ने गाजे-बाजे के साथ घर व देवालयों में गणेश प्रतिमा की स्थापना की।

बुधवार को गणेश चतुर्थी पर नगर सहित क्षेत्र के देवालयों व घरों में गणेश प्रतिमाओं को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि विधान से स्थापित किया गया। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने हवन पूजन कर गजानन की आरती वंदना की और मोदक का भोग लगाया। रामकिशन नगर, तिर्वा रोड, जवाहर नगर, जीटी रोड, पावर हाउस, इन्द्रा नगर, रामगंज, अशोक नगर, किदबई नगर, चकोर गली आदि स्थानों पर पंडाल लगाकर गणेश प्रतिमा स्थापित की गई। मान्यता है कि श्री गणेश की आराधना से गृह शांति व कष्टों का निवारण होता है। विभिन्न स्थानों पर प्रमुख समाजसेवी अशोक गुप्ता, पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता, नीरज मिश्रा, संतोष चतुर्वेदी, दीपक पाठक, दीपू शर्मा, धर्मेन्द्र गुप्ता, टीटू गुप्ता, ब्रजेश गुप्ता, संदीप गुप्ता, विजय गुप्ता, शिवा गुप्ता, आंचल गुप्ता आदि श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा के जयकारे लगाए।

गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों से गूंजा छिबरामऊ

- **छिबरामऊ।** जय बालाजी सेवा समिति इंदिरा आवास कॉलोनी फर्रुखाबाद रोड छिबरामऊ के तत्वाधान में 11वां श्री गणेश महोत्सव धूमधाम से शुरू हुआ। कलश यात्रा ताजपुर रोड कली मठिया से शुरू होकर फर्रुखाबाद चौराहे से इंदिरा आवास कॉलोनी स्थित गणेश चौक तक संपन्न हुई। भक्तों ने बैंड बाजे के साथ नाचते-गाते भव्य पंडाल में भगवान गणेश की मंत्रोच्चार के साथ स्थापना की। समिति के अध्यक्ष सर्वेश कुमार तिवारी ने हवन पूजन कराया, जिसके बाद आरती और प्रसाद वितरण हुआ। पंडाल में गणपति बप्पा मोरिया के जयकारे गूंजे। इस अवसर पर प्रशांत त्रिपाठी, पंकज मिश्रा, हिरदेश अग्रवाल, पवन गुप्ता, राजू गुप्ता, यश तिवारी, स्पर्श तिवारी, आशु शाक्य, अनामिका अग्रवाल, रजनी सक्सेना, प्रीती सक्सेना, रुचि ठाकुर, मीना मिश्रा, हरिओम मिश्रा, अमिता चौहान, अनुपम शर्मा, शीतला गुप्ता, अभय गुप्ता, प्रवेश दीक्षित, ज्योति, गीता कश्यप, शिवानी अरोड़ा आदि ने विशेष सहयोग दिया। इसी तरह सिकंदरपुर नगर पंचायत के भगत सिंह नगर स्थित हनुमान मंदिर परिसर में भी 11वां गणेश महोत्सव भव्य रूप से शुरू हुआ। आयोजन के अध्यक्ष संजय रावत ने साथियों के साथ भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर महोत्सव का शुभारंभ किया। इस मौके पर अंशु मिश्रा, प्रभाकर रावत, आकाश मिश्रा, अनुभव शुक्ला, डॉ. नीरज, सभासद श्यामू शाक्य, अमित चौरसिया, सुमित राठौर, मोनू चौरसिया सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गणेश प्रतिमा की स्थापना के दौरान आराधना करते भक्त।

कलश यात्रा में मौजूद महिलाएं व पुरुष।

1 एकड़ में बनेगी फीकल स्लज मैनेजमेंट इकाई

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की बैठक में डीएम ने कार्य में तेजी लाने के दिए निर्देश

अमृत विचार। जलालाबाद ब्लाक के तिलपई डिगसरा में एक एकड़ भूमि का चिन्हांकन फीकल स्लज मैनेजमेन्ट (मल कीचड़ प्रबंधन) इकाई के लिए किया गया है। इसके लिए मिशन को मांग भेजी गई है। धन आवंटन होते ही निर्माण कार्य कराया जाएगा।

यह बात जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने कलेक्ट्रेट गांधी सभागार में जिला स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही। निर्देश दिए कि रेट्रोफिट शौचालयों के कार्य की गुणवत्ता का सत्यापन जिला स्तरीय अधिकारियों की समिति का गठन कराकर किया जाए। कहा कि ब्लाक छिबरामऊ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत छिबरामऊ देहात, गुगरापुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कुसुमखोर तथा विकास खण्ड जलालाबाद क्षेत्र की ग्राम पंचायत जसपुरापुर सरैया में 45 घनमीटर की क्षमता का बायोगैस प्लांट का निर्माण कराया गया है। जसरपुरापुर सरैया का बायोगैस प्लांट संचालित कर संबंधित फर्म को भुगतान किया जाए। जीरो पावर्टी के अन्तर्गत आवास सर्वे के दौरान 4482 पात्र पाये गये शौचालयों के सापेक्ष 1730 पात्र लाभर्थियों को आच्छादित किया जा चुका है। शेष 2752 पात्र लाभार्थियों को भी शौचालय से आच्छादित किया जाए। जानकारी दी कि विकास खण्ड सौरिख की ग्राम पंचायत बहादुरपुर मझिगवां में स्थापित प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेन्ट यूनिट के संचालन को मशीनों व सामग्री का क्रय किया जा चुका है। यूनिट का संचालन जल्द शुरू कराया जाए। 191 आरआरसी सेण्टर संचालित कराये जाने हेतु कार्ययोजना बनायी जाए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने वाले 04 आरोपी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता कन्नौज/ गुरसहायगंज

अमृत विचार। हिंदू धर्म के लोगों का ईसाई बनाने का प्रयास व इनकार पर धमकी देने के मामले में गुरसहायगंज पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

26 अगस्त को सबीना नागर पत्नी विनोद नट निवासी मोहल्ला गांधीनगर थाना गुरसहायगंज ने कहा था कि आरोपियों की ओर से प्रलोभन देकर, दैवीय अप्रसाद का भय दिखा कर तथा दुर्व्यपदेशन देकर हिन्दू धर्म से ईसाई धर्म में धर्म परिवर्तन कराने का प्रयास किया गया। मना करने पर अभद्र व्यवहार कर धमकाया गया। गुरसहायगंज कोतवाली प्रभारी आलोक दुबे ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की तो मामला सही पाया। पुलिस ने 27 अगस्त को चेकिंग के दौरान थाना गुरसहायगंज क्षेत्र के तेराजाकेट अन्डरपास से आरोपी धर्मेन्द्र निवासी मिश्रपुर थाना सौरिख जनपद कन्नौज, गौवडा प्रसाद निवासी राजमेन्ट्री जिला गोदावरी पूर्व आन्ध्र प्रदेश, ममता देवी पत्नी मलिखान निवासी इस्माइलपुर थाना गुरसहायगंज जनपद कन्नौज, मंजू पत्नी संजय कुमार निवासी गोपालपुर थाना गोला जिला गोरखपुर को गिरफ्तार कर लिया। जांच की जा रही है।

पुलिस गिरफ्त में धर्मांतरण कराने का प्रयास करने के आरोपी। अमृत विचार

इस तरह के लोगों का कराते धर्मांतरण

- **कन्नौज।** पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि यह लोग सीधेसादे अनुसूचित जाति के लोगों को पैसे का लालच एवं उनके बच्चे की सही सलामत परविरिस व परिवार में कोई समस्या आने पर मदद करने की बात कहते थे। इस प्रकार के लालच देकर धर्म परिवर्तन कराते। यदि कोई नहीं मानता है तो उन्हें डरा धमकाकर धर्म परिवर्तन कराते हैं। 26 अगस्त को उक्त लोगों ने ग्राम इस्माईलपुर में सबीना नाम की महिला को लालच देकर बुलाया जब उसे प्रार्थना करके धर्म परिवर्तन करने के लिये कहा तो उसने मना कर दिया था। इस पर उससे कहासुनी हो गयी थी । धर्म परिवर्तन कराने के लिये उक्त लोगों के पास संबंधित धर्म ग्रन्थ भी होते हैं। इनके पास से दो धर्म ग्रन्थ व दो मोबाइल बरामद किये गये हैं।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

- गुरसहायगंज कोतवाली के दरोगा अवनीश कुमार, हेड सिपाही बबलू कुमार, सिपाही रत्नेश उत्तम, महिला सिपाही विजय शर्मा सामिल रहे।

आयोजन

अधीनस्थ चयन आयोग से चयनित सुपरवाइजरों के खिले चेहरे ,जल्द मांगे जाएंगे विकल्प और जनपदों में मिलेगी तैनाती

जिले की नवचयनित 13 मुख्य सेविकाओं को मिले नियुक्ति पत्र

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट के गांधी सभागार में नव चयनित 13 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। उत्तर प्रदेश सरकार के रोजगार की लहर हर गांव हर शहर नीति के तहत महिला सशक्तिकरण के तहत नियुक्ति पत्र पाकर चयनितों के चेहरे खिल गए।

बुधवार को मुख्य अतिथि भाजपा विधायक तिर्वा कैलाश राजपूत एवं जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री ने सफल मुख्य सेविकाओं का उत्साह बढ़ाया। बताया गया है कि उत्तर प्रदेश अधीनस्थ चयन आयोग की ओर से 2536 अभ्यर्थी सूबे में सफल घोषित किए गए हैं। इसमें 2425 को नियुक्ति पत्र दिए गए जिसमें जनपद कन्नौज की 13 महिलाएं भी शामिल हैं। विधायक ने कहा कि जनपद की बेटियां अपनी योग्यता से मुख्य सेविका के पद पर चयनित हुई हैं इससे अन्य बेटियों को भी प्रेरणा मिलेगी। डीएम ने कहा कि मुख्य सेविकाएं अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी के साथ करें। कहा कि मुख्य सेविकाओं की प्रमुख जिम्मेदारी आंगनबाड़ी केंद्रों का नियमित पर्यवेक्षण, सरकारी पोषण एवं स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग तथा केंद्रों पर दी जा रही सेवाओं का ब्योरा उच्चाधिकारियों को उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर एडीएम न्यायिक देवेंद्र सिंह, जिलाध्यक्ष भाजपा वीर सिंह भदौरिया, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा उपस्थित रहे। जिला कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि अभी नियुक्ति पत्र मिले हैं, आगे चयनितों से विकल्प मांगकर जनपदों में तैनाती की जाएगी।

नियुक्ति पत्र लिए खड़ीं नव चयनित मुख्य सेविकाएं, साथ में अधिकारी व जनप्रतिनिधि। अमृत विचार

इन मुख्य सेविकाओं का हुआ चयन

- नीति तिवारी, निवासी तिर्वा
- नीतू यादव, निवासी भोजपुर निगोह, मिघौली छिबरामऊ
- स्नेहा, निवासी रामपुर बैजू, छिबरामऊ
- मनीषा यादव, निवासी बंधानगरिया, वीरपुर, सौरिख
- पूनम राजपूत, भाखपुर्वा, तिर्वा
- सोनाक्षी सिंह, औसेर, तिर्वा
- शिवानी, अड्डापुर्वा, खैरनगर,
- शिवानी सेजवार, अंबेडकर नगर, नई बस्ती, सरायमीरा
- आभा देवी, गुखरू, मियांगंज, कन्नौज
- साक्षी, निजामपुर, सौरिख
- डिंपल, छतनेपुर, नादेमऊ, सौरिख
- पल्लवी चौरसिया, हमीदनगर, गुरसहायगंज
- रीता गौतम, कुंवरपुर काशीदीन, गलरियापुर, तिर्वा

दहेज के लिए पत्नी की पीट कर हत्या, पति गिरफ्तार

सौरिख कन्नौज। दहेज के लिए पत्नी पीट पीटकर हत्या कर दी गई। मामले में भाई ने ससुराल वालों पर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने 25 दिन बाद हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। एटा जनपद के गांव धरौली थाना जैथरा निवासी सुधीर कुमार पुत्र महेश चंद्र राजपूत ने थाने में मामला पंजीकृत कराया था कि बहन लक्ष्मी देवी को उसके पति अरुण कुमार, ससुर हवलदार, सास कुसुम देवी, देवर पंकज तथा ननद शिल्पी अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए आए दिन प्रताड़ित करते थे। इस बात को लेकर 8 अगस्त 2025 की रात बहन की डंडे से जबरदस्त पिटाई करते हुए उसकी हत्या कर दी। उसे घटना की जानकारी गांव के लोगों ने फोन पर दी तो वे लोग मौके पर आ गए थे। बहन की हालत देखकर ससुराली जनों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया तथा आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने की मांग की। प्रभारी निरीक्षक जयंती प्रसाद गंगवार ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया जबकि शेष फरार आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

New DASTAK Classes
दस्तक, आपके सफलता की
The classes are known for preparing students for various exams like
SSC, BANK, UPSI, UPP
Address: Sharada Nagar Crossing No 9, Infront of Anurag Hospital, Kakadeo Kanpur Uttar Pradesh.
CONTACT: 7607780084, 7080270066
Vikash Pathak

न्यूज ब्रीफ

किशोरी लापता युवक पर रिपोर्ट दर्ज

सौरिख, कन्नौज। घर से स्कूल जाने की बात कह कर निकली किशोरी लापता हो गई। क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक ने थाने में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया, 26 अगस्त को नाबालिग बहन सौरिख स्थित एक विद्यालय में पढ़ने गई थी लेकिन देर शाम तक नहीं लौटी। खोजबीन की तब पता चला की अश्वनी पुत्र केशव दयाल निवासी करौली से उसकी बात होती थी। शक है कि वही बहन को कहीं ले गया। पुलिस ने आरोपी पर रिपोर्ट दर्ज की है।

31 के बाद नहीं मिलेगा योजनाओं का लाभ

कन्नौज। जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश वर्मा ने बताया कि बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग से योजनाओं का लाभ पाने के लिए लाभार्थी 31 अगस्त तक ई-केवाईसी जरूर करा लें। फेस कैप्चरिंग व ई-केवाईसी न कराने पर विभागीय योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने बताया कि जो गर्भवती, गर्भधात्री महिलाएं, 7 माह से 3 साल, 3 से 6 साल तक के बच्चे हैं वह आंगनबाड़ी केंद्रों पर जाकर कार्यकत्री के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा कराएं। अगर कोई आंगनबाड़ी कार्यकत्री ई-केवाईसी आदि करने से मना करती है तो संबंधित सीडीपीओ कार्यालय या विकास भवन में आकर शिकायत दर्ज करा सकता है।

मन्दिर की मूर्तियों को किया खंडित

फर्रुखाबाद। जहानगंज थाना क्षेत्र के मंदिर में स्थापित भगवान शिव व नंदी की मूर्ति को खंडित कर दिया गया। मौके पर पुलिस पंहुची और जांच पड़ताल की। थाना क्षेत्र के ग्राम बहोरिकपुर पुलिया के निकट शिव मन्दिर स्थापित है, जिस पर माफिया अनुपम दुबे व सेन्ट्रल जेल निवासी बालक राम भास्कर के नाम का पत्थर भी लगा है। मन्दिर को 22 अप्रैल 2005 को निर्माण कराया गया था। बीती रात किसी अज्ञात व्यक्ति नें शिव व नंदी को खंडित कर दिया, सुबह जब ग्रामीणों को जानकारी हुई तो पुलिस को सूचना दी गयी। सूचना पर सीओ मोहम्मदाबाद अजय वर्मा दल-बल के साथ पंहुचे, भोजपुर विधायक नागेन्द्र सिंह राठौर भी आ गये। पुलिस ने नई मूर्ति लगाने की व्यवस्था की। नई मूर्ति स्थापित करायी जा रही हैं।

बिजली विभाग ने अब तक महज तीन परिषदीय विद्यालयों में ही दी राहत

77 लाख मिले पर नहीं हटी स्कूलों से हाईटेंशन लाइन

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। जिले के 66 परिषदीय स्कूल परिसरों से बिजली की हाईटेंशन लाइन गुजरी है। इससे हादसे होने का अंदेशा बना रहता है। कई महीनों बाद भी उत्तर प्रदेश पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड (बिजली विभाग) ने लाइने नहीं हटाई हैं जबकि बताया जा रहा है कि इसके लिए 77 लाख का बजट मिल चुका है। अब तक महज 3 स्कूलों को ही राहत मिल सकी है।

जिला बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से बिजली विभाग को उन 66 प्राथमिक, जूनियर व कंपोजिट विद्यालयों की सूची भेजी गई जहां हाईटेंशन लाइन से विद्यार्थियों व शिक्षकों की जान को खतरा बना हुआ है। ऐसे स्कूलों से बिजली लाइन हटाने को कहा गया। बताया गया कि सूची मिलने के बाद स्टीमेट बनाकर बजट की मांग की गई।

प्राथमिक स्कूल में जमीन पर पड़ा बिजली का तार। अमृत विचार

- जनपद में 66 प्राथमिक व जूनियर स्कूल परिसरों से निकला है 'करंट'
- एचटी लाइन की वजह से हमेशा खतरे का अंदेशा बना रहता है

दूसरी ओर बताया जा रहा है कि जब विभाग ने 66 स्कूलों का सर्वे कराया तो 54 ऐसे मिले जहां हाईटेंशन लाइन हटाने की जरूरत समझी गई। कहा गया कि पुरानी लाइन व पोल का ही नई जगह प्रयोग करें। अगर पोल टूट जाता है तब ही नया लगाया जाए। दूसरी ओर कई स्कूलों की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है कि बिजली विभाग से काम नहीं किया गया है। महज पेड़ों की टहनियां व घास ही हटाई गई है।

जिले में 66 परिषदीय स्कूलों का सर्वे हो चुका है। स्टीमेट बन गए हैं। अब तक 3 विद्यालयों में काम हुआ है। 23 स्कूल कन्नौज यानि उनके क्षेत्र के हैं और अन्य छिबरामऊ डिवीजन में आते हैं। सितंबर में कार्य करा दिया जाएगा। पुराने तार व पोल से ही काम चलाना है। अगर टूट-फूट होती है तब ही नया उपकरण या पोल लगा सकते हैं।

मगन सिंह, अधिशाषी अभियंता-बिजली

बेसिक शिक्षा विभाग ने 77 लाख रुपये का बजट करीब 10-12 दिन पहले बिजली विभाग को भेज दिया है। जिन परिषदीय स्कूलों से हाईटेंशन लाइन निकली है, उनका सर्वे कराकर सूची निदेशालय भेजी गई थी। वहीं से सीधे बजट यूपीपीसीएल को गया है। वह चाह रहे हैं कि काम जल्द हो जाए, जिससे बच्चों व शिक्षकों को दिक्कतें न हों।

संदीप कुमार, बीएसए

डेंगू, मलेरिया के मरीजों के लिये जिला अस्पताल तैयार

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- डेंगू मरीजों के लिये 10 बेड का वार्ड तैयार हो गया है
- मरीजों को प्लेटलेट्स से लेकर मिलेंगी सारी दवाइयां

अमृत विचार। डेंगू-मलेरिया से निपटने के लिये जिला अस्पताल पूरी तरह से तैयार है। सीएमएस ने मौसम बदलने के साथ ही बढ़े मरीजों की सही तरह से जांच कर उपचार देने की खास व्यवस्थी की है। 10 बेड का वार्ड भी बन कर तैयार है।

तेज गर्मी बारिश व नमी के चलते बुखार जैसे रोगों ने पैर पसार लिये हैं। जिले में डेंगू का प्रकोप भी आने वाले समय में हो सकता है। इसको लेकर जिला अस्पताल के सीएमएस ने खास व्यवस्था की है। उन्होंने वार्ड दो में 10 बेड का अतिरिक्त वार्ड बनाने के साथ ही इस में मच्छरदानी भी प्रत्येक बेड पर लगाई है। डेंगू मलेरिया के मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिये अलग से स्टाफ की भी तैनाती की गई है। ब्लड बैंक में प्लेटलेट्स की भी व्यवस्था पहले से ही है। सीएमएस डॉ. शक्ति बसु ने बताया कि सभी डाक्टरों को निर्देश दिये गये हैं कि वह बुखार से संबंधित मरीजों को जांच जरुर करायें। यदि डेंगू या मलेरिया की आशंका हो तो एलाइजा जांच भी करा लें। इसके बाद उपचार दें। जरुरत हो तो उसे भर्ती कर लिया जाये। बताया कि जिले में बुखार के रोगी दिन प्रति दिन अधिक हो रहे हैं। जिला अस्पताल की बात करें तो यहां पर प्रति दिन 700 से 1000 मरीज ओपीडी में पहुंच रहे हैं।

हैपेटाइटिस बी व सी के मरीजों को मिलेगा उपचार: हैपेटाइटिस बी व सी से पीडित मरीजों को बेहतर उपचार देने के लिये सीएमएस ने तैयारी की है। नियमित रुप से मरीज की जांच कर देखा जायेगा कि मरीज को लाभ हो रहा है या नहीं। इस के लिये जिला अस्पताल के तीन फिजीशियन डाक्टरों को लगाया गया है। कहा गया है कि वह इस तरह के मरीजों की हैपेटाइटिस बी व सी की जांच करायें। इस संबंध में उन्होंने डाक्टर व स्टाफ की बैठक ली है।

प्रधान प्रतिनिधि व सचिव पर प्रताड़ना का आरोप लगाया

छिबरामऊ। विशुनगढ़ निवासी महिला ने प्रधान प्रतिनिधि समेत दो पर आवास के नाम पर रुपये निकाल लेने और आधा अधूरा बनवाकर छोड़ देने का आरोप लगाया है।

महिला ने बताया कि एक वर्ष पूर्व गांव के दो व्यक्तियों ने खुद को प्रधान प्रतिनिधि बताकर सरकारी आवास योजना का लालच दिया। उन्होंने उसके खाते से 1 लाख 20 हजार रुपये सचिव के साथ मिलकर निकाल लिए और आधा-अधूरा मकान बनवाकर छोड़ दिया। एक साल बीतने के बाद भी मकान पूरा नहीं हुआ। पैसे मांगने पर उक्त व्यक्ति जातिसूचक गालियां देकर भगा देते हैं। यह भी आरोप लगाया कि उनसे शारीरिक संबंध बनाए गए और धमकी दी गई कि शिकायत करने पर आवास नहीं बनेगा। साथ ही उनका गर्भपात भी कराया गया। पीड़िता ने कोतवाली, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और उच्च अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की मांग की है। समस्या का समाधान न होने पर महिला ने बच्चों सहित आत्मदाह की चेतावनी दी है।

पांचालघाट पुल की मरम्मत के बीच जाम में फंसे वाहन

संवाददाता अमृतपुर

अमृत विचार। एनएचएआई द्वारा पांचाल घाट पुल के जॉइंट्स की मरम्मत कार्य के कारण बड़े वाहनों का रूट डायवर्जन किया गया है। मंगलवार-बुधवार की रात को थाना राजेपुर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था पूरी तरह से बाधित हो गई। पांचाल घाट से चाचूपुर और जमापुर तक कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया।

जाम में बड़ी संख्या में ट्रक, डंपर और डीसीएम फंस गए। इसमें फर्रुखाबाद के स्थानीय लोग भी शामिल थे। मोहल्ला दीनदयाल बाग निवासी प्रदीप सिंह शाहजहांपुर से लौट रहे थे। वह रात 8 बजे फर्रुखाबाद के जमापुर पहुंचे। उन्हें मात्र 10 किलोमीटर की दूरी तय करने में 3 घंटे का समय लग गया। राजीव गांधी नगर के मनोज सिंह गौर बदायूं से वापस आ रहे थे। 2 घंटे से अधिक समय तक फंसे रहे।

युवक को बंधक बनाकर पीटने में दो गिरफ्तार

राजेपुर (फर्रुखाबाद)। थाना राजेपुर में 22 अगस्त की रात लगभग एक बजे राजेपुर थाना के ग्राम वीरसिंहपुर में मानसिक रूप से दिव्यांग युवक अंकुर पुत्र सुरेन्द्र निवासी बिरियाडेरा कुरावाई विदिशा मध्य प्रदेश को ग्रामीणों नें बंधक बनाकर पीटा गया था। मामला मीडिया के संज्ञान में आने के बाद एनसीआर को एफआईआर में तरमीम (बदला) गया| बीती रात पुलिस ने आरोपी तेज प्रताप सिंह पुत्र श्याम पाल सिंह एवं अभय पुत्र वीर बहादुर सिंह निवासी बिरसिंहपुर राजेपुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

33 महिलाओं को एक करोड़ 2 लाख रुपये का लोन बांटा गया

संवाददाता, सौरिख, कन्नौज

अमृत विचार। ब्लॉक सौरिख क्षेत्र के खड़िनी ग्राम पंचायत में वित्तीय समावेशन संतृप्तिकरण कार्यक्रम हुआ। इसमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के तहत मृतक दावा परिजनों को बैंक ऑफ इंडिया के 03, उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के 01 लाभार्थी को 02-02 लाख रुपये के बीमा क्लेम चेक दिए गए। स्वयं सहायता समूह की 33 महिलाओं को विभिन्न योजनाओं में 1 करोड़ 02 लाख रुपये का ऋण बांटा गया।

सीडीओ राम कृपाल चौधरी ने कहा कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार की वित्तीय योजनाओं का उद्देश्य आमजन, विशेषकर ग्रामीण एवं कमजोर वर्ग को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ना है। एलडीएम अमरेंद्र कुमार ने ग्रामीण जनता को री-केवाईसी प्रक्रिया की आवश्यकता एवं इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। बैंक ऑफ इंडिया के आंचलिक प्रबंधक किरण पाठक ने बैंक की योजनाओं पर बात रखी। भारतीय रिज़र्व बैंक के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. ईशान शुक्ला ने केवाईसी एवं सुरक्षा योजनाओं को देश की अर्थव्यवस्था से जोड़ते हुए प्रतिभागियों को जानकारी दी। कार्यक्रम का समापन बीडीओ मनोज गुप्ता ने धन्यवाद ज्ञापित कर किया। इस अवसर पर डीसी एनआरएलएम राजकुमार लोधी, उपायुक्त उद्योग धनंजय सिंह, आदि लोगल उपस्थित रहे।

रामचंद्र को दो लाख रुपये का चेक देते सीडीओ राम कृपाल चौधरी व अन्य।

पीएस गाजीपुर्वा के हेडटीचर पर लगे आरोपों की जांच शुरू

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

- विधायक तिर्वा के गोद लिए विद्यालय की शिकायत
- बीईओ उमर्दा मौके पर पहुंचे, अब महिला अधिकारी भी शामिल

अमृत विचार। विकास खंड उमर्दा क्षेत्र में विधायक कैलाश राजपूत की ओर से गोद लिए प्राथमिक स्कूल गाजीपुर्वा में प्रधानाध्यापक पर शिक्षिकाओं की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच शुरू हो गई है। मामले की शिकायत राज्य महिला आयोग व महानिदेशक स्कूल शिक्षा से होने के बाद से मामले ने तूल पकड़ लिया है।

बुधवार को बीईओ विपिन कुमार ने महिला शिक्षकों से जानकारी की और ग्रामीणों के भी बयान लिए। प्रधानाध्यापक संतराम राजपूत के खिलाफ विद्यालय की ही शिक्षक रीतू द्विवेदी, रीता तिवारी, संगीता व परवीन कौसर ने शिकायत दर्ज कराई है। बीईओ ने बताया कि प्रधानाध्यापक पर लगाए गए आरोपों को लेकर जांच कमेटी बन गई है। इसमें महिला अधिकारी भी शामिल होंगी। एक बार फिर से बयान लिए जाएंगे। बताया गया है कि मुख्य समस्या शौचालय की ही आई है।

पूरी जांच होने के बाद रिपोर्ट उच्चाधिकारियों को भेजी जाएगी। उसके बाद जो भी दोषी मिलेगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। दरअसल, शिक्षिकाओं ने मानसिक उत्पीड़न, अपशब्द कहने व शौचालय का प्रयोग करने पर उलाहना देने के आरोप प्रधानाध्यापक पर लगाए हैं।

फर्रुखाबाद

विधि संकाय के नवीन भवन का शुभारंभ

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मेजर एस.डी. सिंह विश्वविद्यालय में बुधवार को विधि संकाय के नवीन भवन का हवन-पूजन के साथ शुभारंभ किया गया।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह, चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव, प्रति कुलाधिपति डॉ. अंचल सिंह एवं विधि संकाय के डीन डॉ. राजपाल सिंह ने संयुक्त रूप से नवीन भवन प्रांगण में हवन का आयोजन कराया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. रंगनाथ मिश्र सहित सभी संकायों के डीन, शिक्षकगण, अधिकारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि विधि संकाय का यह नया भवन छात्रों को एक सशक्त शैक्षणिक माहौल और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। चेयरपर्सन डॉ. अनीता यादव ने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए प्रयासरत है। प्रति कुलाधिपति डॉ. अंचल सिंह ने कहा कि यह भवन छात्रों के लिए एक नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

डीन डॉ. राजपाल सिंह ने कहा कि यह भवन छात्रों को विधि अध्ययन के साथ-साथ व्यवहारिक प्रशिक्षण का भी अवसर प्रदान करेगा। पूजन के पश्चात डॉ. अनार सिंह ने डीन डॉ. राजपाल सिंह के कार्यालय का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर कई लोग उपस्थित रहे।

विधि संकाय के नवीन भवन का उद्घाटन करते कुलाधिपति डॉ. अनार सिंह।

पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में लगी गोली, घायल

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कायमगंज पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान मे मंगलवार रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी।

पितौरा-नरसिंहपुर मार्ग पर देर रात कोतवाली प्रभारी अनुराग मिश्रा व कस्बा इंचार्ज नागेंद्र सिंह के द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया था। इसी दौरान पुलिस को पितौरा नरसिंहपुर मार्ग पर तेज रफ्तार बाइक सवार आते हुए दिखाई दी। पुलिस ने बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया लेकिन वे नहीं रुके। जब पुलिस के उनका पीछा किया तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी जबकि दूसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। पुलिस ने घायल बदमाश को लोहिया अस्पताल मे भर्ती कराया। उसकी पहचान मैनपुरी के थाना करहल निवासी सिकंदर के रूप में हुई। उस पर डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे हैं। अपर पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय सिंह ने बताया कि बदमाश अंतर्जनपदीय अपराधी है। कोतवाली क्षेत्र में 50 हजार की चोरी की थी। बदमाश के पास एक मोटरसाइकिल एक तमंचा जिंदा कारतूस, खोखा व 6 हजार की नगदी बरामद हुई है।

माफिया अनुपम दुबे समेत दो को उम्रकैद

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। फतेहगढ़ के बहुचर्चित पीडब्ल्यूडी ठेकेदार शमीम हत्याकांड में लगभग 30 साल चली सुनवाई के बाद आखिर बुधवार को न्यायालय ने फैसला सुनाया, जिसमे कोर्ट ने मुख्य आरोपी माफिया अनुपम दुबे सहित दो को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा और एक लाख रुपये जुर्माना से दंडित किया है।

घटना 30 साल पूर्व हुई थी। जनपद कन्नौज कोतवाली गुरसहायगंज के कस्बा समधन निवासी पीडब्ल्यूडी ठेकेदार शमीम खान की 26 जुलाई 1995 में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में फतेहगढ़ के मोहल्ला कसरट्टा निवासी बसपा नेता अनुपम दुबे, मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव सहसापुर निवासी कौशल किशोर दुबे, लक्ष्मी नारायन दुबे व जनपद इटावा थाना इकदिल के गांव मानिकपुर निवासी बालकिशन उर्फ शिशु के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया था।

न्यायालय में माफिया अनुपम दुबे।

- शमीम हत्याकांड में अदालत ने सुनाई उम्रकैद की सजा
- लगभग 30 साल चली सुनवाई के बाद आया बड़ा फैसला

कौशल किशोर व लक्ष्मी नारायन की मौत हो चुकी है। अन्य दोनों आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में मामला विचाराधीन था। बुधवार को न्यायालय का फैसला आना था, जिसके चलते न्यायालय परिसर में भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। हत्या के दूसरे आरोपी बालकिशन उर्फ शिशु को पुलिस ने बीती रात उसके घर से गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस नें उसे भी न्यायालय में पेश किया। मृतक के भाई नसीम हुसैन ने न्यायालय के फैसले का स्वागत किया। उनका परिवार फैसले से पूरी तरह सन्तुष्ट है। न्याय व्यवस्था पर उन्हें पूरा भरोसा था।

आयोजन | मेजर एसडी सिंह पीजी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में विराजे गौरा के लाल

भावी चिकित्सक भी सात दिन करेंगे गणेश की पूजा

संवाददाता फर्रुखाबाद

अमृत विचार। मेजर एसडी सिंह पीजी आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल में सप्त दिवसीय श्री गणेश पूजा महोत्सव का आयोजन किया गया है। गणेश पूजा महोत्सव के अध्यक्ष एवं कॉलेज के चेयरमैन डॉ. जितेंद्र सिंह यादव व उपाध्यक्ष डॉ. अनीता रंजन के मार्गदर्शन में 27 अगस्त 2025 से 2 सितंबर 2025 तक सप्त दिवसीय श्री गणेश पूजा महोत्सव का कार्यक्रम रखा गया है।

कॉलेज के समस्त शिक्षकगण, छात्र-छात्राये, कॉलेज स्टाफ, हास्पिटल स्टाफ ने पूजन एवं आरती कर गणेश जी की प्रतिमा की स्थापना की, गणेश महोत्सव कमेटी के कोषाध्यक्ष एवं व्यवस्थापक डॉ मुकेश विश्वकर्मा ने बताया गणेश महोत्सव का कार्यक्रम 27 अगस्त से 2 सितंबर तक चलेगा 2 सितंबर को गणपति विसर्जन तथा मटकी फोड़ प्रतियोगिता का भी आयोजन रखा गया है जिसमें महाविद्यालय के छात्र भाग लेंगे कॉलेज के चेयरमैन एवं डायरेक्टर ने सभी को गणेश चतुर्थी पर शुभकामनाएं दी एवं कालेज की प्राचार्य अंजना दीक्षित एवं क्वाडिनेटर डा नीतू श्री ने कार्यक्रम को व्यवस्थित रूप से चलाने के लिए सभी को धन्यवाद किया इस अवसर डा शीलू गुप्ता, डा अरूण पाण्डे डा जीतेन्द्रराय, डा वेणुगोपाल, डा निरंजन एस, डा मनोज कुमार चतुर्वेदी, डा इमरान पटेल, डा रथीष वीवी, डा नन्दन श्रीवास्तव, डा विघ्नेश्वर मिश्रा, डा हरप्रिया दास, डा शिवओम दीक्षित, सहित महाविद्यालय का समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

स्थापित की गयी भगवान गणेश की मूर्ति व ध्यान मग्न मेडिकल छात्र। अमृत विचार

घर घर में विराजे गजानन: फर्रुखाबाद। विगत लगभग दो दशक से नगर में गणेश उत्सव हो रहा है जिसका प्रारंभ सर्वप्रथम नेहरू रोड स्थित कटरा में भगवान गणेश की स्थापना करके किया गया था तब से शुरू हुआ यह गणेश उत्सव अब महोत्सव का स्वरूप ले गया है। घर-घर और गली-गली में भगवान गणेश की आराधना का क्रम शुरू हो गया। नगर के बड़े-बड़े मंदिरों में भी भगवान गणेश की स्थापना की गई है ऐतिहासिक पांडेश्वर नाथ मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति भगवान गणेश की स्थापना प्रधान पुजारी ने कराई। गुड़गांव देवी मंदिर प्रांगण में भगवान गजानन की मूर्ति स्थापना कमेटी ने की और संयुक्त रूप से कराई गई। महाकाल मंदिर में भी भगवान गणेश की स्थापना की गई है। इसी तरीके से सभी प्रमुख मंदिरों में भगवान गजानन का आहवान किया गया।

10 मुख्य सेविकाओं को बांटे नियुक्ति पत्र

फर्रुखाबाद। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार फतेहगढ़ में सांसद मुकेश राजपूत की अध्यक्षता व विधायक भोजपुर नागेंद्र सिंह राठौर की उपस्थिति में 10 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मा0सांसद, मा0विधायक भोजपुर, जिलाध्यक्ष भाजपा द्वारा चयनित मुख्य सेविकाओं राशि कटियार, नेहा राठौर, नम्रता चतुर्वेदी, प्रियंका, असी मिश्रा, रजनी वर्मा, गरिमा, मंजू, शिवानी पाल व निशा को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित किये गये कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी दिखाया गया, जिसमें मुख्यमंत्री द्वारा मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी, जिला विकास अधिकारी, चयनित अभ्यर्थियों के परिजन मौजूद रहे।

रोडवेज की दो बसों में हुई टक्कर, कई यात्री घायल

संवाददाता कायमगंज

अमृत विचार। कायमगंज फर्रुखाबाद रोड पर बेरियो मोड़ के पास फर्रुखाबाद डिपो और एटा डिपो की बसों की आमने-सामने भिड़ंत होने पर आधा दर्जन से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

बुधवार सुबह हुए हादसे के बाद ग्रामीण व राहगीरों ने मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकाला और एंबुलेंस को फोन कर बुलाया और घायलों को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज भेज गया है। फर्रुखाबाद डिपो की बस में करीब 20 सवारियां बैठी हुई थी और एटा डिपो की बस में लगभग 30 सवारियां बैठी हुई थी। एटा डिपो की बस का ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया उसको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में प्राथमिक उपचार के बाद लोहिया रेफर किया गया। फर्रुखाबाद डिपो के चालक परिचालक मौके से फरार हो गए हैं। सूचना मिलने पर एआरटीओ सुभाष चंद्र राजपूत मौके पर पहुंच कर घटनास्थल का निरीक्षण किया उन्होंने बताया की दोनों बसें अनुबंधित है मामले की जांच कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी इसके बाद कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

आमने-सामने भिड़ीं रोडवेज की बसें।

शूटिंग में उ.प्र एनसीसी निदेशालय उपविजेता

फर्रुखाबाद। अखिल भारतीय अंतर-निदेशालय खेल शूटिंग चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय उपविजेता रहा।

उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के कैडेटों ने कोल्हापुर में आयोजित प्रतिष्ठित अखिल भारतीय अंतर-निदेशालय खेल शूटिंग चैंपियनशिप में समग्र दूसरा स्थान हासिल कर राज्य का गौरव बढ़ाया। इस आयोजन में पूरे देश के 17 एनसीसी निदेशालयों के मध्य कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी गई, जिसमें बालक और बालिकाओं ने 50 मीटर ओपन साइट राइफल और 50 मीटर पीप साइट राइफल श्रेणियों के तहत आठ शूटिंग मैचों में प्रतिभाग किया। 12 यू पी बटालियन एनसीसी फतेहगढ़ की कड़ी मेहनत और लगन से इस बार यूपी निदेशालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर 1 गोल्ड मेडल ,2 सिल्वर तथा 1 कांस्य पदक जीतकर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का शव

जसवन्तनगर। दिल्ली हावड़ा रेलमार्ग पर बलरई रेलवे स्टेशन की पश्चिम दिशा में बुधवार सुबह रेलवे लाइन किनारे एक युवक का शव पडा मिला। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। बलरई रेलवे स्टेशन पर तैनात की मैन दीपक कुमार की सूचना पर थाना बलरई पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रेनी सीओ थाना प्रभारी अभय कुमार वर्मा ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

विषाक्त पदार्थ खाने से युवक की मौत

इटावा। कोतवाली सदर क्षेत्र के अंतर्गत नोरंगाबाद निवासी एक युवक की विषाक्त पदार्थ का सेवन करने से पीजीआई सैफई में उपचार के दौरान मौत हो गई। संजीव कुमार शर्मा 48 निवासी नोरंगाबाद ने एक सप्ताह पूर्व किसी बात पर नाराज होकर विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया था। उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालत बिगड़ने पर उसे जिला अस्पताल से पीजीआई सैफई रेफर कर दिया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

जैन धर्म का दशलक्षण पर्व आज से शुरू

इटावा। भद्रपद मास की शुक्ल पक्ष पंचमी से चौदस तक चलने वाला जैन धर्म का प्रमुख पर्व दशलक्षण पर्व इस वर्ष गुरुवार 28 अगस्त से आरंभ होगा। दशलक्षण पर्व के दौरान नगर के पंचायती पंसारी टोला, करनपुरा, लालपुरा, बरहीपुरा, सरायशेख, नयाशहर, नशिया जी छिपेटी, चौगुर्जी आदि जैन मंदिरों में विशेष पूजन, प्रवचन, व्रत-उपवास एवं स्वाध्याय के कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में प्रत्येक दिन प्रात: अभिषेक एवं स्वाध्याय, दोपहर में प्रवचन तथा सायंकाल आरती, भक्ति प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे।

सीएचसी गेट के पास मिला शव

जसवंतनगर। मंगलवार रात को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक अज्ञात व्यक्ति का शव पडा मिला। मृतक की उम्र करीब 58 वर्ष बताई जा रही है। मृतक काली कलर की टी शर्ट और हॉफ पैंट पहने हुए हैं। शव की शिनाख्त के प्रयास किए लेकिन शिनाख्त नही हो सकी।

प्लास्टिक अपशिष्ट यूनिट का हुआ निरीक्षण

महेवा। केंद्र सरकार के अधीन जलशक्ति मंत्रालय द्वारा स्वच्छ भारत मिशन के तहत जनपद में संचालित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन यूनिट तथा बायो गैस इकाइयों का स्थलीय निरीक्षण कर उनके संचालन तथा उपयोग का राज्य स्तरीय टीम ने जिले एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण कर उनका सत्यापन किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के राज्य सलाहकार शिव कुमार वर्मा के नेतृत्व में आई टीम ने जिला समन्वयक नितिन कुमार, सहायक विकास अधिकारी पंचायत इंद्रपाल सिंह भदौरिया, खंड प्रेरक महेवा संतोष कुमार के साथ जाकर महेवा स्थित पी डब्लू एम यू का स्थलीय निरीक्षण किया जहां ग्राम प्रधान कुमुद सिंह व सचिव अजय कुमार ने यूनिट के बारे में जानकारी दी वही इसके बाद निरीक्षण दल ग्राम पंचायत अहेरीपुर में पहुंचा जहां संचालित बायो गैस संयंत्र के संचालन की जानकारी की इस दौरान ग्राम प्रधान संगीता वर्मा, ग्राम सचिव अनुष्का दुबे ने जानकारी दी।

ढोल-नगाड़ों के साथ घर-घर व पंडालों में विराजे गणपति बप्पा

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। दस दिवसीय गणेश उत्सव बुधवार से शुरू हो गया है। इस बार 6 विशेष योग में मंदिरों घरों व पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाएं स्थापित की गई है। कर्वाखेडा स्थित ज्ञान स्थली आवासीय स्कूल में चेयरमैन शिव प्रसाद यादव ने पूजा अर्चना के बाद गणेश जी की स्थापना की।

गजानन की मूर्ति लेकर जाते भक्त गण। अमृत विचार

गणेश जी की स्थापना के मौके पर शिव प्रसाद यादव। अमृत विचार

बुधवार को सुबह से गणेश जी की प्रतिमा स्थापना का सिलसिला शुरू हो गया था, जो शाम तक चलता रहा। हिंदू घरों के साथ प्रमुख मंदिरों व पंडालों में गणेश जी की छोटी व बड़ी प्रतिमा स्थापित की गई। प्राचीन कालीबाड़ी मंदिर पर मंदिर के महन्त स्वामी सुबोधानन्द महाराज ने पूजन अर्चन की शुरुआत की।गणपति का पंचामृत से महाभिषेक कर षोडशोपचार पूजन करते हुए उनकी स्थापना की गयी। महोत्सव को लेकर मंदिर परिसर को बिजली की रंग बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। हर्षनगर स्थित चौबे मोटर्स वाली गली में रामशंकर चौधरी गणपति की स्थपना की गई इस अवसर पर शोभायात्रा निकाली गई।

बकेवर प्रतिनिधि के अनुसार गणपति बप्पा मोरया के जयघोष के साथ निकाली गई शोभायात्रा संग कस्बा लखना बकेवर व ग्रामीण क्षेत्र में गणेश महोत्सव की शुरुआत हुई। लखना में शोभायात्रा का अनेक स्थानों पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। गणेश महोत्सव समिति के तत्वावधान में पुराना नहर पुल के पास स्थित शिवमंदिर के प्रांगण में आचार्य इंद्रेश शास्त्री ने वैदिक रीति से गजानन को विराजित कराया। इससे पूर्व पीत वस्त्रधारी महिलाओं ने कलशयात्रा निकाली। इसी के साथ साथ पुराना ठाकुरान मोहाल, सर्राफा बाजार मंदिर के अलावा बकेवर के शारदा देवी मंदिर सहित अन्य स्थानों पर भी गणेश जी की स्थापना हुई।

दहेज हत्या में जेठानी को सात साल की सजा

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम ने पांच साल पुराने दहेज हत्या के एक मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी जेठानी को दोषी पाया। दोषी पाए जाने पर कोर्ट ने उसे सात साल की सजा सुनाई।

अपर जिला शासकीय अधिवक्ता देवेंद्र तिवारी ने बताया कि करहल थाना क्षेत्र के गांव आलमपुर किरथुआ निवासी अंकित ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि उसने अपनी बहन पूनम की शादी बकेवर थाना क्षेत्र के जितिन के साथ की थी। उसने अपनी सामर्थ के अनुसार दान दहेज दिया था लेकिन पूनम के ससुरालीजन कार की मांग कर रहे थे। मांगपूरी न होने पर ससुरालीजनों ने उसकी जलाकर हत्या कर दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति जितिन ससुर कमलेश जेठ नितिन व जेठानी अनीता के खिलाफ दहेज हत्या की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था। पीजीआई में उपचार के दौरान मृतका ने अपने मृत्यु पूर्व बयान में अपनी जेठानी पर जलाने का आरोप लगाया था। पुलिस ने चारों लोगों के खिलाफ आरोप पत्र कोर्ट में में पेश कर दिए। कोर्ट ने जेठानी अनीता को देषी पाया और उसे सात साल की सजा व बीस हजार रुपया के अर्थदंड से दंडित किया। जबकि अन्य लोग बरी हो गये।

नियुक्ति पत्र पाकर खुशी से झूमे युवा

18 अभ्यर्थियों को जिलाधिकारी और विधायक ने सौंपा नियुक्ति पत्र

अभ्यर्थी को नियुक्ति पत्र देती सदर विधायक साथ में जिलाधिकारी व अन्य।

जिले में उत्पादन के साथ रोजगार को भी दें बढ़ावा

■ **इटावा।** जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने कहा है कि जिले में उत्पादन बढ़ाने के साथ ही रोजगार बढ़ाए जाने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए। इससे युवाओं को रोजगार मिल सकेगा। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को 1 ट्रिलियन तक ले जाने के संबंध में जिला स्तर पर हुई समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी विभाग अपने-अपने कार्यों पर जोर देते हुए उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकारी योजनाओं का उपयोग भी किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले का जीडीपी 16189 .11 करोड़ है और जिले की वृद्धि दर 13 .4 प्रतिशत है। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी लोगों को मिलकर प्रयास करने होंगे। मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम ने कहा कि उत्पादन और रोजगार में बढ़ोतरी पर पूरा जोर दिया जाए। जिला अर्थ व संख्या अधिकारी ने बताया कि प्राथमिक क्षेत्र में जिले का योगदान 38 प्रतिशत है जिसे बढ़ाए जाने की जरूरत है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से यह भी कहा कि जिले में एक एक्शन प्लान बनाना है जिसमें रोजगार और अवस्थापना सुविधाओं के विकास के लिए कार्य किया जाए।

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। प्रदेश सरकार के रोजगार मिशन में अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की परीक्षा से बाल विकास व पुष्टाहार विभाग में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। राजधानी में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने यह नियुक्ति पत्र वितरित किए। जिला मुख्यालय पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में सदर विधायक सरिता भदौरिया तथा जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने जिले से चयनित 18 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिए।

नियुक्त पत्र पाकर यह युवा खुशी से झूम उठे। सभागार में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण की दिखाया गया। इस मौके पर सदर विधायक सरिता भदौरिया ने अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सभी पूरी जिम्मेदारी और ईमानदारी से अपना दायित्व निभाएं।

उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं का विशेष ध्यान रखा जाए जिससे स्वस्थ बच्चे जन्म ले सके। इसके साथ ही जो बच्चे अतिकुपोषित हैं उन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ला ने मुख्य सेविका के पद पर नियुक्त होने वालों को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी लक्ष्मीकांत त्रिपाठी व अन्य अधिकारी मौजूद रहे। सदर विधायक सरिता भदौरिया ने 18 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र प्रदान किए।

विद्यालय को अनुशासित व स्वच्छ बनाने की जरूरत

पोस्टर का विमोचन करतीं एसडीएम श्वेता मिश्रा साथ में शिक्षक। अमृत विचार

संवाददाता ताखा इटावा

● **राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पोस्टर का किया गया विमोचन**

अमृत विचार। शिक्षा सिर्फ ज्ञान का माध्यम नहीं है अपितु चरित्र निर्माण, आत्म विकास और समाज और राष्ट्र के प्रति नैतिक कर्तव्यों के बोध का समग्र साधन हैं। विद्यालय का वातावरण ऐसा हो जहां कोई भेद-भाव नहीं हो शिक्षक मिलकर विद्यालय परिवेश को स्वच्छ, अनुशासित प्रेरणादायक बनाएं यह बात राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में एसडीएम ताखा श्वेता मिश्रा ने कही।

राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के हमारा विद्यालय हमारा स्वाभिमान अभियान के पोस्टर का विमोचन उपजिलाधिकारी ताखा श्वेता मिश्रा और तहसीलदार ताखा ने मिलकर किया। इस सम्बन्ध में जानकारी देते हुए ब्लाक अध्यक्ष गौरव गुप्ता ने बताया कि राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ भारत के 5 लाख विद्यालयों में संकल्प पत्र पहुंच रहा है। जहां एक साथ एक समय पर विद्यालय के शिक्षक और विद्यार्थी मिलकर 5 संकल्प लेंगे। इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी ताखा श्वेता मिश्रा ने संकल्प पत्र की सराहना करते हुए कहा कि शिक्षक और छात्र मिलकर विद्यालयों को अच्छा बनाए इसके लिए नैतिक बोध की जरूरत है। इस अवसर पर संरक्षक अनिल दुबे, विकास यादव, प्रदीप कुमार, सनी दुबे, केशव दुबे, हरेन्द्र कुमार रहे।

नहर में डूबे व्यक्ति का शव औरैया में मिला

जसवंतनगर। ग्राम सराय एसर निवासी और सिंचाई विभाग में सींचपाल पद पर कार्यरत अजय कुमार का शव बुधवार सुबह औरैया जनपद के अंतौल नहर पुल के पास मिला। अजय सोमवार शाम 4 बजे घर से निकले थे और उसके बाद से लापता थे।

परिजनों के अनुसार अजय कुमार घर से पत्नी को यह कहकर निकले थे कि नहर की खंडी कट जाने पर उसे बंद करने जा रहे हैं। रातभर घर न लौटने पर परिजनों ने मंगलवार सुबह खोजबीन शुरू की। उनकी चप्पलें हाईवे किनारे भोगनीपुर गंग नहर किनारे मिलीं। पुलिस ने 15 वी वाहिनी पीएसी आगरा के गोताखोरों की मदद से नहर में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। बुधवार सुबह अंतौल नहर पुल के पास उनका शव बरामद हुआ। परिजनों का कहना है कि अजय नहर किनारे शौच क्रिया के बाद फिसलकर गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी मौत हो गई। उनके दो बच्चे हैं 20 वर्षीय सुमित और 17 वर्षीय दीक्षा। अजय अपने बड़े भाई की मौत के बाद उनके बच्चों की भी देखभाल कर रहे थे।

बिजली चोरी करते आठ लोग पकड़े गए

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। अधीक्षण अभियन्ता मनोज गौड़ एवं अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड हनुमान प्रसाद के निर्देशन में लाईन हानियों को कम करने व बकाएदार उपभोक्ताओं से वसूली किए जाने के लिए विद्युत वितरण खण्ड इटावा प्रथम के तीनों उपखण्डों के तहत विच्छेदन अभियान चलाया गया।

उपखण्ड अधिकारी तृतीय गगन अग्निहोत्री एंव अवर अभियन्ता दीपक कनौजिया ने विजलेंस टीम के साथ संयुक्त रूप से मोहल्ला जबर सिंह कॉलोनी, शकुन्तला नगर में मॉर्निंग चेकिंग की। चेकिंग के दौरान 8 उपभोक्ताओं द्वारा अपने परिसर पर अतिरिक्त केबिल, मीटर बाईपास कर विद्युत चोरी की जा रही थी। सभी की मौके पर विडियोग्राफी कर विधिक कार्यवाही की गई। इस दौरान 91 कनेक्शन काटे गए और 6 लाख 84 हजार रुपए वसूले गये।

चार लाख वोल्ट की लाइन का इंसुलेटर फटा: जसवंतनगर। कानपुर से आगरा जाने वाली 4 लाख वोल्टेज की हाईटेंशन लाइन का इंसुलेटर बलरई थाना क्षेत्र के गांव नगला रामसुन्दर के धान के खेतों में फटने से बड़ा हादसा बच गया। इंसुलेटर फटने के बाद तार टूटकर जमीन पर गिर गए। गनीमत रही कि इन तारों पर लगी मशीनों से बिजली सप्लाई तुरंत बंद हो गई। टूटे हुए तार धान के खेतों में गिरे थे, जिनमें पानी भरा था। अगर लाइन चालू रहती तो बड़ा हादसा हो सकता था। घटना की सूचना मिलते ही विद्युत विभाग के हेड ऑफिस कानपुर ने तुरंत इटावा से तकनीकी टीम भेजी। टीम ने मौके पर पहुंचकर नया इंसुलेटर लगाया।

प्रतिभा की 'प्रतिभा' को मिला सम्मान

संवाददाता बकेवर इटावा

अमृत विचार। जनता कॉलेज की पूर्व छात्रा व कानपुर विश्वविद्यालय की पीएचडी की रिसर्च स्कॉलर प्रतिभा श्रीवास्तव को लखनऊ में अयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। प्रतिभा को ये पुरस्कार केंचुआ खाद पर उनके रिसर्च व नेशनल स्तर पर उनके रिसर्च पेपर प्रकाशन को लेकर दिया गया है।

प्रतिभा श्रीवास्तव को मिला उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार।

● **केंचुआ खाद के शोध पर प्रतिभा को मिला उत्कृष्ट वैज्ञानिक पुरस्कार**

● **गन्ना अनुसंधान केंद्र लखनऊ में दिया गया सम्मान**

लखनऊ स्थित गन्ना अनुसंधान संस्थान में अयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश प्रदुषण नियंत्रण बोर्ड के निदेशक प्रोफ़ेसर एचपी सिंह, आईसीएआर के निदेशक डॉक्टर दिनेश सिंह तथा बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी से आए वरिष्ठ वैज्ञानिक ने प्रदान किया। इस राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन एनवायरनमेंट, एग्रीकल्चर एंड एजुकेशन सोसायटी, बरेली एवं एसोसिएशन फॉर इंडियन क्रिप्टोगैम्स, लखनऊ द्वारा किया गया, जिसमें देशभर से लगभग 400 शोधार्थियों, वैज्ञानिकों, प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता की। प्रतिभा को यह पुरस्कार राष्ट्रीय स्तर पर आसेनिया फेटिडा नामक केंचुआ के काम उसके उत्पाद को बढ़ाने के लिए रासायनिक और खतरनाक कीटनाशकों की मात्रा को काम करने के लिए शोध कार्य को सफलतापूर्वक करने पर मिला।

प्रतिभा श्रीवास्तव वर्तमान में शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर से जंतुविज्ञान से पीएचडी रिसर्च स्कॉलर है। वह भरथना की रहने वाली प्रतिभा के पिता राघवेंद्र श्रीवास्तव सीनियर एडवोकेट हैं। प्रतिभा की इस उपलब्धि पर जनता कॉलेज बकेवर प्रबंध समिति, प्राचार्य व प्राध्यापकों ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

मां पीतांबरा महायज्ञ के कार्यालय का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार। शहर के रामलीला मैदान के बगल में स्थित विशाल प्रांगण में पूर्व प्रस्तावित 1108 कुण्डीय मृत्युंजय माँ पीताम्बरा महायज्ञ के निमित्त कार्यालय का शुभारंभ बुधवार को गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर पिलुआ हनुमान धाम के पीठाधीश्वर हरभजनदास के द्वारा पूरे वैदिक विधि विधान के साथ किया गया।

इस अवसर पर यज्ञाधीश रामदास जी महाराज ने पिलुआ महाराज का माल्यार्पण और तिलक वंदन कर स्वागत किया। पूजन के उपरांत यज्ञाधीश रामदास महाराज ने कहा कि हमारे यज्ञ के पंच संत संरक्षक मंडल के रूप में हरभजन दास महाराज के मार्गदर्शन में यज्ञ की व्यवस्था संचालित रहेगी। इसके बाद उपस्थित सभी आचार्यों एवं उपस्थित गणमान्य नागरिकों ने पिलुआ पीठाधीश्वर का तिलक वंदन कर स्वागत किया। आगामी आठ नवंबर को इक्यावन हजार महिलाओं द्वारा कलश यात्रा के साथ यज्ञ का शुभारभ होगा।

शुभारम्भ अवसर पर मौजूद हरभजन दास महाराज व राम दास जी महाराज।

त्योहार | गणेश जी की स्थापना के समय बड़ी संख्या में पुरुष व महिलायें मौजूद रहीं

जिले में चारों ओर दिखी गजानन की धूम

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। धार्मिक महत्व की नगरी कालपी धाम में श्याम पैलेस में गणेश जी की स्थापना की गई। इस अवसर पर बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष बच्चे शामिल रहे।

बुधवार की सुबह श्याम पैलेस सांस्कृतिक मण्डल द्वारा आयोजित आठवां पांच दिवसीय गणेश उत्सव के प्रथम दिवस आचार्य सुरेश शास्त्री आचार्य राम जी, आचार्य संजय महाराज द्वारा मुख्य यजमान यश व अपेक्षा गुप्ता द्वारा विधि विधान के साथ पूजन-अर्चन कर श्याम पैलेस के राजा गणेश पंडाल में विराजमान किये गये तथा पांच दिवसीय उत्सव धूमधाम से प्रारम्भ हुआ। वहीं सिद्ध योग सत्संग मण्डल के कुलदीप शुक्ला, शरद शुक्ला, विदित शुक्ला द्वारा दिव्य आरती करायी गई तथा गणपति बप्पा मोरया के जयकारों से नगर गूंज उठा। इस दौरान दीपक धवन, सन्दीप गुप्ता, जीआरपी चौकी इंचार्ज संजना सिंह, डॉक्टर राजेन्द्र गुप्ता, अखिलेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, लाला राम शंकर पुरवार, ममता धवन, सुमन गुप्ता, नीतू मिश्रा, अपेक्षा गुप्ता, सीमा मिश्रा, तृप्ति गुप्ता, शिखा गुप्ता समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। वही दूसरी ओर नगर के गणेशगंज स्थिति मराठा कालीन श्री गणेश मन्दिर में सुबह से ही भक्तों का आना जाना बना रहा तथा दोपहर 12 बजे गणेश जन्मोत्सव के साथ भव्य आरती मन्दिर के पुजारी अनिल कान्हेरे द्वारा करायी गई जिसमें नगर पालिका अध्यक्ष अरविन्द यादव, नीलू मिश्रा, अतुल कुमार गुप्ता, राजेन्द्र यादव, बन्टू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं पुरुष व बच्चे मौजूद रहे। वहीं श्याम पैलेस के गणेश पंडाल में व मन्दिर प्रांगण में शाम की आरती के साथ भजन संध्या भी हुई।

मंदिर में लगी श्रद्धालुओं की भारी भीड़। अमृत विचार

मंदिर में मौजूद गणेश जी की मूर्ति।

निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्य समय से निपटायें: एसडीएम

कालपी। उत्तर प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देश के अनुरूप तहसीलदार अभिनव कुमार तिवारी तथा नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला की मौजूदगी उपजिलाधिकारी मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में बीएलओ का प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस मौके पर त्रिस्तरीय पंचायत की निर्वाचक नामावली का वृहद पुनरीक्षण -2025 कार्यक्रम का प्रशिक्षण दिया गया।

बुधवार को तहसील सभागार में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों ने बीएलओ को निर्देश दिए कि तय तारीखो में अपने अपने बूथों में मौजूद रहकर ईमानदारी से वृहद पुनरीक्षण -2025 के कार्य को निपटाने में सक्रिय भूमिका का निर्वाह करें। मुख्य प्रशिक्षक नायब तहसीलदार चंद्र मोहन शुक्ला ने कहा कि सभी सुपरवाइजर तथा बीएलओ अपने अपने बूथों पर कार्य करें।

एसडीएम ने परखीं गौशाला की व्यवस्थाएं

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। एसडीएम कालपी मनोज कुमार सिंह ने कदौरा विकास खंड के ग्राम छौक स्थित गौशाला का औचक किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्थाओं का जायजा लेकर जिम्मेदारों को आवश्यक निर्देश दिए।

डीएम राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर एसडीएम मनोज कुमार सिंह औचक तरीके से कदौरा विकास खंड के ग्राम छौक स्थित गौशाला में पहुंचे। उन्होंने भूसे तथा हरे चारे का स्टॉक का जायजा लिया। इस दौरान एसडीएम ने टंकी को देख कर शुद्ध पानी की उपलब्धता बनाये रखने के निर्देश दिये। परिसर में घूम-घूम कर निरीक्षण करते हुये सफाई व्यवस्था परखी तथा स्वच्छता बनाए रखने रखने के लिए जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान गौशाला इकर्मचारियों उचित व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी।

गौशाला का निरीक्षण करने पहुंचे एसडीएम कालपी मनोज कुमार सिंह।

छुरियों सहित दो युवक गिरफ्तार

कालपी। टरनंनगंज पुलिस चौकी इंचार्ज सुरेश चंद्र पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे। तभी पुलिस ने सुवील तथा इब्राहीम निवासी गुलौली थाना कालपी को पकड़ लिया। दोनों युवकों के पास में एक-एक धारदार छुरियां बरामद की गई। पुलिस ने दोनों युवकों का चालान कर दिया है।

निविदा सूचना

सूचित किया जाता है कि माननीय सदर विधायक श्रीमती सरिता भदौरिया के प्रस्ताव दिनांक 25-06-2023 द्वारा अपनी विधायक निधि से जनता माध्यमिक विद्यालय कामेत विकास खंड बढ़पुरा जनपद इटावा में भवन मरम्मत, फर्नीचर एवं सबमर्सिबल आदि की स्थापना के लिए तीन लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की है। विद्यालय में उक्त कराये जाने के लिए सरकारी विभाग में पंजीकृत फर्मो से निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म 12-09-2025 को दोपहर दो बजे तक जनता माध्यमिक विद्यालय ग्राम व पोस्ट कामेत, इटावा में स्वंय अथवा पंजीकृत डाक से निविदा भेज सकते हैं। निविदा संबंधी विस्तृत जानकारी किसी भी कार्य दिवस में विद्यालय में आकर प्राप्त की जा सकती है। निविदा स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को होगा।

प्रबंधक जनता माध्यमिक विद्यालय
ग्राम व पोस्ट कामेत विकास खंड बढ़पुरा
जनपद इटावा

न्यूज ब्रीफ

झाड़ियों में छिपा संदिग्ध युवक दबोचा

अछल्दा, औरैया। थाना क्षेत्र अंतर्गत बुधवार की दोपहर करीब 3 :30 बजे नगला दरियाय में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के पास झाड़ियों में तीन संदिग्ध युवक छिपे दिखाई दिए। ग्रामीणों ने शक होने पर पीछा किया और एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दो अन्य मौके से भाग निकले। ग्रामीणों ने पकड़े गए युवक को चोर समझकर मारपीट कर दी। सूचना पाकर अछल्दा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और युवक को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस पकड़े गए युवक से पूछताछ कर रही है तथा फरार युवकों की तलाश में जुट गई है।

प्रशिक्षण का द्वितीय चरण प्रारम्भ

अछल्दा(औरैया) : निपुण भारत अभियान के तहत बीआरसी अछल्दा में एफएलएन आधारित पांच दिवसीय प्रशिक्षण का द्वितीय चरण बुधवार से शुरू हुआ। इसमें 50-50 के दो बैचों में शिक्षक/शिक्षिकाओं ने भाग लिया। प्रतिभागियों को ज्ञान समीक्षा एप पर पंजीकरण कराया गया व स्टेशनरी वितरित हुई। प्रथम दिवस पर सन्दर्भदाता नीरज कुमार यादव ने ईशवन्दना से शुरुआत कर एप्स की जानकारी दी। अन्य सत्रों में वीणा-1, गणित मेला, सन्तूर, एनईपी-2020 व एनसीएफ-2023 की अनुशंसाओं पर प्रशिक्षण दिया गया।

गाजे- बाजे के साथ गणेश उत्सव शुरू

अयाना। गणेश चतुर्थी के साथ अयाना में बुधवार को 10 दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत हो गई। गाजे-बाजे के साथ भक्त गजानन की प्रतिमा को घर और मंदिरों में लाए। उनकी पूजा-अर्चना की। लड्डू और मोदक से भोग लगाया और प्रसाद वितरित किया।अब अगले 10 दिन तक गणपति की प्रतिमाएं विराजेंगी। कहीं तीन, कहीं पांच तो कहीं 10 दिन बाद इन प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा। अयाना स्थित त्रिपाठी मार्केट में व्यापारियों की ओर सजाए गए गणेश पंडाल में मूर्ति स्थापना से पहले गांव में शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा गांव की गलियों से होती हुई वापस पंडाल में पहुंचकर पूर्ण हुई। वहां आचार्य विष्णु मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की।

ढोल-नगाड़ों के साथ घर-घर विराजे विघ्नहर्ता

संवाददाता, फफूंद, औरैया

पूजा-अर्चना करते भक्त। अमृत विचार

अमृत विचार। कस्बे और क्षेत्र में गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई गई। शुभ मुहूर्त में कस्बे के विभिन्न स्थानों पर जयकारों के साथ गणपति बप्पा विराजमान किए गए। भक्तों ने पूरे श्रद्धा भाव से भगवान गजानन की विशेष आराधना की। आरती के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। जगह-जगह धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन देर रात तक चलता रहा। गणपति बप्पा के जयकारों से कस्बा गूंज उठा।

बुधवार को कस्बे में गणेश चतुर्थी धूमधाम से मनाई गई। बाजार होमगंज गल्ला मंडी मे 14वें गणेश महोत्सव का शुभारंभ पूरे विधिविधान से किया गया। भगवान गणेश का दुग्धाभिषेक कर चोला श्रृंगार, मंगल आरती और फिर पूजा अर्चना करके भगवान गणेश की मूर्ति को विराजमान किया गया। इस मौके पर भगवान को लड्डुओं का भोग लगाया गया। आरती के बाद भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया जिसमें सैकड़ों भक्त मौजूद रहे। इस मौके पर हरिशचन्द्र वर्मा, रामजी दुबे, भरत लाल स्वर्णकार, रामजी सोनी, अनुपम कुमार वर्मा मौजूद रहे।

वहीं, कस्बे के ही मोहल्ला बाबा का पुरवा में भी अस्तल मंदिर के पास गणेश चतुर्थी कार्यक्रम आयोजित किया गया। ढोल नगाड़ों के साथ पुष्प बरसाकर गणपति बप्पा का स्वागत किया गया। पंडित शिवराज तिवारी और मयंक दीक्षित ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि विधान से दूध, दही, घी, गंगाजल, शहद एवं इत्र से गणपति बप्पा का अभिषेक कराया। देर शाम भक्ति कार्यक्रम और आरती का आयोजन किया गया जिसमें भक्त झूमते रहे। इसके बाद भगवान को भोग लगाकर प्रसाद का वितरण किया गया। हरिओम दुबे, निर्मला दुबे, अमित कुशवाह, अमन पाल, श्रीओम दुबे, शिवा दुबे, गणेश बाथम, आदि भक्त मौजूद रहे।

अंतौल नहर में मिला शव सींच पर्यवेक्षक का निकला

संवाददाता अयाना, औरैया

अजय कुमार।

अमृत विचार। थाना क्षेत्र से निकली भोगनीपुर प्रखंड की निचली गंग नहर में मंगलवार शाम को एक अंतौल पुल के पास से शव उतराता मिला। सोशल मीडिया पर वायरल फोटो देखकर अयाना थाना आए इटावा के सराए एसर निवासी परिजन ने शव की पहचान सींच पर्यवेक्षक के रूप में की है।

इटावा के सिविल लाइंस थाना के सराय एसर निवासी मनोज कुमारी, उनका बेटा सुमित, बेटी दीक्षा परिजन के साथ बुधवार सुबह अयाना थाना आए। उन्होंने अंतौल नहर पुल के पास पानी में मिले शव की चेहरे से पहचान पति अजय कुमार यादव के रूप में की। मनोज कुमारी ने बताया कि पति इटावा में सिंचाईं विभाग में सींच अधिकारी के पद पर कार्यरत थे। 25 अगस्त की दोपहर 3 बजे के करीब वह ड्यूटी से घर लौटे थे। इसके आधा घंटे बाद वह नहर की पटरी फटने की बात कहकर घर से निकले थे। देर शाम तक घर न लौटने पर परिजन ने उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान मंगलवार सुबह जसवंतनगर स्थित सागर होटल के पास नहर किनारे उनकी चप्पल पड़ी मिली। इस पर उन्होंने इटावा के सिविल लाइंस थाना में पति की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। परिजन ने शौच क्रिया के दौरान नहर में गिरने से मौत होने की आशंका जाहिर की है। जांच की जा रही है।

बाहरी व्यक्ति के कार्य करते पाए जाने पर होगी कार्रवाई

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में तहसीलवार राजस्व कार्यों की पटलवार समीक्षा करते हुए सभी संबंधित को निर्देश दिए कि तहसील में किसी भी पटल पर कोई बाहरी व्यक्तियों के कार्य करते पाए जाने पर पटल से संबंधित की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए उसके विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मिशन समाधान के तहत निस्तारित होने वाले राजस्व मामलों का संतुष्टि पूर्ण निस्तारण करें जिससे प्रकरण पूर्ण रूप से निस्तारण संभव हो सके। उन्होंने कहा कि ग्रामों को राजस्व विवादों से मुक्त करते हुए चौपाल का आयोजन करें और यदि कोई और प्रकरण हो तो उसे भी निस्तारित करें जिससे मिशन समाधान का उद्देश्य पूर्ण हो और ग्राम वासियों को राजस्व संबंधी विवादों से मुक्ति मिल सके।

योजनाओं का लक्ष्य पूर्ण कराना करें सुनिश्चित

जिला प्रोबेशन अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर जिलाधिकारी ने स्पष्टीकरण के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, औरैया

बैठक के दौरान निर्देश देते डीएम डॉक्टर इंद्रमणि त्रिपाठी। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में आयोजित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका संबंधी परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए संबंधितों को निर्देशित किया कि शासन द्वारा प्राप्त योजनाओं का लक्ष्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें जिससे कार्यों में प्रगति के साथ साथ जनपद की रैंकिंग में भी सुधार प्रदर्शित हो। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी व जिला अर्थ संख्या अधिकारी को निर्देश दिए कि वह कार्यों की प्रतिदिन अपने स्तर से समीक्षा करें और खराब प्रगति पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के विरुद्ध चार्जशीट तैयार कर कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। उन्होंने संबंधित को निर्देशित किया कि शासन द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को जिम्मेदारी से निर्वहन करते हुए वह अपने स्तर से अभियान चलाकर योजना के संचालन में तेजी लाएं तथा खराब प्रगति पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने विभाग वार कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित को निर्देशित किया कि दिए गए लक्ष्य के सापेक्ष कार्यो की प्रगति सुनिश्चित करें जिससे प्रदेश स्तर की समीक्षा में जनपद की रैंकिंग ऊपर उठ सके। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि पर्यटन विभाग द्वारा कराये जा रहे कार्यों की जांच करना सुनिश्चित करें।

बैठक में जिला प्रोवेशन अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी को दिए। जिलाधिकारी ने फॉर्मर रजिस्टरी, जीरो पावर्टी में नाराजगी व्यक्त करते हुए लक्ष्यों में सुधार करने के लिए पत्राचार करने के निर्देश दिए तथा नई सड़कों के निर्माण में प्रगति लाने के निर्देश दिए।

उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि टी बी मुक्त भारत अभियान में सभी चयनित लाभार्थियों को समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित किया कि विभागीय योजनाओं से संबंधित प्राप्त आवेदनों का सत्यापन करते हुए निस्तारण कर लाभान्वित कराये जिससे योजनाओं की सार्थकता सिद्ध हो और पात्रों को लाभ मिले। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, प्रभागीय वनाधिकारी सीपी सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेंद्र कुमार, परियोजना निदेशक डीआरडीए मनीष कुमार मौर्य, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग अमर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकांत यादव, जिला विद्यालय निरीक्षक प्रदीप कुमार मौर्य,जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनायक शर्मा सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

युवक पर लगाया किशोरी को फुसला कर ले जाने का आरोप

संवाददाता,अछल्दा (औरैया)

अमृत विचार। अछल्दा थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ने अपनी 17 वर्षीय पुत्री के गुम होने और उसे बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप गांव के ही युवक पर लगाया है। प्रार्थी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री जिसने हाल ही में आदर्श इंटर कॉलेज अछल्दा से कक्षा 12 उत्तीर्ण की है, को 25 जून 2025 की सुबह गांव की सहेली उसे बहला-फुसलाकर अछल्दा रेलवे स्टेशन ले गई। वहां पर हिमांशु दोहरे पुत्र रामनारायण निवासी तेहराजपुर मिला और दोनों लड़कियों को इटावा ले गया। बाद में वे बस से आगरा चले गए।

परिजनों का आरोप है कि घर से जाते समय बेटी मुस्कान ने अपनी मां की अंगूठी ज्वैलर्स की दुकान पर बेच दी थी, जिससे यात्रा का खर्च उठाया गया।

प्रार्थी ने बताया कि काफी खोजबीन के बाद दो दिन बाद इटावा बस स्टैंड पर रात करीब 11 बजे तीनों दिखाई दिए। परिजन को देखकर हिमांशु भाग निकला, जबकि दोनों लड़कियां वापस घर ले आई गईं।

घटना की जानकारी महिला हेल्पलाइन 1076 पर दी गई थी। लेकिन लोकलज्जा के कारण उस समय मुकदमा दर्ज नहीं कराया गया। अब आरोप है कि हिमांशु लगातार तरह-तरह की धमकियां दे रहा है, जिससे परिवार किसी बड़ी घटना की आशंका जता रहा है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है।

विरोध प्रदर्शन करते लोग। अमृत विचार

ग्रामीणों ने फुंके ट्रांसफार्मर को बदलने की मांग की

संवाददाता,अजीतमल,औरैया

अमृत विचार। अजीतमल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बीसलपुर में पिछले सात दिनों से ट्रांसफार्मर फुंकने से आधे गांव कि रोशनी ठप है। जबकि योगी सरकार के आदेश हैं कि फूंके ट्रांसफार्मर को 24घंटे में बदला जाए। लेकिन सात दिन होने के बाद बिजली विभाग के अधिकारी ने कोई ध्यान नहीं दिया। ग्राम बीसलपुर में ट्रांस फॉर्मर फुंकने से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ गया है। वहीं चोरों का आतंक होने से ग्रामीण भयभीत है। रात्रि में पड़ रही भीषण गर्मी से लोगों का सोना दुश्वार है। लोगों का कहना है कि ट्रांस फॉर्मर पिछले पांच दिनों से फुंका पड़ा है।

लेकिन बिजली विभाग की उदासीनता की वजह से अभी तक ट्रांस फॉर्मर नहीं बदला गया है। वही ग्रामीण आशीष, सुखवीर, सुमित, उमेश, प्रीति, मीना, सोनी, ईशिका, राजश्री, पुरन, भानु प्रताप, आदि लोगों का कहना है कि मोबाईल चार्जिंग, पीने के पानी, आदि की गंभीर समस्या पैदा हो गई है। लेकिन बिजली विभाग की उदासीनता की वजह से लोग बेहद परेशान हैं। यदि जल्द ही समस्या का निदान नहीं हुआ तो ग्राम बासी बड़ी संख्या में एकत्र होकर बिजली ऑफिस पर धरना देने को विवश होंगे।

गेल डीएवी की शिक्षिका को इंडियन स्कूल अवार्ड

संवाददाता, फफूंद, औरैया

प्रमाण पत्र के साथ शिरीन बानो।

अमृत विचार। गेल डीएवी पब्लिक स्कूल गेल गांव में इंग्लिश टीचर्स के रूप में सेवा दे रहीं शिरीन बानो को एजुकेटर ऑफ द ईयर के लिए संचालित रोबोअंडर द्वारा इंडियन स्कूल अवार्ड से सम्मानित किया गया है। उनको यह पुरस्कार दिल्ली में दिया गया।

मूल रूप से कानपुर की रहने वाली शिरीन बानो वर्तमान में दिबियापुर स्थित गेल गांव में स्थित गेल डीएवी पब्लिक स्कूल में इंग्लिश टीचर हैं। उनको बेस्ट एजुकेटर का यह पुरस्कार होलिस्टिक लर्निंग और ग्लोबल सिटीजन को बढ़ावा देने वाले पर्यावरण में असाधारण प्रदर्शन के लिए दिया गया है।

जिसमें नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को लागू करना और कोरोना के समय से वंचित और वरिष्ठ नागरिकों के लिए काम करना शामिल है। भारतीय स्कूल अवाड्र्स द्वारा शिरीन बानो के अनुकरणीय प्रयासों और शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है। यह पुरस्कार 24 अगस्त को होटल रेडिसन में दिया गया।

शिरीन बानो द्वारा यह पुरस्कार प्राप्त करने के बाद स्कूल प्रबंधन सहित उनके साथी शिक्षकों ने उनको बधाई दी है।

बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में लगाया शिविर

कार्यालय संवाददाता, औरैया

बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में लगाया गया शिविर। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी के निर्देशन में जनपद में बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में जनजीवन को पुर्नस्थापित करने, ग्रामीणों को शासन द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का त्वरित लाभ दिलाने एवं बाढ़ से हुयी क्षति की प्रतिपूर्ति करने हेतु जनपद में आकांक्षी शिविर का आयोजित किए जा रहे हैं।

जिसके तहत विकास खण्ड के अन्तर्गत ग्राम पंचायत असेवा में आकांक्षी शिविर का आयोजन किया गया। आकांक्षी शिविर में पंचायती राज, ग्राम्य विकास, बाल विकास परियोजना, चिकित्सा, पशुपालन, कृषि, रोजगार, सोशल सेक्टर, महिला एवं बाल विकास, राजस्व, खाद्य एवं रसद विभाग, शिक्षा, जल निगम आदि विभागों द्वारा अपनी-अपनी योजनाओं के सम्बन्ध में जनमानस को शासकीय योजनाओं का लाभ देने हेतु स्टॉल लगाए गए। जिसमें पशु पालन विभाग के 14 आवेदन, खाद्य एवं रसद विभाग के 04 आवेदन, कृषि विभाग के 14 आवेदन, जिला उद्योग केन्द्र के 07 आवेदन, आयुष विभाग के 14 आवेदन, होम्योपैथिक विभाग के 28 आवेदन, स्वास्थ्य विभाग के 20 आवेदन, श्रम विभाग के 13 आवेदन, जिला दिव्यांजन सशक्तीकरण विभाग के 03 विभाग, समाज कल्याण विभाग के 04 आवेदन, सहकारिता विभाग के 08 आवेदन, उ०प्र० जल निगम (ग्रामीण) के 04 आवेदन प्राप्त हुये। जिसका निरीक्षण उपायुक्त, श्रम रोजगार (मनरेगा), औरैया द्वारा किया गया तथा विभागीय अधिकारियों के द्वारा आकांक्षी शिविर में उपस्थित आम जनता को बारीकी से जानकारी दी गई।

- असेवा में आकांक्षी शिविर का आयोजन किया गया

आयोजन | सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में प्रसारित किया गया

17 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र किए वितरित

कार्यालय संवाददाता, औरैया

लखनऊ में हुए आयोजन का सजीव प्रसारण दिखाया गया। अमृत विचार

अमृत विचार। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत 2,425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों को नियुक्त पत्र वितरित कार्यक्रम का आयोजन लखनऊ के लोक भवन स्थित सभागार में किया गया। जिसका सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट स्थित मानस सभागार में प्रसारित किया गया।

इसे भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया, जिलाधिकारी डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार, राज्यसभा सांसद प्रतिनिधि अनुराग , परियोजना निदेशक डीआरडीए मनीष कुमार मौर्य सहित संबंधित अधिकारी एवं आमजन द्वारा देखा व सुना गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने जनपद की चयनित 17 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वेश कठेरिया ने जनपद में चयनित 17 मुख्य सेविकाओं को बधाई देते हुए कहा कि आपका चयन निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से किया गया है अतः आपसे अपेक्षा है कि आप अपने दायित्वों का पूर्ण मनोयोग से बिना किसी भेद-भाव के करें। तभी समाज का विकास होगा साथ ही साथ आपका भी विकास होगा आप अपने कार्यों का निष्पादन इस प्रकार करें कि लाभार्थी आपके द्वारा किए गए कार्य की प्रशंसा करें, आपका कार्य समाज को स्वस्थ जीवन देने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि आपके द्वारा नौनिहालों को स्वास्थ्य परीक्षण के साथ-साथ उन्हें बीमारियों से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। कार्यक्रम के अंत में जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार ने सभी नव चयनित कार्मिकों को बधाई दी और उन्होंने कहा कि आप सभी पूरी निष्ठा व ईमानदारी के साथ अपने पदीय दायित्वो का निर्वहन करें आपने प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने हेतु जिस प्रकार से मेहनत और लगन के साथ पढ़ाई की है उसी प्रकार अपनी जिम्मेदारियों को भी निभाएं आप लोगों से शासन के साथ-साथ आमजन की भी बहुत अपेक्षाएं हैं। उस पर खरा उतरने के लिए हर संभव प्रयास करें।

शिविर में महिलाओं को किया जागरूक

बिधूना, औरैया। बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण औरैया के अध्यक्ष जिला जज मयंक चौहान एवं प्राधिकरण के सचिव महेश कुमार के निर्देशन में तहसील क्षेत्र के ग्राम चिमकुनी अछल्दा में आयोजित विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर में जहां महिलाओं के संबंध में नियम कल्याणकारी योजनाओं स्वच्छता के बारे में जानकारी दी गई वहीं पास एक्ट के बारे में अवगत कराया गया। इस अवसर पर साफ सफाई रखने के फायदे लोक अदालत के लाभ बच्चों में मोबाइल टीवी के दुष्प्रभाव एवं शोषण एवं तस्करी के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर आपस के मामलों को आपस में मिल-बैठकर निपटाने को कहा गया। वरिष्ठ पीएलवी एवं ग्रुप लीडर राघवेन्द्र प्रताप सिंह गौर उर्फ राघव ने महिलाओं के अधिकारों एवं उनके कल्याण के लिए चलायी जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी।

धूमधाम से मनाया गया राष्ट्रीय पोरवाल दिवस

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- मरीज को फल, दीप प्रज्वलन व मिष्ठान वितरित कर खुशियां मनाई गई

अमृत विचार। श्री पोरवाल समाज द्वारा श्री पोरवाल धर्मशाला में बुधवार को शाम 5 बजे राष्ट्रीय पोरवाल दिवस का आयोजन किया गया। जिसके अंतर्गत दोपहर 12.30 बजे 50 सैया अस्पताल में मरीजों को फलों का वितरण, उसके उपरांत समाज के लोगों द्वारा राष्ट्रीय पोरवाल दिवस पर पर गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री पोरवाल सभा, औरैया के अध्यक्ष बृजेंद्र गुप्ता ने बताया कि अखिल भारतीय पोरवाल महासंघ की स्थापना दिवस के उपलक्ष में प्रत्येक वर्ष 27 अगस्त को राष्ट्रीय पोरवाल दिवस का आयोजन समूचे भारत में धूमधाम से किया जाता हैं। गोष्ठी के विशिष्ट अतिथि अखिल भारतीय पुरवार पोरवाल महासभा जिला इकाई, औरैया के अध्यक्ष शिवकुमार पुरवार ने बताया कि 27 अगस्त 1989 को देश-विदेश में रहने वाले सभी पोरवाल, जांगड़ा पोरवाल, पुरवाल, पुरवार, गंगराड़े पोरवाल, पद्मावती पोरवाल, दशा वैष्णो पोरवाल के एकीकरण की संकल्पना लेकर अखिल भारतीय पोरवाल महासंघ नई दिल्ली की स्थापना की गई थी, तब से 27 अगस्त को राष्ट्रीय पोरवाल दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। वर्तमान में भारतवर्ष के लगभग 23 प्रदेशों में पोरवाल समाज के लोग निवास करते हैं। कार्यक्रम को आनंद गुप्ता डाबर व मातृशक्ति पायल पोरवाल ने भी संबोधित किया। इस मौके पर कई लोग मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

पीड़ित परिवार से मिलने अतरार जाते समाजसेवी जगतराज प्रजापति।

पीड़ित परिवार से मिल कर शोक जताया

हमीरपुर। सुमेरपुर क्षेत्र के अतरार में देवदास प्रजापति के 30 वर्षीय पुत्र की करंट लगने से दुखद मृत्यु हो गई। इसकी सूचना मिलते ही समाजसेवी जगतराज प्रजापति बुधवार को अतरार पहुंचे और दुखी परिवार को सांत्वना देते हुए अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने परिवार को अपनी तरफ से आर्थिक मदद की और कहा कि परिवार के साथ हूं। उन्होंने परिवार की हर संभव सहायता करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

एक दिनी रोजगार मेला 30 अगस्त को

हमीरपुर। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि 30 अगस्त को प्रात: 10 :30 बजे से जगतराज महाविद्यालय राठ में रोजगार मेला लगेगा, जिसमें कई प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिनिधि पहुंचेंगे। अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर इस अवसर का लाभ उठा सकते है।

पुलिस ने दबिश देकर तीन जुआरी पकड़े

मौदहा। कोतवाली पुलिस ने खंडेह के पास खेतों में छापेमारी कर तीन लोगों को जुआ खेलते पकड़ा है। पुलिस के मुताबिक कस्बे के कुम्हरौडा निवासी मोहम्मद बाकर, रतवा निवासी प्रेम नारायण और अमर सिंह वर्मा शामिल है। एक दर्जन से अधिक जुआरी भागने में सफल हो गए। सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

शराब के नशे में महिला से मारपीट

मौदहा। कोतवाली क्षेत्र के सिलौली निवासी मीरा पत्नी कल्लू ने कोतवाली में दिए शिकायती पत्र में बताया कि मंगलवार शाम गांव का रज्जू शराब के नशे में उसके चबूतरे में बैठ कर गुजरने वाली महिलाओं को गाली गलौज कर रहा था। उसने उसे वहां से जाने के लिए कहा तो रज्जू घर में घुस आया और उसे घसीटते हुए गाली गलौज कर बाहर ले गया और मारपीट की। पुलिस जांच कर रही है।

पुराने विवाद के चलते युवक के साथ मारपीट

राठ। कस्बे के लुधियातपुरा निवासी भारत ने बताया कि मंगलवार शाम 5 बजे वह घर जा रहा था। पनवाड़ी मार्ग पर पोस्टमार्टम हाउस के पास पुराने विवाद के चलते मोहल्ले की एक महिला ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर उसे रोक लिया और गालियां देने लगे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की। पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है।

नशे में गालीगलौज कर पड़ोसी को पीटा

बिवांर। क्षेत्र के छानी खुर्द निवासी लोकेंद्र शिवहरे की पड़ोसी भूरा शिवहरे से रंजिश है। मंगलवार की रात शराब के नशे में भूरा उसके दरवाजे आकर हंगामा करने लगा और विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। शोरगुल सुनकर पड़ोसियों ने बीचबचाव किया। यूपी 112 पर सूचना देने के बाद पुलिस भूरा को हिरासत में लेकर थाना ले आई। लोकेंद्र ने तहरीर दी है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बाढ़ देखते समय कगार ढहने से अधेड़ की यमुना में डूबकर मौत

कूड़ा फेंकने गए सफाईकर्मी ने नदी किनारे शव उतराता देख लोगों को दी सूचना

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार: यमुना नदी की बाढ़ देखते समय कगार में खड़ा अधेड़ असंतुलित होकर यमुना नदी में समा गया। घटना के करीब दो घंटे बाद नदी के किनारे कूड़ा फेंकने गए सफाई कर्मी ने अधेड़ का शव उतराते देखा तो लोगों को जानकारी दी। मौके पर पहुंचे परिजन शव देखकर रोने-बिलखने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

शहर के वार्ड नंबर 12 भिलावां निवासी शिवकुमार निषाद (48) बुधवार की सुबह करीब पांच बजे के आसपास यमुना नदी किनारे बाढ़ का जायजा लेने गया था। वह नदी के पास कगार में खड़ा था, तभी अचानक कगार ढह गई, जिससे शिवकुमार उफनाती यमुना नदी में समा गया। गहराई अधिक होने के कारण शिवकुमार नदी से बाहर नहीं निकल पाया। सुबह का वक्त होने की वजह से किसी की नजर भी उस पर नहीं पड़ी। करीब दो घंटे बाद वार्ड का सफाई कर्मी जब कूड़ा फेंकने नदी किनारे पहुंचा तो उसे शव पानी में उतराता दिखा। उसने तत्काल लोगों को इसकी सूचना दी। तब तक पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से शव को नदी से निकाला गया, जिसकी शिवकुमार के रूप में शिनाख्त हो गई। तब तक परिजन भी घटनास्थल पर पहुंच गए और शव देख दहाड़ मारकर रोने लगे।

घटनास्थल पर रोती-बिलखतीं परिवार की महिलाएं। अमृत विचार

रोज सुबह बाढ़ देखने के लिए जाता था

भाई भूरा निषाद ने बताया कि शिवकुमार नदी में नहाने जाता था, लेकिन बाढ़ की वजह से वह घर पर ही नहा लेता था। रोज सबेरे नदी किनारे बाढ़ का जायजा लेने जाता था। बुधवार की सुबह नदी किनारे गया था, जहां कगार के ढहने के कारण नदी में समा गया। उसकी मौत पर पत्नी कुसुमकली, दो पुत्र सुनील, उपेंद्र और पुत्री रोती-बिलखती रहीं।

दहेज उत्पीड़न की एफआईआर दर्ज

मौदहा। नारायच गांव निवासी महिला ने अपने पति व ससुर के विरुद्ध मारपीट करने व दहेज की मांग करते हुए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर सौंपी है। कोतवाली पुलिस ने तहरीर के अनुसार आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है और जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

कोतवाली क्षेत्र के नारायच गांव निवासी महिला मुस्कान नसीर पत्नी इकराम खान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसके पिता ने उसकी शादी चार साल पहले गांव के ही इकराम खान पुत्र सुभान खान के साथ अपनी सामर्थ्य अनुसार दान दहेज देकर किया था। पिता द्वारा दिये गए दान दहेज से असंतुष्ट पति इकराम व ससुर सुभान उसे शुरू से ही और दहेज लाने के लिए प्रताड़ित करने लगे। उसने उक्त बातें अपने पिता को बताई तो पिता ने मांग को पूरा करने में असमर्थता जताई। जिस पर उसके साथ मारपीट व उसका उत्पीड़न शुरू कर दिया।

माइक में दौड़ा करंट युवक की गई जान

संवाददाता, बिवांर

- तीजा महोत्सव के मौके पर घर में चल रहा था जगराता कार्यक्रम
- बिना पोस्टमार्टम कराए परिवार वालों ने किया अंतिम संस्कार

अमृत विचार: तीजा महोत्सव के चलते अपने घर में रात में कार्यक्रम के दौरान लगे साउंड सर्विस के माइक में करंट उतरने से उसकी चपेट में आने से एक युवक अचेत हो गया। उसे लेकर परिजन छानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया।

बिवांर थाना क्षेत्र के अतरार गांव निवासी रामआसरे (32) पुत्र देवदास प्रजापति के घर में मंगलवार की रात तीजा महोत्सव का कार्यक्रम चल रहा था। महोत्सव को लेकर घर में रात्रि जागरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसके लिए साउंड सर्विस लगाया गया था। यहां मोहल्ले की महिलाएं एकत्रित होकर जगराता कर गाना-बजाना करने की तैयारी कर रही थीं।

इसी बीच महिलाओं के बीच माइक लगाने के लिए युवक ने माइक उठाया तो उसमें दौड़ रहे करंट की चपेट में आकर वह वहीं अचेत होकर गिर गया। परिजनों ने आनन-फानन मशीन के प्लग को बोर्ड से अलग किया और उसे रात में ही छानी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टर ने देखते ही उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया और तीजा महोत्सव कार्यक्रम ठप हो गया। परिजनों ने बुधवार को बिना पोस्टमार्टम कराए शव का अंतिम संस्कार कर दिया। मृतक दो नाबालिग पुत्र दो पुत्रियों व पत्नी को रोते-बिलखते छोड़ गया है। मृतक दो भाइयों में छोटा था।

ईमानदारी से कार्य करें सेविकाएं

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार: कलेक्ट्रेट स्थित डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में महिला कल्याण विभाग उप्र के अंतर्गत जनपद में नव चयनित 18 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। राठ विधायक मनीषा अनुरागी व जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने नव चयनित मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

लखनऊ लोक भवन में प्रदेश स्तर पर नव चयनित 2425 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए संबोधन को सभागार में उपस्थित सभी नव चयनित मुख्य सेविकाओं, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व कर्मचारियों आदि द्वारा सुना गया। इस दौरान राठ विधायक मनीषा अनुरागी ने सभी नव चयनित मुख्य सेविकाओं को बधाई देते हुए कहा कि महिला कल्याण विभाग में प्रतिभाशाली व ऊर्जावान महिलाओं की भर्ती होने से विभागीय योजनाओं को गति मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार में सिर्फ प्रतिभा व कौशल के आधार पर नौकरियां मिल रहीं हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं को पास कर बड़ी संख्या में महिलाएं आगे आ रही हैं। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। जिलाधिकारी ने कहा कि आप सभी महिलाएं जिस विभाग में आए हैं, वह बच्चों की हेल्थ से जुड़ा हुआ है। आपका कार्य छोटे-छोटे बच्चों के जीवन में व्यापक परिवर्तन ला सकता है। लाभार्थियों को लाभ दिलाना तथा सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाना आपका मुख्य कार्य होगा। कहा कि कर्तव्य निष्ठा व ईमानदारी से कार्य करें। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि अशोक तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, चेयरमैन कुलदीप निषाद, सीडीओ अरुण कुमार सिंह, कार्यक्रम अधिकारी शैलेन्द्र प्रताप सिंह सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

मुख्य सेविका को नियुक्ति पत्र देतीं राठ विधायक और डीएम। अमृत विचार

प्लग लगाते समय करंट से थमी सांस

मुस्करा। क्षेत्र के गहरौली गांव में एक बुजुर्ग महिला की पंखा का प्लग लगाते समय करंट की चपेट में आने से अचेत हो गई। जिसे परिजन कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर गए। जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

थानाक्षेत्र के गहरौली गांव निवासी शंकर प्रजापति ने बताया कि उसकी मां रामप्यारी (50) पत्नी बदलू प्रजापति बुधवार दोपहर को नंगे पैर पंखे का का प्लग लगा रही थी। इसी दौरान प्लग का एक तार निकल आया, जिसकी चपेट में आकर करंट लगने से वह बेहोश होकर वहीं गिर गई। जिसे परिजन आनन फानन कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। जहां मौजूद चिकित्सक डॉ.मनुलिका ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया। मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

रामप्यारी।

गौशाला के पशु छोड़ने का आरोप

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- पाटनपुर गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन
- ग्राम प्रधान की भूमिका की जांच कराने की उठाई मांग

अमृत विचार: पाटनपुर गांव के ग्रामीणों ने प्रधान पति पर गौशाला से अन्ना पशुओं को छोड़करके किसानों फसलें नष्ट कराने सहित गंभीर आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने उच्च अधिकारी से प्रकरण की जांच कराने की मांग को लेकर जिलाधिकारी घनश्याम मीना को ज्ञापन सौपा है।

मौदहा विकासखंड के पाटनपुर गांव निवासी जीतेन्द्र सिंह, हिमांचल सिंह,लाखन सिंह, दयाशंकर कुशवाहा, मुन्ना पाल, सीपू शिवहरे, दिलीप सिंह, शैलेंद्र सिंह,अक्षय, बालवीर,अजीत सिंह, अशोक कुमार आदि ने आरोप लगाते हुए बताया कि उनके गांव में स्थित गौशाला का दरवाजा व जाली टूटी पड़ी है। गौशाला में जानवरों के लिए पानी की व्यवस्था ना होने से अन्ना जानवर खेतों में बोई फसलों को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने बीते 26 अगस्त को सभी अन्ना गोवंश को पकड़कर गौशाला में बंद किया था। जिस पर प्रधान पति बृजेश सिंह गौतम ने गौशाला का फाटक तोड़कर जानवरों को निकाल दिया।

ग्रामीणों ने इस बाबत उन्हें मना किया तो प्रधान पति द्वारा अभद्रता करते हुए खड़े होकर जानवरों से फसलों को नष्ट करने की धमकी दी है। आरोप लगाया कि गांव के जितने भी कार्य हुए हैं उनमें प्रधान के कभी हस्ताक्षर नहीं बनातीं, प्रधान पति हस्ताक्षर करते हैं। उन्होंने उच्च अधिकारी से गौशाला सहित कार्यों के लेखाजोखा की जांच कराने सहित प्रधान पति पर कार्यवाही करने की मांग की है।

जिलाधिकारी को ज्ञापन देने जाते पाटनपुर के ग्रामीण। अमृत विचार

छात्र के पिता को शिक्षिका के पति ने जड़ दिया थप्पड़

संवाददाता, मुस्करा

- पुलिस के पास पहुंचा प्रकरण पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी

अमृत विचार: कस्बे के एक स्कूल के प्रधानाचार्य कार्यालय में अध्यापिका के पति ने एक छात्र के पिता को थप्पड़ जड़ दिया। पीड़ित ने थाने में शिकायती पत्र दिया है।

कस्बा निवासी भूपेंद्र सिंह ने शिकायती पत्र में बताया कि कस्बे के बैजनाथ अग्रवाल विद्यालय में उसके बच्चे हैं। बच्चों पर शिक्षिका द्वारा फीस जमा करने का दबाव बनाया जा रहा था। ड्रेस और फीस को लेकर अध्यापिका रजनी बच्चों को टॉर्चर कर रही थी। बुधवार को वह विद्यालय पहुंचे और इसकी शिकायत प्रधानाचार्य कक्ष में जाकर की, तभी वहां अध्यापिका रजनी को बुलाया गया, जिससे रजनी उन पर भड़क गईं और अपने पति को बुला लिया। कार्यालय पहुंचे पति ने बहस करते हुए थप्पड़ जड़ दिया। बताया कि घटना की लिखित सूचना थाने में दी है। वहीं विद्यालय की अध्यापिका रजनी ने बताया कि उक्त व्यक्ति शराब के नशे में विद्यालय पहुंचा था और प्रधानाचार्य कार्यालय में अभद्र बातें करते हुए गालियां देने लगा। जिस पर विद्यालय से उनको लेने आए उनके पति ने विरोध किया तो वह हाथापाई करने करने लगा। विद्यालय के अध्यापकों द्वारा बीच बचाव कर किसी तरह मामले को शांत किया गया। कहा कि घटना की सूचना देने थाने जा रही हैं। वहीं थाना प्रभारी योगेश तिवारी ने बताया कि उक्त मामले में शिकायती पत्र मिला है। जांच करते हुए आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कैंप में सरस्वती विद्या मंदिर के 160 छात्र-छात्राओं की जांची गई आंख

संवाददाता, मौदहा

- सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय की ओर से लगाया गया जांच कैंप
- 13 छात्र-छात्राओं की आंखों में मिली समस्या, चश्मे मिलेंगे

अमृत विचार: नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय चित्रकूट की ओर से बुधवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें नेत्र चिकित्सक डॉ.भागवत यादव और डॉ.आयुष मिश्र ने विद्यालय के 160 छात्र-छात्राओं का निःशुल्क नेत्र परीक्षण किया। जिसमें 13 छात्र-छात्राओं को आंखों में समस्या होने पर निःशुल्क चश्मा दिया जाएगा।

नेत्र चिकित्सक डॉ.आयुष मिश्र ने बताया कि आज कल कम उम्र के अधिकांश छात्र-छात्राओं को पढ़ने-लिखने में आंखों में दर्द और सिर में दर्द की शिकायत होती है। यदि समय से ध्यान नहीं दिया गया तो आंखों में बड़ी समस्याएं बन जाती हैं। उन्होंने बताया कि जांच में अधिक समस्या आने वाले छात्र छात्राओं को चश्मा भी दिया जाएगा। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य भारत सिंह ने डॉक्टर टीम का आभार प्रकट किया। इस मौके पर सभी आचार्यों का भी नेत्र परीक्षण किया गया।

शिविर में छात्रों का नेत्र परीक्षण करते चिकित्सक। अमृत विचार

जीवन की राह दिखाता है रामचरित मानस पाठ

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार: कस्बे के जलविहार मंच पर बुधवार से श्रीराम कथा शुरू हो गई। वृंदावन धाम से पधारे धन्वंतरि महाराज ने राम कथा का बड़ा ही सुन्दर शुभारम्भ किया। रामचरितमानस के माहात्म्य का वर्णन करते हुए बताया श्री राम कथा के प्रथम वक्ता भगवान शिव हैं। श्रीराम की भक्ति बिना भगवान शिव की कृपा संभव नहीं है।

उन्होंने गणेश चतुर्थी की महिमा बताते हुए भगवान गणपति के प्राकट्य की कथा का भक्तों को रसपान कराया। कथा के दौरान धन्वंतरि महाराज ने कहा कि इस अध्यात्म जगत में गुरु की क्या भूमिका है। यह समझाते हुए बताया कि बिना गुरु के इस भव सागर से पार नहीं जाया जा सकता। गुरु बिनु भवनिधि तरै न कोई। राम चरित मानस की महिमा बताते हुए कहा कि आज वर्तमान में कोई किसी भी वर्ण का हो किसी भी पंथ का हो किसी भी जाति का हो राम चरित मानस सबको पढ़ना चाहिए और जीवन जीने के सूत्र प्राप्त करने चाहिए। राम कथा के दौरान मेला जल विहार समिति के अध्यक्ष केजी अग्रवाल, प्रदीप कुमार गुप्ता, डा. राम गोपाल गुप्ता, रमेश सर्राफ, काशी प्रसाद गुप्ता, पंकज सोनी, राजू सोनी, बारे लाल गुप्ता, प्रदीप सोनी सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कथा सुनाते स्वामी धन्वंतरि महाराज।

तीजा मेले की धूम

ऐतिहासिक तीजा मेले के दूसरे उमड़ी भीड़, कई राज्यों के नामी पहलवानों की हुईं कुश्तियां

आल्हा ने भरा जोश, पहलवानों ने दिखाए दांव-पेच

संवाददाता, सुमेरपुर

अमृत विचार: कस्बे के ऐतिहासिक तीजा मेला के दूसरे दिन रामलीला मैदान में जहां आल्हा ने जोश भरा, वहीं पशु बाजार मैदान में आयोजित दंगल में यूपी, एमपी, राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड से आए नामी गिरामी पहलवानों की रोमांचक कुश्तियां हुई।

आल्हा गायन में दो दर्जन गायकों ने माड़ो की लड़ाई का सुंदर वृतांत सुनाया। आल्हा में महावीर प्रजापति, चरण सिंह, जय सिंह, श्याम बाबू यादव, राजा बाबू, राजपाल सिंह, रामकुमार सविता आदि ने जोश भरा। उधर, पशु बाजार मेला मैदान में दंगल का शुभारंभ पूर्व विधायक युवराज सिंह, हमीरपुर चेयरमैन कुलदीप निषाद, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक ने संयुक्त रूप से पहलवानों का हाथ मिलवा कर किया। दंगल में दो दर्जन कुश्तियां संपन्न कराई गई। बाबा रामदास हरिद्वार ने गुल्ला चौधरी राजस्थान को जोरदार पटकनी देकर जमकर वाहवाही लूटी। महिला पहलवान रोशनी गोरखपुर ने सपना बांदा को हराया। राधेश्याम भिंड, शिवा मथुरा, कल्लू इंगोहटा, विक्रम झलोखर, कुलदीप टेढ़ा, अंशुल हाथरस, कुलदीप हाथरस, वीरेंद्र टेढ़ा, राजवीर झांसी, विशाल मथुरा, राधेश्याम मिरगहनी, आकाश बनारस, जितेंद्र झांसी, शुभम मेरठ, नजाकत बांदा, आकाश हाथरस के मध्य कुश्ती बराबरी पर छूट गई। दंगल का संचालक सुरेश यादव दपसौरा ने किया। रेफरी की भूमिका सूरजपाल सिंह, रामकिशुन नन्ना, जीतू पहलवान, मुन्ना तिवारी ने निभाई। इस मौके पर दंगल के आयोजक अमर सिंह, जयकरन सिंह, सौमित्र सिंह इटरा आश्रम के महंत बलराम दास महाराज, बांकी आश्रम के महंत रामदेव महाराज, मनासर बाबा आश्रम के महंत द्वारिका दास महाराज, पूर्व प्रधान दिनेश सिंह, जितेन्द्र सिंह तोमर, अंकित सिंह रानू, रणवीर सिंह, अनिल पालीवाल, पूर्व प्रधान बउवा यादव आदि मौजूद रहे।

रामलीला मैदान में आल्हा गायन प्रस्तुत करते कलाकार। अमृत विचार

तीजा मेले के दंगल में पहलवानों के हाथ मिलवाते पूर्व विधायक। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं को निवेश के टिप्स

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार: ब्रह्मानंद महाविद्यालय में कॅरियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल एवं इंफोसिस फाउंडेशन कोले बरेशन की ओ्र से सेमिनार का आयोजन हुआ, जिसमें यूएनएक्सटी एम्पलाईबिलिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत शिक्षक राहुल यादव और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड कानपुर चैप्टर के विशेषज्ञ प्रशांत दीक्षित ने वित्त एवं निवेश प्रबंधन के गुण सिखाए।

कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी ब्रह्मानंद महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डा.सुरेंद्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया गया। संचालन डा.सरजू नारायण ने किया। प्रो.नरेश कुमार सिंह ने वित्तीय प्रबंधन एवं निवेश के बारे में छात्रों को जानकारी दी। प्रशांत दीक्षित द्वारा छात्रों को भारत सरकार की विभिन्न वित्तीय संस्थाओं में निवेश संबंधी नियमों स्टॉक एक्सचेंज, म्यूचुअल फंड, साइबर सिक्योरिटी एवं अन्य वित्तीय पहलुओं पर पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा विधिवत जानकारी दी।

कार्यक्रम के संयोजक डा.सरजू नारायण ने बताया कि एम्पलाईबिलिटी ट्रेनिंग प्रोग्राम छात्रों के लिए विगत एक माह से नियमित रूप से प्रशिक्षक राहुल यादव के सहयोग से चलाया जा रहा है, जिसमें छात्र-छात्राओं को मार्केट एवं इंडस्ट्री ओरिएंटेड विभिन्न प्रकार के सॉफ्ट स्किल का प्रशिक्षण दिया गया है, ताकि छात्र भविष्य में बेहतर मानव संसाधन बन स्वयं एवं राष्ट्र के विकास में योगदान दे सके। इस अवसर पर डॉ.आरबी शर्मा, डा.दीपक सिंह, डॉ.अरुण कुमार सिंह समेत अनेक छात्र मौजूद रहे। छात्रों में उत्साह दिखा।

ब्रह्मानंद महाविद्यालय में आयोजित सेमिनार में मौजूद छात्र-छात्राएं। अमृत विचार

न्यूज ब्रीफ

पुलिस ने दो इनामी बदमाशों को पकड़ा

महोबा। अपर पुलिस अधीक्षक वन्दना सिंह एवं कुलपहाड़ सीओ अरुण कुमार के पर्यवेक्षण में महोबकंठ प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने क्षेत्र के घुटई तिराहा के पास से 25-25 हजार रुपये के इनामी रघू ठाकुर उर्फ राघवेंद्र सिंह (31) निवासी थुरट, थाना अजनर और अंकित राजपूत उर्फ अंकित (22) पुत्र महिपाल निवासी खिरिया थाना अजनर को गिरफ्तार किया है। दोनों अभियुक्त गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे थे।

सीसीटीएनएस में जिला रहा अव्वल

महोबा। क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) योजना की प्रगति के संबंध में मुख्यालय तकनीकी सेवाएं द्वारा जुलाई 2025 के डाटा के अनुसार जनपदों की रैंकिंग की गई है, जिसमें लम्बित अभियोगों के त्वरित निस्तारण को लेकर जारी प्रदेश स्तरीय सीसीटीएनएस रैंकिंग में जनपद महोबा पुलिस को 100 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरी बार फिर से प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। सीसीटीएनएस योजना की रैंकिंग में जिला के अव्वल आने पर मुख्यालय तकनीकी सेवा द्वारा पुलिस अधीक्षक प्रबल प्रताप सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह एवं सीसीटीएनएस डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर (डीसी) का कार्य देख रहे कम्प्यूटर आपरेटर रहमान रशीद को प्रशस्ति पत्र से किया गया सम्मानित किया गया।

अलीम बने बसपा के जिला उपाध्यक्ष

महोबा। बहुजन समाजवादी जिला उपाध्यक्ष को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर उन्हें पद से मुक्त कर दिया गया और उनके स्थान पर मुख्य मंडल कोआर्डिनेटर के निर्देशानुसार मोहम्मद अलीम अहमद को बहुजन समाजवादी का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। अलीम अहमद को जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर बसपा पदाधिकारियों द्वारा उनके घर पर बधाई देकर मुंह मीठा कराए जाने का सिलसिला सारा दिन लगा रहा। बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष राजेंद्र कुशवाहा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि मोहम्मद अलीम अहमद पुत्र बसीर अहमद निवासी मोहल्ला समदनगर को बहुजन समाजवादी पार्टी जिला महोबा को दिनेशचंद्रा पूर्व एमएलसी मुख्य मंडल कोआर्डिनेटर व शम्शुद्दीन राईन मुख्य कोआर्डिनेटर बीएसपी चित्रकूटधाम मंडल बांदा के निर्देशानुसार बसपा का जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने बताया कि बसपा के पूर्व जिलाध्यक्ष शफीक सौदागर चरखारी को पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त पाए जाने पर पद से मुक्त कर दिया गया है।

जयकारों के साथ पंडालों में विराजे गजानन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

भगवान गणेश को विराजमान करने ले जाते भक्त। अमृत विचार

- गणपति बप्पा के विराजमान होने के साथ भजन-कीर्तन के कार्यक्रम शुरू

अमृत विचार। गणपति बप्पा की बुधवार को शहर में एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर प्रतिमाएं स्थापित की गई। धार्मिक जयकारों के साथ गणेश भगवान के लिए बनाए गए पंडालों में भक्तों ने उन्हें विराजमान किया। शहर के सुभाष चौक, पान मंडी, सत्तीयपुरा, माथुरनपुरा, नयापुरा नैकाना, सराफा बाजार, गांधीनगर सहित एक दर्जन से अधिक स्थानों पर गणपति बप्पा की प्रतिमाएं स्थापित होते ही भजन कीर्तन और पूजा अर्चना शुरु हो गई। इस उत्सव के मौके पर लोगों के अलावा बच्चों में भी खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।

विघ्नहर्ता, मंगलमूर्ति भगवान श्री गणेश जी का आगमन बुधवार को डीजे और गाजेबाजे के साथ भक्तों द्वारा किया गया और शाम व देर रात तक पंडालों में बप्पा विराजे। स्वागत में भक्तों ने जमकर आतिशबाजी के साथ रंग गुलाल उड़ाया। गणेशजी के आगमन पर भक्तों के चेहरे पर खुशी देखते बन रही थी। गणपति बप्पा मोरया की गूंज चारो ओर सुनाई दी। आगमन के बाद अब कल से बप्पा के दिव्य दर्शन होंगे। बच्चे हों या बड़े सभी ने अपने अपने तरीके से बप्पा की पूजा अर्चना में लीन रहेंगे। 11 दिनों तक भक्तिमय माहौल बना रहेगा। पंडालों में गणपति बप्पा के विराजमान होने के साथ ही देर शाम को आरती की गई और पूजा अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया। गणेश प्रतिमाओं को देखने के लिए शाम से ही महिलाओं और पुरुषों के झुंड के झुंड निकल पड़े जहां पर श्रद्धालुओं ने पंडालों में पूजा अर्चना की, इसके बाद रात में पंडालों में भजन कीर्तन का कार्यक्रम शुरु हुआ, जिससे पूरा शहर भक्तिमय हो गया। गणेश चतुर्थी पर्व के आगमन के साथ देर रात शहर में काफी चहल पहल बढ़ गई।

गणेश चतुर्थी पर्व महाराष्ट्र के प्रमुख त्योहारों में से एक है, लेकिन करीब दो दशक से अब महोबा शहर में भी धूमधाम के साथ गणेश प्रतिमा स्थापित कर इस त्योहार को मनाया जाने लगा। गणेश जी की प्रतिमाएं महोबा जिले के मूर्तिकार तैयार करते हैं। मूर्तिकार कई माह से मूर्ति को गढ़ने का काम शुरु कर देते हैं, अब मूर्तियां बनकर तैयार होने के बाद विभिन्न स्थानों पर डीजे और गाजेबाजे के साथ भक्तगण गणपति बप्पा की प्रतिमाएं ले जाकर उन्हें पंडालों में विराजमान किया। इसके अलावा घरों में भी गजानन की प्रतिमाएं स्थापित कर पूजा अर्चना शुरु कर दी गई है। गणपति बप्पा की छोटी मूर्तियां सबसे ज्यादा घरों में स्थापित की गई हैं।

जुलूस के साथ मजार में चादरपोशी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

कुल की फातिहा में मौजूद लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। हजरत शेख मखदूम शाह रहमतुल्लाह अलैह का दो दिवसीय सालाना उर्स का बुधवार को कुल की फातिहा के साथ समापन किया गया। दो दिन चले संदल और उर्स मुबारक में अकीतदमंदों ने चादर जूलुस निकालकर मजार पर चादरपोशी की और फातिहा के बाद लोगों में आपसी भाईचारा और मुल्क में अमन चैन की दुआएं मांगी गई। उर्स मुबारक पर मजार परिसर में कव्वाली के साथ साथ नातिया कलाम और तकरीर की भी महफिल सजाई गई।

शहर के मोहल्ला शेखनपुरा स्थित हजरत मखदूम शाह की दरगाह का सालाना उर्स के मौके पर मंगलवार की रात साढ़े नौ बजे मोहल्ला कत्तीपुरा वाशिंदों ने चादर जुलूस निकाला, जो ऊदल चौक, सुभाष चौक होते हुए मजार-ए-अकदस पर पहुंचा। जुलूस दौरान लोग सिर पर बड़ी बडी थाली में चादर रखकर चल रहे थे, तो वहीं अकीदमंदों में खामोशी अख्तियार किए हुए नातिया कलाम सुनते हुए आगे बढ़ रहे थे। जैसे ही चादर जुलूस के मजार पर पहुंचे तो आतीशबाजी का बेहतरीन नजारा पेश किया गया और इसके बाद मजार पर चादर चढाकर फातिहा पढ़ी गई। इस मौके पर अकीदतमंदों ने फातिहा में शामिल होकर खैरो बरकत की दुआएं मांगी।

उर्स के मौके पर एहसान निजामी ने सूफियाना कव्वालियों से लोगों को देर रात तक बांधे रखा। कव्वाली सुन लोग झूम गए और कव्वाल से मुसाफा करते हुए उन्हें नजराना भी पेश किया। मजार के मुजावर हाफिज हनीफ साहब के घर से भी चादर उठाई गई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मजार में संदल शरीफ की रस्म अदायगी के बाद संदल को आम जायरीन के लिए तकसीम किया गया इसके बाद फातिहा और दुआ का सिलसिला जारी रहा, जिसमे अकीदतमंदों ने हाथों को उठाकर सच्चे मन से दुआ मांगी। बताया कि कुल की फातिहा के बाद लोगों में मीठे चावल तकसीम किया गया। हाफिज ने बताया कि मान्यता है कि मजार शरीफ से उतारे गए संदल में रूहानियत होती है और संदल से शरीर की ऊपरी बीमारियों में शिफा मिलती है।

जिले में पान उत्पादन का क्षेत्रफल बढ़ाने के निर्देश

कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि निर्यात नीति संबंधी बैठक में डीएम ने दिया जोर

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- अनुदान और मंडी शुल्क में छूट के बारे में दी गई जानकारी
- कृषि वैज्ञानिकों ने निर्यात योग्य उत्पाद की बारीकी समझाई

कलेक्ट्रेट सभागार में गुरुवार को बैठक में मौजूद अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के प्रावधान के तहत जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में कृषि निर्यात संबन्धी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कृषि निर्यात नीति के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई गई। डीएम ने पान उत्पादन के लिए क्षेत्रफल विस्तार किए जाने के निर्देश दिए, ताकि पान के उत्पादन में वृद्धि हो सके।

बैठक में कृषि विपणन निरीक्षक ने उत्तर प्रदेश कृषि निर्यात नीति 2019 के संबंध में जानकारी देते हुए, हित धारकों को निर्यात कैसे प्रारंभ करें तथा निर्यात के लिए जरूरी डीजीएफटी और ऐपीडा आदि के प्रमाण पत्र कैसे बनवाने से लेकर कृषि निर्यात के लिए उपयोगी वेबसाइटों के बारे में अवगत कराया गया। साथ ही कृषि निर्यात नीति अंतर्गत दिए जाने वाले प्रोत्साहनों जैसे क्लस्टर निर्माण, नवीन प्रसंस्करण इकाइयां, परिवहन अनुदान एवं मंडी शुल्क से छूट आदि की जानकारी भी उपलब्ध कराई गई। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी ने अवगत कराया कि जनपद से कृषि उत्पाद के निर्यात होने से किसानों के साथ अन्य हितधारकों के लाभ में वृद्धि होगी तथा उक्त नीति का प्रचार प्रसार हित धारकों के बीच कराया जाएगा।

बैठक के दौरान कृषक उत्पादक संगठन गौतिक फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी जैतपुर द्वारा क्लस्टर निर्माण के लिए तिल के क्लस्टर के लिए प्रस्ताव दिया, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा अनुमोदन की सहमत प्रदान कर दी गई है। डीएम द्वारा निर्देश दिए गए कि पान के उत्पादन के लिए क्षेत्रफल विस्तार किया जाए, जिससे पान के उत्पादन में वृद्धि हो सके।

कृषि वैज्ञानिकों ने कैसे उत्तम गुणवत्ता का निर्यात योग्य कृषि उत्पाद खेतों में तैयार हो, इसके लिए उपस्थित प्रतिभागियों को अच्छा एग्रीकल्चर प्रैक्टिस की जानकारी प्रदान की गई। बैठक में उप कृषि निदेशक जिला कृषि अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, कृषि वैज्ञानिक कृषि विपणन एवं कृषि निर्यात विभाग के ज्येष्ठ कृषि विपणन निरीक्षक आदि उपस्थित रहे।

सीओ ने थाने का किया निरीक्षण

महोबा। चरखारी सीओ रविकांत गोंड ने बुधवार को खरेला थाने का त्रैमासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अभिलेखों की स्थिति, मालखाना में रखे माल मुकदमाती वस्तुओं, वाहनों का रखरखाव, ऑपरेशन क्लीन-2 के तहत निस्तारण की स्थिति, आर्म्स एंड एम्युनिशन तथा एंटी राइट उपकरणों की उपलब्धता एवं रखरखाव की विस्तार से जांच की गई।

क्षेत्राधिकारी चरखारी द्वारा थाना मेस व बैरक भवनों का निरीक्षण कर साफ सफाई, रंगरोगन एवं समुचित रखरखाव के लिए आवश्यक हिदायत दी गई। इस अवसर पर थानाध्यक्ष खरेला सुषमा चौधरी व थाने पर तैनात उपनिरीक्षकों के साथ बैठक कर उन्हें आगामी त्यौहारों को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निर्देशों का त्वरित अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए साथ ही शिकायती प्रार्थना पत्रों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण, निरोधात्मक कार्रवाई, नियमित पैदल गश्त व सघन चेकिंग करने के निर्देश भी दिए गए। इसके अतिरिक्त क्षेत्र में जुआ, मादक पदार्थों व शराब की अवैध बिक्री तथा अवैध खनन, परिवहन के विरुद्ध प्रभावी अभियान चलाकर आवश्यक कार्रवाई करने के भी कड़े निर्देश दिए गए।

सड़क पर घूम रहे अन्ना गोवंश। अमृत विचार

डीएम के आदेश के बाद भी घूम रहे अन्ना मवेशी

संवाददाता, कुलपहाड़

- अन्ना मवेशी के हमले से एक ग्रामीण गंभीर रूप से घायल, झांसी रेफर

अमृत विचार: प्रदेश सरकार अन्ना पशुओं को लेकर भले ही फ़िक्रमंद हो, लेकिन सड़कों पर अन्ना मवेशियों के झुंड दिखाई दे रहे हैं। खेतों के आसपास मवेशियों के टहलने से किसानों की नींद उड़ गई है और खरीफ फसल को बचाने की चिंता सता रही है। अन्नापशुओं की भरमार को देखते हुए किसानों ने खेतों में डेरा जमा लिया है। वहीं ग्राम सुगिरा में अन्ना मवेशी के हमले से एक ग्रामीण बुरी तरह घायल हो गया, जिसका इलाज मेडिकल कालेज झांसी में चल रहा है।

जिलाधिकारी गजल भारद्वाज ने एक सप्ताह पहले जिले के अधिकारियों को आगाह करते हुए अन्ना मवेशियों को गौशालाओं में भेजने के निर्देश दिए थे साथ ही चेतावनी दी थी कि यदि अन्नापशु सड़कों पर नजर आए तो सम्बन्धित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी, लेकिन डीएम के आदेश का अधिकारियों पर कोई असर नहीं दिखाई दे रहा है और अन्ना मवेशी खुलेआम सड़कों पर छुट्टा घूम रहे हैं, जिससे किसान खासे चिंतित हैं।

जैतपुर के सुगिरा गांव में सड़कों पर घूम रहे अन्ना पशुओं ने 58 वर्षीय बाला कुशवाहा पर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुलपहाड़ में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर डाक्टरों ने उसे मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया। ग्रामीण खासे सहमे हुए हैं।

बेलासागर लबालब मगर पानी का संकट

बेलाताल। बेलासागर के पानी से लबालब होने के बाद भी कस्बा जैतपुर में पानी को लेकर हायतौबा मची हुई है। हालत यह है कि सरोवर में भरपूर पानी होने के बाद भी 24 घंटे में एक बार पानी की आपूर्ति की जा ही है, जिससे लोगों में जल निगम के प्रति खासा गुस्सा है। बारिश के मौसम में भी कस्बे के लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है, जबकि सरोवर के लबालब हो जाने पर पानी को बहाया जा रहा है।

जैतपुर का बेलासागर तालाब बुंदेलखण्ड में सबसे विस्तृत क्षेत्रफल का तालाब है। डेढ़ दर्जन गांव के लिए इस सरोवर से पानी की आपूर्ति की जाती है। ग्राम जैतपुर के खंदियापुरा निवासी बसंतलाल कुशवाहा, गणेश सिंह ठाकुर, पंचमलाल रैकवार, नंदकिशोर रैकवार, भानसिंह यादव, खेमचंद यादव, भारत सिंह सहित तमाम ग्रामीणों का कहना है कि इस साल बारिश अधिक होने से बेलासागर तालाब क्षमता से अधिक भर गया है, इसके बाद भी नमामि गंगे योजना के अधिकारी नियमित पानी की आपूर्ति नहीं कर रहे हैं, जिससे लोगों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। पानी की पर्याप्त आपूर्ति न होने से जहां कस्बे के लोग तरस रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ बेलासागर सरोवर के ओवरफ्लो होने पर पानी बहाकर बर्बाद किया जा रहा है।

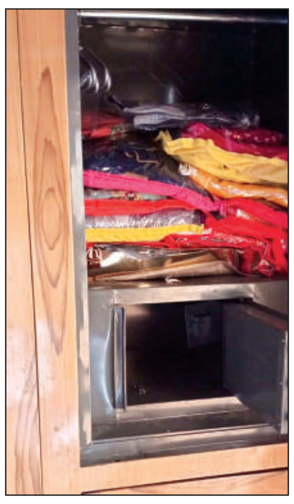

अलमारी का टूटा लॉकर।

कुंडी काटकर एक लाख की चोरी

संवाददाता, बेलाताल

- गृहस्वामी की तहरीर के बाद घटना की जांच-पड़ताल में जुटी पुलिस

अमृत विचार। अजनर थाना क्षेत्र के इद्रहटा गांव में चोरों ने घर की कुंडी काटकर कमरे में रखी अलमारी का ताला तोड़ा और उसमें रखे सोने-चांदी के जेवरात और कीमती सामान चोरी करके फरार हो गए। सुबह ग्रामीणों ने घर की कुंडी कटी होने की सूचना दी।

महोबा से गांव पहुंचे बेटे ने घर के अंदर जाकर देखा तो करीब एक लाख रुपये के जेवरात और अन्य सामान गायब था। बेटे की सूचना पर घर आए पिता ने थाना अजनर में चोरी की घटना की तहरीर दे दी है।

इंद्रहटा गांव निवासी धर्मदास यादव उत्तर प्रदेश परिवहन सड़क निगम की बस चलाता है, जो महोबा से मानिकपुर बस लेकर जाता और आता है, जिस कारण वह महोबा में निवास बनाए हुए है, जबकि उसका बेटा परिवार के साथ गांव में रहता है, लेकिन दो दिन पहले बेटा परिवार को लेकर घर में ताला डालकर महोबा आ गया था। तभी बदमाशों ने सूना घर देकर प्रवेश किया और कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर अलमारी से सोने चांदी के जेवरात और कीमती वस्त्र व अन्य सामग्री लेकर फरार हो गए।

घर लौटे गृहस्वामी ने करीब एक लाख रुपयें की चोरी होने का अनुमान लगाया है। पीड़ित ने घटना की तहरीर थाना अजनर में दे दी है, लेकिन पुलिस ने कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं की। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी है।

घरेलू कलह में महिला ने खाया जहर

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। श्रीनगर थाना क्षेत्र के ग्राम पवा में एक महिला ने घरेलू कलह के चलते सल्फास खाकर जान देने का प्रयास किया। अचेत होने पर महिला को परिजन जिला अस्पताल जहां पर डाक्टरों ने स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए हालत नाजुक होने पर महिला को मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया है। ग्राम पवा निवासी वीरपाल नशे का लती था। वह रोज शराब पीकर घर आता और अपनी पत्नी नीरज देवी (30) के साथ नशे की हालत में झगड़ा करता, लेकिन नीरज सबकुछ सहन करने के बाद भी कुछ नहीं कहती।

बुधवार को नीरज का पति शराब पीकर घर आया और किसी बात को लेकर उससे झगड़ने लगा, जिस पर नीरज ने घर पर रखा सल्फास खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए, लेकिन हालत नाजुक होने पर डाक्टरों से मेडिकल कालेज झांसी के लिए रेफर कर दिया। वही थाना श्रीनगर प्रभारी जयचंद्र द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

अतिरिक्त एसडीएम को ज्ञापन सौंपते शराब ठेका संचालक। अमृत विचार

रिश्वतखोरी की होगी जांच

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- शराब ठेका संचालकों से पैसा वसूलने की डीएम से शिकायत
- डीएम ने एडीएम की अध्यक्षता में गठित की जांच टीम

अमृत विचार। जिला आबकारी अधिकारी द्वारा ठेका संचालकों से रिश्वत लिए जाने का प्रकरण गरमा गया है। इसका वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमे आबकारी अधिकारी कथित रूप से लिफाफा लेते नजर आ रहा है। भाजपा जिला कार्यकारी समिति सदस्य के नेतृत्व में शराब ठेका संचालकों ने डीएम की अनुपस्थिति एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर जांच कर कार्रवाई की मांग की गई है।

शराब ठेका संचालक सिंह का कहना है कि अधिकारी ने उनसे पहले 5 हजार रुपये लिए और इसके बाद लाइसेंस जारी करने के नाम पर 12 हजार रुपये की मांग की गई। आबकारी अधिकारी द्वारा पैसे लेने का वीडियो वायरल होने के बाद अन्य ठेका संचालक भी सामने आ गए हैं और भाजपा जिला कार्यकारी समिति सदस्य नरेन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में ठेका संचालकों ने जिलाधिकारी गजल भारद्वाज को ज्ञापन सौंपा है।

डीएम को सौंपे गए ज्ञापन में शराब ठेका संचालकों ने आरोप लगाते हुए, बताया कि आबकारी अधिकारी राजेंद्र प्रसाद वर्मा ने करीब 13 संचालकों से स्थायी लाइसेंस के लिए 12-12 हजार रुपये लिए हैं, इसके बाद भी अधिकारी द्वारा उनका आर्थिक शोषण किया जा रहा है। वहीं भाजपा नेता नरेन्द्र मिश्रा का कहना है कि यह मामला रिश्वत और भ्रष्टाचार का है, जिसकी निष्पक्ष जांच करना जरूरी है। आरोप की पुष्टि होने के बाद आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। वहीं डीएम ने मामले की जांच के लिए एडीएम की अध्यक्षता में टीम गठित की है और यह टीम वायरल हुए वीडियो की सत्यता और अन्य आरोपों की जांच करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच में आरोप सही पाए जाने पर संबन्धित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में बद्री विशाल, चंद्रिका प्रसाद, सिद्ध शरण यादव, शिव वरन, धर्मेंद्र सिंह, शिव प्रताप और राजेंद्र आदि शामिल थे।

नियुक्ति पत्र मिलते ही खिल उठे मुख्य सेविकाओं के चेहरे

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- सीएम के कार्यक्रम का कलेक्ट्रेट में दिखाया गया लाइव प्रसारण

अमृत विचार। लोकभवन सभागार लखनऊ में बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिले से चयनित नौ मुख्य सेविकाओं को सदर विधायक राकेश गोस्वामी, नगर पालिका अध्यक्ष संतोष चौरसिया और डीएम गजल भारद्वाज ने नियुक्ति पत्र बांटे। कार्यक्रम में मुख्य सेविकाओं के परिवार के सदस्य भी पहुंचे।

कलेक्ट्रेट सभागार में लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण दिखाया गया। कार्यक्रम में सदर विधायक ने कहा कि सरकार देश और प्रदेश के युवाओं के सपनों को साकार करने का अवसर दे रही है। पूर्व की सरकारों ने युवाओं के साथ भेदभाव कर उनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया, लेकिन भाजपा सरकार युवाओं को साथ लेते हुए उनके सपनों को साकार करने का हर संभव प्रयास कर रही है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि मुख्य सेविकाओं की जिम्मेदारी मां यशोदा की तरह है। जिस तरह मां यशोदा ने बच्चों का पालन पोषण किया, वैसे ही आपकी भी जिम्मेदारी है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की देखरेख करें। जब भी भगवान श्रीकृष्ण का नाम आता है तो मां यशोदा का भी नाम आता है। उन्होंने कहा कि देश के विकास का रास्ता आंगनबाड़ी और गांव से होकर जाता है। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष मोहनलाल कुशवाहा, एडीएम वित्त एवं राजस्व रामप्रकाश, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टेट थ्रो बाल चैंपियनशिप | बालिका वर्ग में महोबा और बालक वर्ग में चित्रकूट की टीमें उपविजेता रहीं

बालक-बालिका वर्ग में प्रयागराज चैंपियन

कार्यालय संवाददाता, महोबा

स्टेट थ्रो बाल प्रतियोगिता में प्रदर्शन करते खिलाड़ी। अमृत विचार

अमृत विचार। नगर के रामरतन भुवनेश कुमार पब्लिक स्कूल में आयोजित दो दिवसीय स्टेट थ्रो बॉल चैम्पियनशिप के आखिरी दिन बालक एवं बालिका दोनों वर्गों का खिताब प्रयागराज ने जीत लिया, जबकि महोबा व चित्रकूट के टीमें उपविजेता रहीं।

आरबीपीएस में हुई 35वीं जूनियर स्टेट थ्रोबाल चैम्पियनशिप के बालक वर्ग में प्रयागराज, चित्रकूट, महोबा और बांदा की टीमें सेमी फाइनल में पहुंचीं। पहले सेमीफाइनल में प्रयागराज ने महोबा और दूसरे सेमीफाइनल में चित्रकूट ने बांदा को पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल मुकाबले में प्रयागराज की बालिका वर्ग की टीम ने महोबा को हराया और बालक वर्ग में प्रयागराज ने चित्रकूट को हराकर चैम्पियनशिप जीती।

पहला सेमीफाइनल में प्रयागराज ने महोबा को 2-0 से एवं दूसरे सेमीफाइनल में कौशाम्बी ने बांदा को 2-0 से पराजित कर फाइनल में प्रवेश किया। तीसरे स्थान के लिए महोबा व कौशाम्बी की टीमों के बीच मुकाबला खेला गया, जिसमें कौशाम्बी ने महोबा को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। बालिका वर्ग का फाइनल मुकाबला प्रयागराज एवं महोबा की टीमों के बीच खेला गया जिसमें शानदार खेल का प्रदर्शन कर प्रयागराज की लड़कियों ने महोबा की टीम को पराजित कर विजेता का खिताब जीता। बालिका वर्ग में भी कौशाम्बी की टीम तीसरे स्थान पर रही।

विजेता व उपविजेता व तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों व उनके खिलाड़ियों को ट्रॉफी, सर्टिफिकेट, मेडल जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल, संघ के महामंत्री अमित कुमार अग्रवाल एवं जिला थ्रो बाल संघ के सचिव मो. शफीक ने प्रदान किए। जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष राकेश कुमार अग्रवाल ने कहा कि खिलाड़ी खेल को अब अपना कॅरियर बना सकते हैं, बशर्ते खेल में अपना सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट के आर्गनाइजिंग प्रेसिडेंट मो. अरशद की देखरेख में पूरी चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला थ्रोबाल संघ के सचिव मयंक श्रीवास, आशीष अलबेला, अर्पित वाजपेयी, राकेश मीणा, अभिषेक धुरिया, रिजवान खान, निखलेश, विशाल, यादवेन्द्र सिंह राजपूत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

न्यूज ब्रीफ

डीआरआई और जिंदल स्कूल के बीच हुआ करार

सीतापुर। दीनदयाल शोध संस्थान और सोनीपत के जिंदल स्कूल ऑफ गवर्नमेंट एंड पब्लिक पॉलिसी के बीच जनहित के मुद्दों और विषयों पर सहयोग करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। डीआरआई की ओर से कोषाध्यक्ष वसंत पंडित और जेएसजीपी की ओर से डीन प्रोफेसर आर सुदर्शन ने हस्ताक्षर किए। इस मौके पर डीआरआई सचिव भूपेंद्र मलिक,अमिताभ वशिष्ठ, जेएसजीपी के प्रो. सूरज कुमार, सेवानिवृत्त आईएएस तेजेंद्र सिंह मौजूद रहे।

खेल दिवस पर तीन दिवसीय प्रतियोगिता

चित्रकूट। चित्रकूटधाम मंडल क्रीड़ाधिकारी अरविंद कुमार सोनकर ने बताया कि खेल दिवस पर स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय प्रतियोगिता होगी। 29 अगस्त को 14 वर्ष से कम आयु के बालकों की हॉकी, 30 अगस्त को कबड्डी सीनियर बालक एवं 31 अगस्त को बैडमिंटन की सीनियर बालक/बालिका प्रतियोगिता होगी। जो विद्यालय, संस्थाएं, क्लब इसमें भाग लेना चाहें वे खिलाड़ियों की सूची 28 अगस्त तक प्रत्येक दशा में उपलब्ध करा दें। प्रतियोगिता 29 अगस्त से प्रातः आठ बजे से की जाएंगी।

महाराष्ट्र से चोरी बाइक बरामद

चित्रकूट। 26 अगस्त को एसआई विवेक कुमार सिंह ग्राम सपहा में गनीवां – कर्वी मार्ग पर वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। इसी दौरान एक व्यक्ति बाइक से रगौली की ओर आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोका और उससे बाइक के कागज मांगे गये तो वह बाइक के कागजात नहीं दिखा पाया। पूछताछ में उसने अपना नाम अवधेश बताया। उसने बताया कि बताया कि वह पूना (महाराष्ट्र) में काम करने गया था। वहीं से बाइक चुराई थी। वाहन स्वामी से फोन पर बात करने पर उसने बताया कि बाइक वर्ष 2023 में पुणे से चोरी हो गई थी। इस संबंध में उसने थाना हिजवाड़ी जिला पिंपरी चिंचवड़ (महाराष्ट्र) में मामला पंजीकृत कराया था।

महिला का शव मिला

पहाड़ी। थाना क्षेत्र के गढीघाट में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। जानकारी के अनुसार गढीघाट के मजरा रैयापुरवा में लगभग 30 वर्षीय अज्ञात महिला का शव मिला है। लोगों के अनुसार शव लगभग तीन-चार दिन पुराना लग रहा है।

जांच में नहीं मिली फर्म, भुगतान पर लगे सवालिया निशान

रानीपुर भट्ट में गौशाला निर्माण में अनियमितताएं मिलने का मामला

संजय साहू, चित्रकूट

अमृत विचार। ग्राम पंचायत रानीपुर भट्ट में मनरेगा के तहत हुए निर्माण कार्य में फर्जी फर्म को भुगतान मामले में अब जांच रिपोर्ट भी सामने आ गई है। इसमें भी फर्म के भौतिक रूप से न होने और इसके बाद भी फर्म से जुड़े व्यक्ति का भुगतान किए जाने की पुष्टि हुई है। उपायुक्त श्रम रोजगार ने बताया कि जांच में यह मामला नियमसंगत नहीं पाया गया।

गौरतलब है कि रानीपुर भट्ट के अनुसुइया प्रसाद, मोहम्मद अली, अरविंद विश्वकर्मा, चंद्रभूषण आदि ने इस संबंध में जिलाधिकारी को पत्र भेजकर शिकायत की थी। एक ग्रामीण ने बाकायदा शपथपत्र भी दिया था। ग्रामीणों का कहना था कि ग्राम पंचायत में मनरेगा के तहत गौशाला निर्माण कराया गया है। इस मद से लगभग 16 लाख का भुगतान कराया गया है। इनका आरोप है कि गौशाला में मानक के अनुरूप सामग्री नहीं लगाई गई। सबसे बड़ी बात यह कि जिस फर्म देवेंद्र मोहन भैया ट्रेडर्स के नाम भुगतान किया गया, उसका अस्तित्व ही नहीं। इस फर्म का मालिक जिस कामता नामके व्यक्ति को बनाया गया है, वह गौशाला में मजदूरी करता था और अब रिक्शा चलाता है। ग्रामीणों ने प्रधान पर आरोप लगाया था कि प्रधान ने अपने रिश्तेदारों के नाम भुगतान करा लिया है।

रानीपुर भट्ट में फर्जी भुगतान का मामला गरमाया

'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार।

उधर, गांव में गौशाला निर्माण में ग्रामीणों के शिकायती पत्र के आधार पर उपायुक्त श्रम रोजगार ने जांच की। 20 अगस्त को जांच के दौरान मौके पर ग्राम पंचायत अधिकारी रोशन सिंह, ग्राम प्रधान, तकनीकी सहायक, अवर अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग और ग्रामीण मौजूद रहे। डीसी मनरेगा डीएन पांडेय ने बताया कि जांच रिपोर्ट प्रशासन को भेज दी गई है। इस पर आगे के निर्देश के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मौके पर नहीं हुआ फर्म का सत्यापन

- डीसी श्रम रोजगार ने बताया कि ग्रामीणों और प्रधान ने बताया कि कामता गोसेवक के रूप में काम करता है। उससे मुलाकात नहीं हुई। वही फर्म का प्रोप्राइटर है। देवेंद्र मोहन भैयाजी ट्रेडर्स फर्म का मौके पर सत्यापन नहीं कराया जा सका। जो भुगतान किया गया वह कामता के खाते में गोसेवक का भुगतान किया गया है। यह दो बार किया गया है। पहली बार 30 हजार रुपये और दूसरी बार 20 हजार रुपये का भुगतान किया गया है। फर्म का भौतिक रूप से न होना और फर्म से जुड़े कामता का भुगतान किया जाना नियम संगत नहीं है।

तो फिर किसके खाते में हुआ भुगतान

- जांच में कामता के खाते में सिर्फ 50 हजार रुपये का भुगतान होने की बात सामने आई। उधर, ग्रामीणों का आरोप है कि भुगतान की गई राशि काफी ज्यादा है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि फर्म के नाम पर की गई भुगतान की बाकी धनराशि किसके खाते में गई। ग्रामीणों ने मांग की कि इस बात की भी जांच की जाए, जिससे मामला साफ हो।

कामता ने जताई थी अनभिज्ञता

- उधर, जब इस संबंध में कामता से बात की गई थी तो उसका कहना था कि वह तो गौशाला में काम करता था। कुछ लोग उसकी पत्नी से उसकी गैरमौजूदगी में उसके कागजात ले गए थे और फिर क्या किया पता नहीं। उसका कहना था कि उसका इस मामले से कोई लेनादेना नहीं। वह तो ठीक से पढ़ भी नहीं पाता।

ज्यादा से ज्यादा वादों का कराएं निस्तारण

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। 13 सितंबर को होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण राकेश कुमार त्रिपाठी ने विभिन्न प्रशासनिक विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक की। प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिन कुमार दीक्षित ने बताया कि जिला जज ने लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों को चिह्नित कर निस्तारण पर जोर दिया।

बैठक में अधिकारियों से अपेक्षा की कि विभागों से संबंधित मामलों, जिनका लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किया जा सके, को चिह्नित कर पक्षकारों को कम से कम दो बार नोटिस तामीला कराएं। बैठक में राममणि पाठक नोडल अधिकारी/विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट, नीलू मैनवाल अपर जिला जज/सहायक नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत मौजूद रहे।

बैठक में निर्देश देते जिला जज राकेश कुमार त्रिपाठी। अमृत विचार

पुलिसकर्मी को सौंपा पुत्री के लिए चेक

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह ने हेड आपरेटर रेडियो शाखा की परिक्षत वर्मा को बीस हजार रुपये का चेक दिया। यह चेक पुलिसकर्मी की पुत्री रीता वर्मा को एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए दिया गया है। हेड आपरेटर ने इस संबंध में पुलिस अधीक्षक को पुलिस शिक्षा निधि के अंतर्गत दी जाने वाली धनराशि के संबंध में आवेदन किया था। रीता मेडिकल कॉलेज कन्नौज में पढ़ाई कर रही है। पुलिस अधीक्षक ने छात्रा के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई : सीओ

संवाददाता, पहाड़ी चित्रकूट

अमृत विचार। क्षेत्राधिकारी राजापुर राजकमल ने अफवाहें फैलाने वालों को कड़ा संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जो भी अफवाह फैलाकर ग्रामीणों में भय पैदा करने की कोशिश करेगा, उसके विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बुधवार देर रात सीओ ने पुलिस फोर्स के साथ राजापुर क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में पैदल गश्त की। सीओ ने बताया कि नांदी चौराहा, लोहदा रोड, नांदी से पहाड़ी रोड, बरेठी रोड व कस्बे में स्थानीय लोगों को जागरूक किया गया। विश्वास दिलाया जा रहा है कि पुलिस उनकी सुरक्षा के प्रति गंभीर है व इस संबंध में निरंतर कार्रवाई कर रही है। अफवाहों से बचें तथा अफवाह फैलाने वाले व्यक्ति के बारे में सूचना दें ताकि कार्रवाई की जा सके। किसी भी दशा में निर्दोष व्यक्ति को नुकसान न पहुंचाया जाए। सीओ राजकमल ने बताया कि ग्राम सुरक्षा समितियों को फिर से सक्रिय किया जा रहा है, जिनकी मदद से ग्रामीण क्षेत्रों में सतत् निगरानी रखी जा सकेगी। कुछ शरारती तत्व अराजक तत्व ऐसे भी हैं जो भोले भाले लोगों को डराकर अपना मतलब सिद्ध कर रहे है। लोगों से अपील करते हुए उन्होंने कहा है कि ऐसे लोगों के प्रति सतर्क रहें तथा पुलिस को सूचना दें, पुलिस कड़ा एक्शन लेगी। सीओ ने सरधुआ थाने के ग्रामीण क्षेत्रों एवं लमियारी गांव में भी गश्त की और अफवाहों के प्रति स्थानीय लोगों को जागरूक किया। लोगों से अपील की कि पुलिस का सहयोग करें, कोई भी अजनबी या संदिग्ध व्यक्ति मिलने पर तुरंत पुलिस को सूचना दें। किसी निर्दोष व्यक्ति के साथ कोई अप्रिय घटना न होने पाए।

देर रात गश्त के दौरान ग्रामीणों से बात करते हुए सीओ राजकमल। अमृत विचार

- **सीओ ने गांव में लोगों से की बात, सुरक्षा का दिया भरोसा**

दरोगा व बीट सिपाही की कराई जाए रात्रि गश्त

- **चित्रकूट।** बुंदेली सेना ने चोरों की अफवाहों, दहशत के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह से क्षेत्र के दरोगा और बीट सिपाही की नियमित रात्रिकालीन गश्त में ड्यूटी लगाने की सलाह दी है। जिलाध्यक्ष अजीत सिंह ने थानाध्यक्षों को रोस्टर बनाकर ग्रामीणों से संवाद कराए जाने का अनुरोध किया है। अजीत ने कहा कि सिपाही और दरोगा रात्रिकालीन गश्त करेंगे तो लोगों को सुरक्षा का एहसास होगा। रात में गश्त और दिन में ग्रामीणों से संवाद होने पर पुलिस की सक्रियता देखकर चौकसी नजर आएगी और असामाजिक तत्व डरेंगे। जिस तरह शहर में पिकेट है उसी तरह चिह्नित गांवों में रोस्टर बनाकर पिकेट व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने इस बात पर संतोष जताया कि पुलिस अधीक्षक ने चोरों की दहशत को दूर करने के लिए प्रभावी कदम उठाए हैं। सुरक्षा समितियां सक्रिय की जा रही हैं। रात दिन कहीं चौपाल, कहीं संवाद, कहीं गश्ती और कहीं पैट्रोलिंग से चौतरफा वर्दी की धमक में चोरों के हौसले पस्त होंगे और जिले भर में फैला डर का माहौल दूर हो जाएगा। साथ ही बुंदेली सेना ने लोगों से कानून हाथ में न लेने और संदिग्ध किसी भी व्यक्ति के पकड़े जाने या देखे जाने पर सूचना पुलिस को देने की अपील की।

दस्यु बबुली कोल गिरोह के लवलेश को 6 साल की कैद

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- **विशेष न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने सुनाया निर्णय**

अमृत विचार। मुठभेड़ के दौरान पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने के मामले में दोष सिद्ध होने पर दस्यु बबुली कोल गिरोह के कैजुअल मेम्बर लवलेश कोल को न्यायालय ने छह वर्ष कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 8,000 अर्थदण्ड से भी दण्डित किया है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी गोपाल दास ने बताया कि वर्ष 2015 में तत्कालीन राजापुर थाना प्रभारी आरबी सिंह मानिकपुर और मारकुण्डी थाने की पुलिस टीम के साथ दस्यु बबुली कोल गिरोह द्वारा कल्याण सुंचरी जंगल के वन कर्मियों के साथ मारपीट किए जाने की सूचना पर घटना स्थल की ओर जा रहे थे। इस दौरान मुखबिर ने बताया कि दस्यु सरगना इनामी बदमाश बबुली कोल अपने साथियों के साथ नागर गांव के ठर्री पहाड़ में मौजूद है। पुलिस टीम ठर्री पहाड़ पहुंची। यहां पर मौजूद दस्यु बबुली कोल के सदस्यों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायरिंग की, किंतु बदमाश जंगल में भाग गये। इस मामले में दस्यु सरगना बबुली कोल समेत कई लोगों का नाम प्रकाश में आये थे। कुछ दिनों बाद बबुली कोल पुलिस मुठभेड़ में मारा गया था, जबकि गिरोह का कैजुअल मेम्बर मानिकपुर थाना क्षेत्र के निही चिरैया गांव का निवासी लवलेश कोल गिरफ्तार कर लिया गया था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद बुधवार को विशेष न्यायाधीश नीरज श्रीवास्तव ने इस मामले में निर्णय सुनाया। जिसमें पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करने का दोष सिद्ध होने पर लवलेश कोल को छह वर्ष कारावास के साथ 8,000 के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।

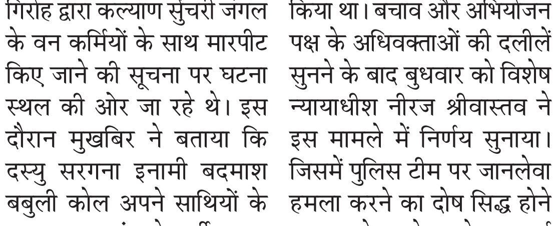
नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं के साथ डीएम, अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि।

जिले में सात मुख्य सेविकाओं को मिली नियुक्ति

चित्रकूट। लोक भवन लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में मुख्य सेविका व महिला कल्याण विभाग में चयनित फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र दिया गया। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट में देखा गया। इसी क्रम में जिले की सात महिलाओं को मुख्य सेविका पद के तहत आईसीडीएस विभाग में नियुक्ति पत्र दिए गए। सीडीओ अमृतपाल कौर ने बताया कि बाल विकास विभाग में कर्मिकों की संख्या कम होने के कारण योजनाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन नहीं हो पा रहा था। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन ने नवनियुक्त मुख्य सेविकाओं को शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, भाजपा जिलाध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, कोआपरेटिव बैंक जिलाध्यक्ष पंकज अग्रवाल आदि मौजूद रहे। बीएल गुप्ता ने आभार व्यक्त किया।

कार्यालय ग्राम पंचायत–कमलखेड़ा, विकास खण्ड चरखारी महोबा

पत्रांक, मेमो पंचम वित आयोग / पन्द्रहवां वित्त आयोग / निविदा/2025–26 दिनांक–27/08/2025

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

पन्द्रहवां वित्त आयोग / पंचम राज्य वित्त आयोग 2025–26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत कमलखेड़ा स्वीकृति कार्य योजना वर्ष 2025–26 निम्नलिखित कार्य हेतु सामग्री संदर्भित कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किये जाते है। दिनांक–28/08/2025 से 02/09/2025 को समय 3:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन मे निविदा पेटी मे डाली जाएगी. उसी दिन 4:00 बजे समिति के समछ खोले जायेगे।

क्र0 सं0	कार्य एवं कार्य स्थल का नाम	सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू में)	धरोहर धनराशि	सामग्री आपूर्ति किये जाने की कुल समयावधि
1	ग्राम पंचायत में कमलखेड़ा (शिवहार) में आदेश के घर से अशोक के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य।	सीमेंट, फ़ाईनसैंड, कोर्ससैंड, 20एम0एम0,40एम0एम0 ,150–ब्रिक्स, स्टोनडस्ट, जिगजै़ग इंटरलॉक आदि।	3.03	5134.00	30 दिन

नियम / शर्तेः–

1– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार का आयकर एवं व्यापार कर विभाग में अनिवार्य रूप से पंजीकृत होना चाहिये जिसकी प्रति निविदा के साथ संलग्न की जायेगी।

2– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार द्वारा उपरोक्त धरोहर राशि एनएससी / केपीवी/डाकघर पासबुक / टीडीआर ग्राम पंचायत के पक्ष में बंधक कराकर निविदा के साथ संलग्न करनी होगी।

3– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार को कार्यस्थल पर सामग्री की पहुंचता दरें निविदा प्रपत्र पर अंकित करनी होगी।

4– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार को निर्धारित अवधि में कार्य स्थल पर सामग्री की आपूर्ति करनी होगी अन्यथा धरोहर राशि जपत करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

5– निविदाओं को बिना कारण बतायें निरस्त करने अथवा स्वीकार करने का अधकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार समिति का होगा।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
कमलखेड़ा (चरखारी)

कार्यालय ग्राम पंचायत–पाठा, विकास खण्ड चरखारी महोबा

पत्रांक, मेमो पंचम / पन्द्रहवां वित्त / निविदा/2025–26 दिनांक–27/08/2025

सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

पंचम / पंद्रहवां वित्त आयोग 2025–26 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत पाठा स्वीकृति कार्य योजना वर्ष 2025–26 निम्नलिखित कार्य हेतु सामग्री संदर्भित कार्य स्थल पर आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित किये जाते है. दिनाक–28/08/2025 से 02/09/2025 को समय 12:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के पंचायत भवन मे निविदा पेटी मे डाली जाएगी. उसी दिन 4:00 बजे समति के समछ खोले जायेगे।

क्र0 सं0	कार्य एवं कार्य स्थल का नाम	सामग्री का विवरण	अनुमानित लागत (लाख रू में)	धरोहर धनराशि	सामग्री आपूर्ति किये जाने की कुल समयावधि
1	ग्राम पंचायत पाठा में अमरचन्द्र के मकान से हरिदास के मकान तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	सीमेंट, फाइन सैंड, कोर्स सैंड, 40 एम0एम0जी0एस0बी0. 20 एम0एम0. जी0एस0वी0 एम0 150 ब्रिक, रेड मोरम, सोइल बैक फिलिंग इत्यादि।	3.56	6771.00	30 दिन
2	ग्राम पंचायत पाठा में मातादीन कुशवाहा के मकान से कैलाश के मकान तक सी0सी0 रोड एवं नाली निर्माण कार्य।	सीमेंट, फाइन सैंड, कोर्स सैंड, 40एम0एम0जी0एस0वी0. 20 एम0एम0. जी0एस0वी0. एमं0 150 ब्रिक, रेड मोरम, इत्यादि।	2.05	4130.00	30 दिन

नियम / शर्तेः–

1– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार का आयकर एवं व्यापार कर विभाग में अनिवार्य रूप से पंजीकृत होना चाहिये जिसकी प्रति निविदा के साथ संलग्न की जायेगी।

2– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार द्वारा उपरोक्त धरोहर राशि एनएससी / केपीवी / डाकघर पासबुक / टीडीआर ग्राम पंचायत के पक्ष में बंधक कराकर निविदा के साथ संलग्न करनी होगी।

3– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार को कार्यस्थल पर सामग्री की पहुंचता दरें निविदा प्रपत्र पर अंकित करनी होगी।

4– आपूर्तिकर्ता/ठेकेदार को निर्धारित अवधि में कार्य स्थल पर सामग्री की आपूर्ति करनी होगी अन्यथा धरोहर राशि जपत करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

5– निविदाओं को बिना कारण बतायें निरस्त करने अथवा स्वीकार करने का अधकार ग्राम पंचायत में निहित होगा। स्वीकार अथवा निरस्त करने का अधिकार समिति का होगा।

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
पाठा (चरखारी)

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु अमृत विचार कार्यालय में सम्पर्क करें

NOTICE
I Radhika Wife of Harbali yadav R/o Baghura Enampur Phariha Azamgarh UP Inform that my name Radhika Devi Wrongly Recorded in my son,s Service Record. My Correct name is Radhika.

NOTICE
I Kanaka Mondal Wife of Shyamal Mondal R/o Hossain pur Roshana West Bengal Inform that my name Konaka Mondal Wrongly Recorded in my son,s Service Record. My Correct name is Kanaka Mondal.

NOTICE
I Harbali yadav Son of Ramdhari yadav R/o Baghura Enampur Phariha Azamgarh UP Inform that my name Harballi yadav Wrongly Recorded in my son,s Service Record. My Correct name is Harbali yadav.

सूचना
मेरा बजाज एलियांज लाइफ इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड पालिसी नं. – 0140185457 में मेरा नाम पूनम गुप्ता दर्ज है। जबकि अन्य सभी अभिलेखों में लक्ष्मी देवी अंकित है। दोनों नाम मेरे ही हैं। अब मुझे लक्ष्मी देवी पत्नी महेंद्र कुमार गुप्ता के नाम से जाना व पहचाना जाये। लक्ष्मी देवी पत्नी महेंद्र कुमार गुप्ता,निवासी – नैठी पचवा अदालहत मिर्जापुर (उ.प्र.) 231302

सूचना
मै अनूप कनौजिया, निवासी बंगाली टोला, तेलीबाग, दिलकुशा, लखनऊ, उत्तर प्रदेश–226002 का निवासी हूं। मेरी पुत्री का नाम कुछ दस्तावेजों में जाग्रति गलत लिखा है। सही नाम जागृति कनौजिया है। भविष्य में उसे जागृति कनौजिया के नाम से ही जाना और पहचाना जाय।

सूचना
सूचित हो कि मेरे पुत्र का नाम दीपांशु पाल है जबकि उसके आधार कार्ड संख्या 849596595980 में त्रुटिवश पुत्र का नाम दीपू अंकित हो गया जो कि गलत है। अतः उसे दीपांशु पाल के नाम से ही जाना व पहचाना जाए। **–प्रमोद पाल पुत्र मौजीराम निवासी ग्राम फतेहपुर पो. उमर्दा परगना व तहसील तिर्वा, जनपद –कन्नौज**

सूचना
मैंने अपने पुत्र विजय व पुत्रवधु सोनी के कुकृत्यों के चलते उनसे संबंध विच्छेद कर उन्हें अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। अब उनके द्वारा किए गए किसी भी कार्य अथवा लेनदेन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता न होगा। **–मौजीलाल पुत्र सुखलाल, निवासी ग्राम– मटुकरी, थाना–बेहटा मुजावर, तहसील–बांगरमऊ, जिला उन्नाव।**

सूचना
मैंने अपना नाम HAIDARUN NISHA से बदल कर HAIDARI BEGAM रख लिया है अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। W/O- JUBER AHAMAD R/O:- 222, MAHARAJGANG TARAI TULSIPUR BALRAMPUR - 271205

सूचना
मैं **गायत्री देवी पत्नी घनश्याम निवासी पूरे अलावल अमारी बस्ती अमारी बाजार उत्तर प्रदेश 272155** की निवासी हूँ मेरे पास दो बैनामा पेपर है, जिसमे मेरे दो बैनामे में दो नाम अंकित है एक बैनामा पेपर में. मेरा नाम गायत्री देवी है। और दूसरे बैनामे पेपर में मेरा नाम जावित्री देवी है। ये दोनो नाम गायत्री देवी और जावित्री देवी दोनो नाम मेरा ही है। इस बात की पुष्टी मै सब के साथ करना चाहती है।

सूचना
सूचित हो कि मैं **बालेश्वर सिंह पुत्र स्व0 राम चन्द्र सिंह निवासी मंगलमूर्ति पुरम, हंसखेडा पारा जिला लखनऊ पिन कोड 226011 उ0प्र0**, मेरे पुत्र युवराज सिंह YUVRAJ SINGH ने हाई स्कूल की परीक्षा 2018 में उत्तीर्ण की थी जिसका ROLL NO 5130627 है। मेरे पुत्र का हाई स्कूल प्रमाण पत्र वास्तव में कही खो गया है काफी खोजने का प्रयास किया परन्तु नहीं मिल सका।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम HENA KAUSAR W/O TARIQ EHTASHAM था। जो कि दिनांक 20/07/2025 को मैने अपना नाम बदलकर HENA KAUSER W/O TARIQ EHTASHAM रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए। निवासी भिनगा रोड दरगाह शरीफ थाना दरगाह शरीफ जनपद बहराइच।

सूचना
सूचित हो कि मेरा नाम मो कलीम पुत्र नंहे निवासी सेमरा पो. मोहम्मदपुर थाना कटरा बाजार गोंडा है। मेरे पासपोर्ट में त्रुटिवश नाम कलीम दर्ज है। दोनों नाम मेरे ही हैं। मेरे वास्तविक नाम मो कलीम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना
सूचित हो कि मैं **रजनी मौर्या पत्नी स्व0 अवधेश कुमार मौर्या, निवासिनी–531 हिन्द नगर, कानपुर रोड, एल0डी0ए0 कालोनी, लखनऊ–226012**, मेरा पुत्र अखिलेश मौर्या पुत्र स्व0 अवधेश कुमार मौर्या को अनैतिक चाल–चलन की वजह से अपने समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ। आज से मेरी समस्त चल व अचल सम्पत्ति में मेरे पुत्र का वास्ता एवं सरोकार नहीं रहेगा और उसका कोई भी अधिकार मेरी समस्त चल व अचल सम्पत्ति में नहीं होगा।

सूचना
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के पुत्र के सभी शैक्षणिक अभिलेखों, आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र एवं अन्य सभी आवश्यक दस्तावेजों में उसका नाम नागेश द्विवेदी अंकित है जबकि मेरे पुत्र को लोग रूद्र द्विवेदी के नाम से जानते पहचानते हैं, अतः भविष्य में मेरे पुत्र को रूद्र द्विवेदी के नाम से ही जाना व पहचाना जाय। **प्रार्थी – दिवाकर द्विवेदी, पुत्र श्री रामचंद्र द्विवेदी, पता– वार्ड नं0 9, हनुमानगढ़ी, मुसाफिरखाना, अमेठी, उत्तर प्रदेश–227813**

NOTICE
I, Mayadevi W/o-Janki Prasad, R/o-Mohalla Allauddin Pur , Makranad nagar Kannauj UP 209726 UID (5122 1579 2345).This is to inform to the public at large that my Son Ram Jee S/o Janki Prasad UID- (7582 0682 6468) R/o- Mohalla Allauddin Pur, Makranad nagar Kannauj UP. has severed all his family relations from my son namely Ram Jee disowned and debarred him from my all moveable and immoveable properties due to his, disrespectful behavior.

सूचना
मैं, **मायादेवी पत्नी–जानकी प्रसाद, निवासी मोहल्ला अलाउद्दीन पुर, मकरंद नगर कन्नौज यूपी 209726 यूआईडी (5122 1579 2345)।** सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र राम जी पुत्र जानकी प्रसाद यूआईडी–(7582 0682 6468) निवासी मोहल्ला अलाउद्दीनपुर, मकरंद नगर कन्नौज यूपी ने मेरे पुत्र राम जी से अपने सभी पारिवारिक संबंध समाप्त कर लिए हैं और उसके अपमानजनक व्यवहार के कारण उसे मेरी सभी चल और अचल संपत्तियों से वंचित कर दिया है।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा यूपी बोर्ड हाईस्कूल वर्ष–2022 अनुक्रमांक–1221634899 का अंकपत्र व प्रमाण पत्र वास्तव में कहीं खो गया हैं। **नाम– प्रियांशू मिश्रा पुत्र प्रमोद आर मिश्रा ग्राम–कटसारी खेमी का पुरवा, जनपद–सुलतानपुर।**

सूचना
सूचित हो कि मैं **रईस अहमद पुत्र स्व0 कल्लू, निवासी 21/3/26, लोकमान्य तिलक मार्ग, डालीबाग, थाना–हजरतगंज, लखनऊ,** मैने अपने पुत्र रिजवान अहमद का चाल–चलन ठीक न होने तथा अपनी मर्जी से शादी करने के कारण अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब मेरे पुत्र द्वारा किये गये किसी भी कार्य का वह स्वंय ज़िम्मेदार होगा। उससे मेरा व मेरे परिवार से रिजवान अहमद के किये गये किसी भी कार्य से कोई वास्ता व सरोकार न होगा।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र मनोज कुमार के गलत हरकतों से तंग आकर अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उनके द्वारा किए गए कृत्यों से मेरा और मेरे परिवार के किसी सदस्य से कोई सरोकार नहीं होगा। **पार्वती पत्नी रामेश्वर निवासी ग्राम दरबानीहार मजरे सराय दिलावर परगना व तहसील डलमऊ, जिला रायबरेली**

सूचना
सूचित हो कि मै **महेन्द्र नाथ भार्गव पुत्र स्व0 के0एन0 भार्गव निवासी म0नं0 878 सत्यम बिहार कल्यानपुर, कानपुर नगर व वर्तमान निवासी फ्लैट नं0–703 डायमण्ड टावर एन0आर0आई0 सिटी मैनावती मार्ग कानपुर नगर। मो0नं0– 9839487708,** मेरा पुत्र अभय भार्गव व उसकी पत्नी श्रीमती गीत शिखा जो कि आये दिन मेरे व मेरे परिवार के साथ गाली गलौज करते है एवं परेशान करते है। जिसके चलते मैं अपने पुत्र एवं पुत्रवधू के कृत्यों व अमर्यादित व्यवहार के चलते हर प्रकार के सम्बंध विच्छेद कर चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। अब मेरा व मेरे परिवार का उक्त लोगों के कृत्यों से कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं है इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के जिम्मेदार उपरोक्त लोग स्वयं होगे, मैं व अन्य परिवार किसी भी तरह से जिम्मेदार न होगे।

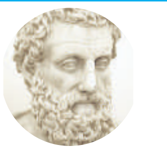

बहुत कम लोगों के स्वभाव में होता है कि वे बिना ईर्ष्या के किसी समृद्ध मित्र का सम्मान करें।
-एशिलस, यूनानी नाटककार

आपदा के पहाड़ का टूटना

वैष्णो देवी धाम की आपदा अत्यंत दर्दनाक है। मृतकों की संख्या 31 तक पहुंच चुकी है और इसके और बढ़ने की आशंका है। इस भीषण भूस्खलन से पूर्व जम्मू में 24 घंटे के भीतर उतनी वर्षा हुई, जो पिछले 99 वर्षों में सर्वाधिक दर्ज की गई। तराना, ऊझ, तवी और चिना नदियों में आई भयंकर बाढ़ से तबाही का आलम है। यह सर्वविदित है और हर बार दोहराई जाने वाली कहानी भी कि मानसून आते ही विशेषकर मध्य जुलाई से सितंबर तक जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश जैसे हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन, बादल फटना और पहाड़ी नदियों में फ्लैश फ्लड जैसी प्राकृतिक आपदाएं आम हो जाती हैं। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजास्टर रिस्क रिडक्शन का निष्कर्ष है कि इन घटनाओं की आवृत्ति और उनकी विनाशक क्षमता हर वर्ष बढ़ रही है।

पिछले पखवाड़े भर में ही एक से एक भीषण दुर्घटनाएं घटी हैं, परंतु सामान्यतः केवल वे घटनाएं ही सुर्खियों में आती हैं, जिनमें जान-माल का अत्यधिक नुकसान हो, जैसे- धराली या जम्मू की हफ्ते भर पहले घटी विनाशकारी आपदाएं, अन्यथा इनकी सूचना प्रायः समाचार परिदृश्य से बाहर ही रह जाती है। प्रश्न यह उठता है कि क्या भूस्खलन, बादल फटना और फ्लैश फ्लड जैसी प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं है? क्या कुदरत के इस कहर के आगे सब बेबस हैं और इसलिए हम साल-दर-साल इन्हें केवल होते हुए देखते रहने और राहत बांटने तक ही सीमित रहते हैं और आगे भी इसी स्थिति में बने रहेंगे?

सच यह है कि विज्ञान और नवीनतम तकनीक के पास कुदरत के ऐसे कहर को पूरी तरह रोकने या उनका बहुत पहले ही अनुमान लगाने, घोषणा करने की शक्ति भले न हो, पर इस ओर संकेत कर इसके नुकसान को न्यून करने और भविष्य सुरक्षित करने के कारगर उपाय अवश्य हैं।

नमी, ताप और वर्षा के समीकरणों का परस्पर संबंध हम पहले ही पहचान चुके हैं। हमारे पास उन्नत मौसम विज्ञान, विज्ञानी, उपग्रह मौजूद हैं। ऐसे में पैटर्न और संवेदनशील इलाकों का विश्लेषण कर उन्हें पहले से चिह्नित करना कठिन नहीं है। यदि आशंकित स्थानों को पहचानकर वहां पहले से सतर्कता बरती जाए और लोगों को सचेत किया जाए, तो आपदा से पूर्व और पश्चात होने वाले नुकसान को न्यूनतम किया जा सकता है।

बारिश और उसके बाद भूस्खलन को पूरी तरह रोकना निःसंदेह कठिन है, परंतु रडार प्रणाली, सूचना-संचार प्रौद्योगिकी, उपग्रह, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेंसर, सेटेलाइट इमेजिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग जैसी तकनीकों से इन स्थितियों का आंशिक पूर्वानुमान लगाकर लोगों को सचेत तो कर ही सकते हैं और इसके अनुरूप व्यवस्था को भी चुस्त-दुरुस्त बनाया जा सकता है, जिससे तबाही कम की जा सके।

हालांकि केवल तकनीक पर्याप्त नहीं होगी, जब तक सरकारें इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठातीं। क्रियान्वयन, चेतावनी प्रणाली को सुदृढ़ करना, राहत तंत्र को प्रभावी बनाना और पहाड़ों पर अनियंत्रित निर्माण और पर्यावरण विनाश पर रोक लगाने की नीति अपनाना अनिवार्य है। यदि सरकारें इस सच्चाई को स्वीकार कर तकनीक को जमीन पर उतारें, तो निःसंदेह यह आपदा-निवारण में एक मजबूत ढाल साबित होगी।

प्रसंगवश

जलवायु परिवर्तन में असहाय खड़ा मानव

जलवायु परिवर्तन ऐसी समस्या है, जिससे पूरी दुनिया प्रभावित है। भारत जैसे देश में इसका असर और भी ज्यादा दिखाई दे रहा है। सरल शब्दों में कहें तो पृथ्वी का मौसम बदल रहा है और मानव असहाय है। पहले मौसम की भविष्यवाणी आसान थी, अब यह अप्रत्याशित हो गई है। अचानक तेज बारिश से बाढ़ आ जाती है, तो कभी सूखा पड़ जाता है। यह सब इंसानी गतिविधियों की वजह से हो रहा है। प्रदूषण और जंगलों की कटाई ने ग्रीन हाउस गैसों को बढ़ा दिया है। इससे पृथ्वी गर्म हो रही है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट बताती है कि पिछले वर्षों में वैश्विक तापमान में 1.5 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। यह 2100 तक तीन डिग्री तक बढ़ सकता है।

सतेंद्र
लेखक

यह एक दम साफ है कि जलवायु परिवर्तन का कारण इंसान है। हम कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधन जलाते हैं, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसें निकलती हैं। भारत में बिजली बनाने के लिए अभी भी 75 प्रतिशत कोयले पर निर्भरता है, जो प्रदूषण का बड़ा स्रोत है। जंगलों की कटाई भी एक बड़ा कारण है। जंगल कार्बन को सोखते हैं, लेकिन जब हम उन्हें काटते हैं तो ये गैसें और बढ़ जाती हैं। पिछले कुछ सालों में जंगली आग ने और नुकसान पहुंचाया है, जिससे कार्बन सोखने की क्षमता तकरीबन 25 प्रतिशत कम हो गई है। विश्व मौसम संगठन कहता है कि 2024 अब तक का सबसे गर्म साल था और 2025 में यह सिलसिला जारी है।

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव साफ दिख रहे हैं। भारत में बादल फटने और बाढ़ से सैकड़ों जानें इस साल जा चुकी हैं। यूरोप में गर्मी से हजारों लोगों की मौत हुई। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि गर्मी से 3.6 अरब लोग प्रभावित हो सकते हैं। खाने की सुरक्षा भी खतरे में है, क्योंकि सूखा और बाढ़ फसलों को बर्बाद कर रही हैं। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट कहती है कि 2025 में संघर्ष, आर्थिक समस्याएं और मौसम की मार से करोड़ों लोग भुखमरी की कगार पर हैं। जैव विविधता भी कम हो रही है। 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं। आर्थिक नुकसान भी बढ़ा है। विश्व बैंक कहता है कि 2030 तक वैश्विक जीडीपी में 2.7 ट्रिलियन डॉलर की कमी आ सकती है।

भारत की जीडीपी का एक तिहाई हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है और साल 2100 तक 10 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है। भारत में जलवायु परिवर्तन का असर सबसे ज्यादा है। 2025 में जनवरी सबसे गर्म महीना रहा। तापमान 1.5 डिग्री ऊपर पहुंचा। दिल्ली में जून में 43 डिग्री, कोलकाता में 39 डिग्री तापमान ने लोगों को परेशान किया। पानी की कमी बड़ी समस्या है। पश्चिम बंगाल में 40 प्रतिशत कुएं सूख गए। असम में 30 प्रतिशत, कोलकाता में भूजल 15 प्रतिशत नीचे गिरा। 54 प्रतिशत भारत जल संकट में है।

इन समस्याओं से निपटने के लिए दुनिया भर में प्रयास हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर 2025 में ब्राजील में सीओपी-30 सम्मेलन होने वाला है, जहां उत्सर्जन कम करने पर बात होगी। भारत ने 2030 तक 50 प्रतिशत स्वच्छ ऊर्जा का लक्ष्य रखा है और 2070 तक नेट जीरो का वादा किया है। समाधान के रूप में, जंगलों की रक्षा करें, वर्षा जल संचयन बढ़ाएं, शहरों में हरे क्षेत्र बनाएं। किसानों के लिए गर्मी सहने वाली फसलें विकसित करें। शिक्षा में जलवायु परिवर्तन को शामिल करें। सरकार, लोग और कंपनियां मिलकर काम करें। जलवायु परिवर्तन हमारी जिम्मेदारी है। अगर हम अब नहीं चेते, तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी।

क्या फूटने वाला है AI का बुलबुला!

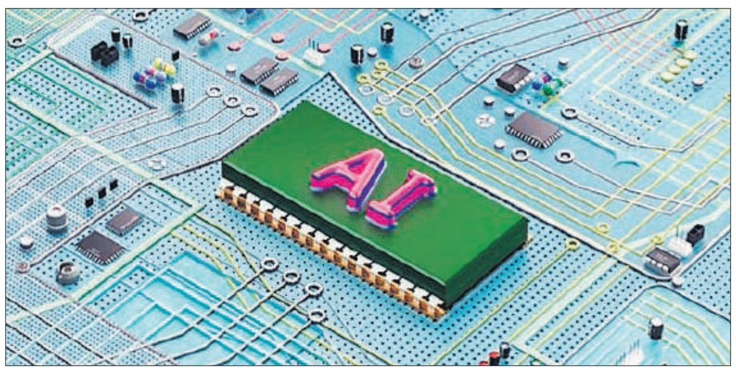

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, जीएलए यूनिवर्सिटी, मथुरा

एमआईटी की हाल में आई रिपोर्ट ने AI पर बड़ा खुलासा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक AI के 95 फीसदी पायलट प्रोजेक्ट नाकाम साबित हुए हैं।

जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी जेनएआई आज हर तरफ चर्चा का विषय है। यह तकनीक जीवन और कामकाज के हर पहलू पर दस्तक दे रही है। दफ्तरों में, अखबारों में, स्कूल-कॉलेजों में इसकी बातें हो रही हैं। कोई इसे भविष्य का सबसे बड़ा वरदान मान रहा है तो कोई इसे नौकरी निगलने वाला राक्षस कह रहा है, लेकिन हाल ही में विश्वविख्यात संस्थान मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) की एक रिपोर्ट ने इस शोर-शराबे के पीछे छुपी एक सच्चाई को उजागर किया है। एमआईटी के हालिया विश्लेषण के सार के अनुसार तकनीक को अपनाने की गति तेज है, लेकिन उद्यम-स्तर पर मापन योग्य आर्थिक लाभ फिलहाल सीमित दिखाई देते हैं, कई पायलट प्रोजेक्ट उत्पादन-स्तर तक नहीं पहुंच रहे। लगभग पांच प्रतिशत ही ने वास्तविक राजस्व या ठोस लाभ दिया।

यह तस्वीर जितनी आश्चर्यजनक है, उतनी ही शिक्षाप्रद भी। यह केवल एक तकनीकी असफलता नहीं है, बल्कि नेतृत्व, रणनीति और सामाजिक तैयारी की असफलता का आईना है। कंपनियों ने एआई को एक साधन की तरह नहीं, बल्कि लक्ष्य की तरह देखा। बिना यह समझे कि कौन-सी समस्या हल करनी है, उन्होंने एआई का झंडा उठा लिया।

नतीजा यह हुआ कि पायलट प्रोजेक्ट आकर्षक डेमो तक सीमित रहे और जैसे ही उन्हें वास्तविक कामकाज में उतारा गया, वे बिखर गए। आज चैटजीपीटी, पर्प्लेक्सिटी, जेमिनी, डीपसीक जैसे तमाम साधन हर किसी की जेब तक पहुंच चुके हैं। लोग आवश्यकतानुसार इनका प्रयोग कर अपने छोटे-छोटे काम निपटा रहे हैं। ईमेल लिखना हो, किसी प्रस्ताव का प्रारूप बनाना हो, या भाषण की शुरुआत चाहिए हो, एआई मददगार साबित हो रहा है।

जब वही कंपनी औपचारिक तौर पर इसे अपनाती है, तब मुश्किलें सामने आ जाती हैं। एआई से जब किसी महत्वपूर्ण प्रक्रिया को संभालने के लिए कहा जाता है तो अकसर यह अस्थिर हो जाता है। एआई की बुद्धिमत्ता उतनी ही है, जितना उसका प्रशिक्षण। अधूरा, पक्षपाती या गलत डेटा किसी भी मॉडल को गुमराह कर देता है। कई बार यह ऐसे तथ्य गढ़ देता है, जो अस्तित्व में ही नहीं होते। इसी कारण हम बार-बार 'एआई हैलुसिनेशन' जैसी स्थिति देखते हैं, एक ऐसी स्थिति जब चैटबॉट आत्मविश्वास से भरा हुआ उत्तर देता है, लेकिन तथ्य पूरी तरह गलत निकलते हैं।

उदाहरण के लिए किसी समाचार घटना को गढ़ देना। किसी रिसर्च के ऐसे रेफ्रंस बना देना, जो अस्तित्व में ही नहीं है। किसी रोग के इलाज के बारे में झूठ बोलना या वित्तीय आंकड़े तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत करना। ये सब उसी की उपज हैं। मशीन का लहजा इतना सधा हुआ और आत्मविश्वास से भरा होता है कि झूठ भी सच लगने लगता है। आम नागरिक इसे बिना परखे मान लेते हैं और ऐसे मामलों में यह जोखिम केवल हास्यास्पद नहीं बल्कि खतरनाक हो सकता है।

यही कारण है कि साधारण बातचीत या प्रारूप तैयार करने जैसे कामों में एआई उपयोगी है, मगर जटिल, संवेदनशील या दीर्घकालिक कार्यों में लोग अब भी इंसानों को प्राथमिकता देते हैं। रिपोर्ट में साफ दिखा कि जटिल प्रोजेक्ट्स के लिए उपयोगकर्ता अधिकांशतः इंसान को चुनते हैं। यह बताता है कि तकनीक पर भरोसा अभी अधूरा है। इस बीच एक और दिलचस्प प्रवृत्ति सामने आई है, जिसे रिपोर्ट ने 'शैडो एआई' कहा गया है। कर्मचारी निजी स्तर पर एआई का इस्तेमाल तो कर रहे हैं, लेकिन संस्थागत ढांचे में यह दर्ज ही नहीं है। इससे एक ओर तो उपयोगिता का संकेत मिलता है, दूसरी ओर सुरक्षा का संकट खड़ा होता है। मान लीजिए कोई कर्मचारी गोपनीय अनुबंध की कॉपी चैटजीपीटी में डाल देता है और उससे सारांश बनाने को कहता है। तब यह जानकारी उस एआई कंपनी के सर्वर पर चली जाती है, जहां से उसका दुरुपयोग संभव है। संगठनों को इस 'शैडो' उपयोग को रोकने के बजाय औपचारिक ढांचे में लाना चाहिए, ताकि कर्मचारी सुरक्षित ढंग से और नियंत्रित टूल्स से अपने काम आसान बना सकें।

यहां पर एक और भ्रांति का अंत करना जरूरी है। कई लोग मानते हैं कि एआई को अपनाने में सबसे बड़ी बाधा डेटा की गुणवत्ता या कानूनी पेच है, जबकि सच्चाई यह है कि मौजूदा एआई टूल्स की आंतरिक संरचना ही सीखने और स्मृति की क्षमता से वंचित है। यही वजह है कि वे बार-बार एक ही गलती दोहराते हैं। जब तक एआई सिस्टम्स को इस तरह से विकसित नहीं किया जाएगा कि वे अनुभव से सीखें, तब तक वे मानव-स्तरीय भरोसेमंद सहायक नहीं बन पाएंगे, इसीलिए भविष्य का रास्ता 'एजेंटिक एआई' से होकर जाता है, जिसमें स्मृति हो, संदर्भ को पकड़ने की क्षमता हो और समय के साथ सुधरने की प्रवृत्ति हो।

भारत के लिए सवाल और भी बड़े हैं। सरकार ने एआई को शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र में लागू करने की महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई हैं, लेकिन हमारे यहां डेटा बिखरा हुआ और अव्यवस्थित है। यदि इसे सुधारे बिना एआई का प्रयोग होगा तो यह उल्टा नुकसान करेगा। भारतीय आईटी कंपनियों के सामने भी यही चुनौती है। वे केवल डेमो तक सीमित न रहें, बल्कि ग्राहकों को वास्तविक, टिकाऊ समाधान दें। अंततः यह साफ है कि एआई का शोर जितना बड़ा है, वास्तविक प्रभाव अभी उतना गहरा नहीं हुआ है।

आमने सामने

लालू प्रसाद की धरती अपनी आंखों में आग लेकर मेरा स्वागत कर रही है, इसकी मिट्टी पर हर चुराए गए वोट का बोझ है। मैं उस 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुआ, जो लोगों के दर्द को ताकत में बदल देती है।
-एमके स्टालिन
मुख्यमंत्री, तमिलनाडु

मैं मुख्यमंत्री एमके स्टालिन को चुनौती देता हूं। आपके रिश्तेदार और द्रमुक सांसद दयानिधि मारन ने कहा था कि बिहारी तमिलनाडु में टॉयलेट साफ करते हैं, क्या आप वहां यह बात कह सकते हैं?
-नारायण तिरुपति
तमिलनाडु के भाजपा प्रवक्ता

उड़ानों का शोर और सुरक्षा की खामोशी

जय प्रकाश पांडेय
मैनेजर, ओएनजीसी देहरादून

परिवहन, पर्यटन और संस्कृति की संसदीय स्थायी समिति ने डीजीसीए में रिक्त पद और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों की कमी को गंभीर जोखिम बताया है।

भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता शायद यही है कि यह अपने भीतर गहरी विसंगतियों को भी सहजता से आत्मसात कर लेता है। एक ओर हम अंतरिक्ष में उपग्रह भेजने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भागीदारी का दावा करते हैं और दूसरी ओर परिवहन, पर्यटन और संस्कृति की संसदीय स्थायी समिति यह बताती है कि हमारे पास अपने ही आकाश की निगरानी के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं। डीजीसीए में रिक्त पद और एयर ट्रैफिक कंट्रोलरों की कमी को समिति ने एक गंभीर जोखिम बताया है, लेकिन इस गंभीरता का प्रभाव हमारे सार्वजनिक जीवन पर वैसा ही रहा जैसा अन्य सैकड़ों चेतावनियों का होता है, कुछ सुर्खियां, कुछ राजनीतिक बयान और फिर हर तरफ एक मौन।

यह मौन ही असली व्यंग्य है। देश उस खामोशी में उड़ रहा है, जहां विमानों से ज्यादा शोर है और उन्हें देखने वाले कम। हवाई यातायात की सुरक्षा कोई कविता नहीं है, यह गणित है। हर सेकंड, हर हजार फीट, हर डिग्री का सटीक हिसाब यहां जरूरी है। एक मामूली सी त्रुटि भी सैकड़ों जिंदगियों को संकट में डाल सकती है।

विकसित देशों ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को उस अदृश्य संचालक में बदल दिया है, जो आकाश के अराजक शोर को भी अनुशासित संगीत में बदल देता है, लेकिन भारत में यह अनुशासन अपूर्ण और लचर नजर आता है, जहां पांच सौ लोगों की आवश्यकता है, वहां दो सौ ही उपलब्ध हैं। यह वैसा ही है जैसे विशाल मंच पर सैकड़ों वाद्ययंत्र एक साथ बज रहे हों और संचालक के पास केवल आधे संकेत हों। संगीत कब शोर में बदल जाएगा, कोई नहीं जानता।

संसद की समिति ने चेतावनी दी। रिपोर्ट रखी गई। गंभीर स्वर में बयान हुए और फिर सब सामान्य हो गया। यही हमारे लोकतंत्र की विडंबना है, यह अपनी ही चेतावनियों से चौंकता नहीं। रिपोर्टें यहां भविष्य की दुर्घटनाओं की प्रतीक्षा-पत्रिका बन जाती हैं, जब तक कोई हादसा न हो, तब तक किसी चेतावनी को गंभीरता से लेना हमारे स्वभाव में शामिल नहीं है। तकनीक की कमी नहीं है, राडार हैं, उपकरण हैं, नियम भी हैं, लेकिन अनुपस्थित है तो वो है प्रशिक्षित मानव संसाधन और प्राथमिकताएं।

नई एयरलाइंस को अनुमति मिल रही है, नए रूट खुल रहे हैं, टर्मिनल चमक रहे हैं, पर उन रूटों की सुरक्षा देखने वाले लोगों की भर्ती वर्षों से रुकी हुई है। यह वैसा ही है, जैसे किसी शहर में नई सड़कें तो लगातार बनती जाएं, लेकिन ट्रैफिक सिग्नल लगाने वाला विभाग गहरी नींद में सोता रहे। यह रिक्त कंट्रोल टॉवर केवल विमानन की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन का प्रतीक है।

चमकदार रनवे और भव्य टर्मिनल दिखाकर हमने आधुनिकता का भ्रम रचा है, लेकिन सबसे मूलभूत आवश्यकता अनुशासन और सुरक्षा को हाशिये पर रखा है। कभी-कभी भारत का विकास मॉडल दिखने में आधुनिक और भीतर से खोखला, ऐसे विरोधाभासों से भरा हुआ नजर आता है।

हमारी परंपरा रही है कि प्रत्येक संकट पहले समिति की रिपोर्ट के रूप में आता है और फिर दुर्घटना के रूप में। रिपोर्टें आंकड़ों का संकलन होती हैं, दुर्घटनाएं आंकड़ों का शोकगीत और दुखद यह है कि दोनों के बीच कोई ठोस कार्रवाई की परंपरा नहीं है।

विमानन सुरक्षा पर संसदीय समिति की चेतावनी को केवल तकनीकी मामला नहीं माना जाना चाहिए, यह देश की शासन-प्रणाली का आईना है। हम चमकते टर्मिनलों और विज्ञापनों से प्रभावित होते हैं, लेकिन यह भूल जाते हैं कि विमानन का वास्तविक आधार वे अदृश्य लोग हैं, जो कंट्रोल टॉवर में बैठकर हर सेकंड को गिनते हैं। आज उन टॉवरों में कमी है और यही हमारी असली चिंता होनी चाहिए, क्योंकि यदि आकाश में अनुशासन टूटता है तो वह केवल एक दुर्घटना नहीं होगी, बल्कि यह प्रमाण होगा कि हमने आधुनिकता के नाम पर केवल सजावट खरीदी, सुरक्षा नहीं।

जब डीजीसीए में स्वीकृत 1063 पदों में से केवल 553 पर ही लोग हों, जब गिने-चुने नियंत्रक अपनी सीमा से परे काम करने को बाध्य हों और जब समाधान महज 190 नई नियुक्तियों तक सीमित हो, तो संसद की समिति का 'अस्तित्वगत संकट' कहना किसी उपमा का नहीं, एक सख्त हकीकत का बयान है। चमकदार विज्ञापनों और नए रूटों से भले आभास बने, पर अनुशासन का सच उन रिक्त कुर्सियों में दर्ज है।

सोशल फोरम

गरीब एस्किमो ने सिखाया चीजें किसी की नहीं होतीं

एक फ्रेंच यात्री ध्रुवीय इलाके में गया। वहां उसने देखा, बहुत गरीब हैं एस्किमो। गरीब से भी गरीब, लेकिन शायद उनसे संपन्न आदमी पाना भी बहुत मुश्किल है। उस फ्रेंच लेखक ने लिखा है कि मैंने उनसे ज्यादा समृद्ध लोग नहीं देखे। फ्रेंच को पता नहीं था कि यहां रिवाज क्या है, यहां का हिसाब क्या है? किसी एस्किमो से उसने कह दिया कि तुम्हारे जूते तो बहुत खूबसूरत है! उसने तत्काल जूते भेंट कर दिए। उसके पास दूसरी जोड़ी नहीं है।

अखिलेश तिवारी
वरिष्ठ पत्रकार

बर्फीली जगह है, नंगे पैर चलना जीवन को जोखम में डालना है, लेकिन यह सवाल नहीं है। दो-चार दिन बाद उसे बड़ी हैरानी हुई कि वह जिससे भी कुछ कह दे कि यह चीज बड़ी अच्छी है, वह तत्काल भेंट कर देता है। तब उसे पता चला कि एस्किमो मानते हैं कि जो चीज किसी को पसंद आ गई है, वह उसकी हो गई।

उसने पूछा कि इसको मानने का कारण क्या है? तो जिस वृद्ध से उसने पूछा, उस वृद्ध ने कहा, इसके दो कारण हैं, एक तो चीजें किसी की नहीं होतीं, वह बस चीजें हैं। दूसरा, यह मानने का कारण है कि जिसके पास है, उसके लिए तो अब व्यर्थ हो गई है। जिसके पास नहीं है, वह सम्मोहित हो रहा है। अगर उसे न मिले तो उसका सम्मोहन लंबा हो जाएगा, उसे तत्काल दे देना जरूरी है, ताकि उसका सम्मोहन टूट जाए। तीसरा कारण यह है कि जिस चीज के हम मालिक हैं, उसकी मालकियत का मौका ही तभी आता है, जब हम किसी को देते हैं। नहीं तो कोई मौका नहीं आता।

चीजों का होना, आपको गृहस्थ नहीं बनाता। चीजों का पकड़ना आपको गृहस्थ बनाता है। ये एस्किमो संन्यासी हैं। साधु हैं, जिसे हम साधु कहते हैं, अगर उसके भीतर हम झांकें तो वहां संग्रह मौजूद रहता है। बना रहता है, तो फिर वह गृहस्थ है। बाहर से आप क्या हैं? यह बहुत मूल्य का नहीं है। भीतर से आप क्या हैं, यही मूल्य का है। भीतर से आप क्या हैं? यह आपके अतिरिक्त कौन जानेगा? कैसे जानेगा?

सदा अपने भीतर पर एक आंख रखनी चाहिए। निरीक्षण की, कि मैं भीतर से क्या हूं! चीज को पकड़ता हूं? चीज मूल्यवान है बहुत? चीज न होगी तो मैं मर जाऊंगा। मिट जाऊंगा। मैं चीजों का एक जोड़ हूं, तो मैं गृहस्थ हूं। फिर भाग कर जंगल में जाने से कुछ भी न होगा। फिर इस गृहस्थ होने की भीतरी व्यवस्था को तोड़ना पड़ेगा। संन्यासी होना एक आंतरिक क्रांति है। यह भीतर घटित हो जाए, तो फिर बाहर वस्तुएं हों या न हों, गौण है।

सामयिकी

ग्रामीण उद्योगों की सांसें बचा सकते हैं लोक मेले

राजस्थान सरकार ने हाल ही में 'विकसित राजस्थान 2047' विजन डॉक्यूमेंट को मंजूरी दी है। इसमें राज्य को 2047 तक 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य न केवल बड़े औद्योगिक निवेश और बुनियादी ढांचे के निर्माण पर निर्भर करेगा, बल्कि ग्रामीण समाज की भागीदारी भी इसमें महत्वपूर्ण है। सरकार गांवों के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाने की इच्छुक है। यह सोच दूरदर्शी है। बड़ा सवाल है कि इसे जमीन पर उतारने का व्यावहारिक रास्ता क्या है? अगर सरकार की सोच धरातल पर उतरती है तो गांवों में रोजगार को खूब बढ़ावा मिल सकता है। गांवों की महिलाएं बुनाई, कताई और कढ़ाई में माहिर हैं।

अमरपाल सिंह वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

हजारों परिवार पीढ़ियों से खादी, हस्तशिल्प, मिट्टी के बर्तन, लकड़ी की कलाकृतियां या अन्य घरेलू उद्योग चला रहे हैं, उनकी बिक्री न के बराबर है। गांवों के कुटीर उद्योग केवल रोजगार का साधन नहीं थे, वे हमारी संस्कृति और आत्म निर्भरता की पहचान थे, लेकिन बाजार की अनुपलब्धता के कारण ग्रामीण कुटीर उद्योग कमजोर पड़ रहे हैं। बड़ी तादाद में लोग गांव छोड़कर शहरों का रुख कर रहे हैं।

प्रश्न उठता है कि इसका समाधान क्या है? इस प्रश्न का उत्तर कहीं न कहीं राजस्थान मेला आयोजक संघ के सचिव जगराम गुर्जर के सुझाव में छिपा है। गुर्जर तीन दशक से लोक मेले आयोजित कर रहे हैं। उनका कहना है कि विभिन्न धार्मिक, पर्यटन महत्व के स्थानों सहित अकेले राजस्थान में ही सौ से अधिक लोक मेले हर साल आयोजित होते हैं और देश भर में इनकी संख्या हजारों में है। इन मेलों में हजारों लोग खरीदारी के लिए आते हैं। ऐसे में अगर राज्य के ग्रामीण कुटीर उद्योग, हस्तशिल्प, खादी और ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों को मेलों में मंच दिया जाए तो कारीगरों को खरीदार और पहचान दोनों मिल सकते हैं। गुर्जर का यह सुझाव इसलिए भी प्रासंगिक है, क्योंकि ग्रामीण उत्पादों की सबसे बड़ी समस्या बाजार का अभाव है। अगर ग्रामीणों को इन लोक मेलों में जोड़ दिया जाए तो उन्हें उत्पाद बेचने के लिए बड़ा अवसर मिल सकता है। स्थानीय से वैश्विक तक का सफर इस जरिए से शुरू किया जा सकता है।

सरकार को गांवों के उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए चरणबद्ध रणनीति अपनानी होगी। सबसे पहले जरूरी है कि किसी जिले के उत्पाद को उसी जिले में पहचान दिलाई जाए। उसके बाद बड़े मेलों के माध्यम से उसे अन्य जिलों तक पहुंचाया जाए। जब राज्य भर में ब्रांड वैल्यू बने तो उसे राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ाया जाए और अंततः उसी ब्रांड को वैश्विक बाजार में उतारा जाए। यानी वैश्विक पहचान का रास्ता स्थानीय पहचान से होकर ही जाता है।

इस काम में सरकार की भूमिका महत्वपूर्ण है। केवल विजन डॉक्यूमेंट में बड़े लक्ष्य लिख देने से कुछ नहीं होता। जिला उद्योग केंद्रों के माध्यम से गांवों के हस्त शिल्पियों, कारीगरों और बुनकरों का सर्वे कराना चाहिए। उनकी सूची बनाकर उन्हें मेलों में भागीदारी के लिए प्रेरित और सहयोग करना चाहिए। राज्य में लगने वाले मेले महज उत्सव नहीं हैं, वे ग्रामीण अर्थ व्यवस्था को गति देने का सर्वसुलभ बाजार साबित हो सकते हैं। गांवों के उत्पादों को ग्लोबल बनाने का संकल्प सराहनीय है, लेकिन यह सपना तभी साकार होगा जब सरकार और समाज मिलकर ग्रामीण उद्योगों को स्थानीय से वैश्विक तक की यात्रा तय करने में सहयोग दें।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) देश के उन अग्रणी विश्वविद्यालयों में है, जो शोध, नवाचार और बुनियादी ढांचे के विकास में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। विश्वविद्यालय छात्रों को पारंपरिक शिक्षा से आगे बढ़कर भविष्य की चुनौतियों के लिए सक्षम बना रहा है, और इनोवेशन, रिसर्च तथा सामाजिक जिम्मेदारी का केंद्र बन चुका है। शिक्षा की गुणवत्ता, रिसर्च कार्य और नए कोर्सों ने इसे न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत में पहचान दिलाई है। हाल के वर्षों में विश्वविद्यालय ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वे इसे भविष्य की ग्लोबल एजुकेशन की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार कर रही हैं।

शोध, नवाचार और विकास की नई उड़ान से बनाई ग्लोबल पहचान

यूजीसी के शोधगंगा पोर्टल पर देश में दूसरा स्थान

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के शोधगंगा पोर्टल पर सीएसजेएमयू ने शानदार प्रदर्शन किया है। देश के 840 विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों द्वारा अपलोड की गई लगभग 6.20 लाख थीसिस में से सीएसजेएमयू ने 10,279 शोध कार्य अपलोड करके देश में दूसरा स्थान प्राप्त किया। यह उपलब्धि सीएसजेएमयू की रिसर्च कैपेसिटी और क्वालिटी का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय में संचालित स्कूल

- अटल बिहारी बाजपेई स्कल ऑफ लीगल स्टडी
- स्कूल्स ऑफ एडवांस एग्रीकल्चर साइंस एंड टेक्नलाजी
- स्कूल ऑफ बेसिक साइंस
- स्कूल ऑफ आर्टस, ह्यूमनिटीज एंड सोशल साइंस
- स्कूल ऑफ क्रिएटिव एंड परफार्मिंग आर्टस
- स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट
- स्कूल ऑफ हेल्थ साइंस
- स्कूल ऑफ होटल मैनेजमेंट
- स्कूल ऑफ लैंग्वेज
- स्कूल आफ लाइफ साइंस बायोटेक्नॉलोजी
- स्कूल आफ फार्मास्युटिकल साइंस
- स्कूल ऑफ टीचर एजुकेशन

इंफ्रास्ट्रक्चर और सामाजिक पहल

सीएसजेएमयू न केवल शिक्षा और शोध बल्कि इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर भी जोर दे रहा है। परिसर में आधुनिक स्टेडियम, नया हॉस्टल, जिम और अत्याधुनिक प्रयोगशालाएँ तैयार की गई हैं। विश्वविद्यालय ने 17,500 से अधिक पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य किया है।

इनोवेशन, तकनीक, स्वास्थ्य और भाषा के क्षेत्र में करियर बेस्ड कोर्स

- सीएसजेएमयू ने 2025-26 शैक्षिक सत्र में कई नए और उन्नत पाठ्यक्रमों की शुरुआत की है। इन पाठ्यक्रमों से छात्रों को अपनी रुचि और करियर के अनुसार नई दिशा मिलेगी। बेसिक विज्ञान विभाग में कुछ नए एमएससी कोर्स जैसे गणित में कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डेटा विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान में स्थिरता और शासन, रसायन विज्ञान में सुगंध और स्वाद विज्ञान, और भूगोल में जीआईएस और रिमोट सेंसिंग छात्रों को उन्नत तकनीक और अनुसंधान से जोड़ेंगे। इसके साथ ही, वैदिक गणित जैसे प्रमाणपत्र कोर्स भी उपलब्ध हैं।
- स्वास्थ्य विज्ञान विभाग में ऑपरेशन थिएटर तकनीक, ऑप्टोमेट्री, और चिकित्सा रेडियोलॉजी और इमेजिंग तकनीक जैसे पाठ्यक्रम छात्रों को व्यावहारिक शिक्षा देंगे। बीएससी और एमए क्लिनिकल मनोविज्ञान भी यहां उपलब्ध है, जो मानसिक स्वास्थ्य में करियर बनाने का मौका देते हैं। भाषा और शिक्षा विभाग में स्पेनिश, मंदारिन, जैन दर्शन, प्राकृत और शिक्षक शिक्षा में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम और डिजिगोगी जैसे पाठ्यक्रम शुरू किए गए हैं।
- विधि विभाग में एलएलएम (1 वर्ष) का पाठ्यक्रम भी उपलब्ध है। इसके अलावा, आईआईटी कानपुर के सहयोग से साइबर सुरक्षा व्यावसायिक कोर्स ऑनलाइन भी उपलब्ध कराया गया है। ये पाठ्यक्रम छात्रों को तकनीकी, स्वास्थ्य, शिक्षा, और भाषा के क्षेत्र में नए और बेहतर करियर अवसर प्रदान करेंगे।

44 कोर्स हैं संचालित

7653 सीटों पर प्रवेश

पेटेंट और स्टार्टअप इकोसिस्टम

- सीएसजेएमयू ने अब तक 300 से अधिक पेटेंट दर्ज कराए हैं। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के शोधार्थियों और शिक्षकों के नवाचार की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को दर्शाती है। कैंपस में तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप इकोसिस्टम छात्रों को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित कर रहा है। आने वाले समय में यह इकोसिस्टम कानपुर और आसपास के क्षेत्रों में रोजगार और विकास का नया केंद्र बनने की क्षमता रखता है।

एल्युमनी हैं उत्कृष्टता की धरोहर

- सीएसजेएमयू देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई प्रमुख व्यक्तित्व का शिल्पकार है। इनमें से एक हैं राम नाथ कोविंद, जो भारत के 14वें राष्ट्रपति बने। उनका सरल जीवन और संघर्षपूर्ण यात्रा विश्वविद्यालय की नीतियों और नेतृत्व के मार्गदर्शन को दर्शाता है। पूर्व प्रधानमंत्री, अटल बिहारी वाजपेयी भी विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं। ये विभूतियां न केवल प्रेरणा स्रोत हैं, बल्कि सीएसजेएमयू की गुणवत्ता और राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण का प्रतीक भी हैं।

उद्योग और रक्षा क्षेत्र से सहयोग

- विश्वविद्यालय ने शोध और तकनीक के क्षेत्र में कई उद्योगों और रक्षा संबंधी संस्थानों के साथ हाथ मिलाया है। हाल ही में त्रिपाठी एयरोटेक के साथ ड्रोन और एंटी-ड्रोन तकनीक पर काम करने के लिए एमओयू साइन किया गया। इसके अलावा आईआईटी कानपुर के साथ साइबर सुरक्षा कोर्स की शुरुआत विश्वविद्यालय की बड़ी पहल है। यह कदम छात्रों को अत्याधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान करने के साथ स्टार्टअप और इनोवेशन की दिशा में प्रेरित करेगा।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और पहचान

- विश्वविद्यालय लगातार अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग बढ़ा रहा है। हाल ही में आयोजित ग्लोबल बिज़नेस समिट और अमेरिका की लुइसविल यूनिवर्सिटी के व्याख्यानों ने छात्रों को वैश्विक दृष्टिकोण दिया। विश्वविद्यालय में विदेशी छात्रों की संख्या बढ़ रही है और अनेक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू के जरिए शोध व अध्ययन के साथ विश्वविद्यालय रोजगार के नए अवसर बना रहा है।

लेखक
डॉ. विशाल शर्मा
असिस्टेंट प्रोफेसर
हेड डिपार्टमेंट ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन
सीएसजेएमयू कानपुर

जॉब अलर्ट

पंजाब एंड सिंध बैंक में अधिकारी बनने का मौका

- कुल पद 750
- आयु सीमा 20 से 30 वर्ष
- अंतिम तिथि 4 सितंबर

योग्यता – मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री
आवेदन वेबसाइट punjabandsindbank.co.in

राजस्थान लोक सेवा आयोग में सीनियर टीचर ग्रेड-2

- कुल पद 6500
- अंतिम तिथि 17 सितंबर

योग्यता – हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, उर्दू, पंजाबी, सिंधी और गुजराती विषय में स्नातक तथा बीएड डिग्री
वेबसाइट rpsc.rajasthan.gov.in

बीएसएफ में बनें हेड कांस्टेबल

- कुल पद 1121
- अंतिम तिथि 23 सितंबर

वेबसाइट rectt.bsf.gov.in
योग्यता – हेड कांस्टेबल (रेडियो ऑपरेटर) –12वीं कक्षा में फिजिक्स, केमिस्ट्री और गणित विषय में 60% अंक। रेडियो मैकेनिक के लिए 10वीं उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट

रेलवे में अप्रेंटिस के लिए करें आवेदन

- कुल पद 2865

योग्यता – 10वीं परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण तथा संबंधित ट्रेड में आईटीआई सर्टिफिकेट।
आयु सीमा– 15 से 24 वर्ष
अंतिम तिथि – 29 सितंबर
आवेदन – wcr.indianrailways.gov.in

नेवल डॉकयार्ड में अप्रेंटिस का मौका

आवेदन शुरू– एक सितंबर से
अंतिम तिथि – 21 सितंबर
योग्यता – किसी मान्यता प्राप्त संस्थान से संबंधित ट्रेड में आईटीआई (एनसीवीटी/एससीवीटी) के साथ 8वीं, 10वीं पास
आयु सीमा – न्यूनतम आयु 14 वर्ष
आवेदन : पोर्टल www.joinindiannavy.gov.in पर

काम की बात

गेट के लिए रजिस्ट्रेशन 28 सितंबर तक परीक्षा अगले वर्ष फरवरी में

- आईआईटी गुवाहाटी ने ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) 2026 के लिए पंजीकरण तिथि बदल दी है। गेट 2026 के लिए रजिस्ट्रेशन अब 28 अगस्त से शुरू होकर 28 सितंबर तक चलेंगे। विलंब शुल्क के साथ आवेदन की अंतिम तिथि 9 अक्टूबर रहेगी। उम्मीदवारों को पोर्टल पर पंजीकरण करना होगा, जिसमें व्यक्तिगत और शैक्षणिक विवरण भरना, दस्तावेज अपलोड करना और आवेदन शुल्क भुगतान शामिल है। परीक्षा 7, 8, 14 और 15 फरवरी, 2026 को आयोजित की जाएगी। सामान्य/ओबीसी/ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए आवेदन शुल्क 2000 रुपये और महिला/एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 1000 रुपये है। गेट-2026 परीक्षा 30 टेस्ट पेपरों वाली कंप्यूटरआधारित परीक्षा होगी।

एकेटीयू ने बीटेक अंतिम वर्ष छात्रों के लिए ऑनलाइन कक्षाएं शुरू की

- डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट, इंडस्ट्री में काम और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं को देखते हुए ऑनलाइन क्लास की सुविधा शुरू की है। बीटेक पाठ्यक्रम के सातवें सेमेस्टर का 50 फीसदी और आठवें सेमेस्टर की पूरी तरह से ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जाएंगी। विश्वविद्यालय के इस आदेश के बाद सम्बद्ध 750 इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज में लगभग 2 लाख से अधिक छात्रों को फायदा होगा। नई व्यवस्था में मूक्स (मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स) के जरिये छात्र अपनी सुविधानुसार कक्षाएं कर सकेंगे। अधिकतम 40 प्रतिशत क्रेडिट के कोर्स मूक्स के जरिये संचालित किए जाएंगे। मूक्स पर ज्यादातर इंडस्ट्री ओरिएंटेड और रोजगार परक कोर्स उपलब्ध हैं। इनके जरिये कोर्स करने पर छात्रों को स्किल्ड बनाने में सहायता होगी।

जेएनयू से विदेशी भाषाओं में करें बीए आनर्स, बनाएं करियर

- जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू), नई दिल्ली से कई विदेशी भाषाओं में बीए आनर्स की पढ़ाई करके करियर के रास्ते खोले जा सकते हैं। जेएनयू से रशियन, फ्रेंच, जर्मन, मैंदरिन (चीन), जापानी, कोरियन और स्पैनिश भाषा में बीए आनर्स की पढ़ाई करके अनुवादक, कार्पोरेट सेक्टर, टूरिज्म इंडस्ट्री, हॉस्पिटैलिटी, डिप्लोमेसी, मीडिया और इंटरनेशनल रिलेशंस के क्षेत्र में बेहतरीन करियर बनाया जा सकता है। जेएनयू में दाखिला CUET के स्कोर से होता है।

एसबीआई फेलोशिप: युवाओं के लिए बदलाव का हिस्सा बनने का मौका

एसबीआई फाउंडेशन ने अपने 13 माह के फ्लैगशिप प्रोग्राम एसबीआई यूथ फार इंडिया फेलोशिप-2025 के लिए आवेदन शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरुआत अक्टूबर 2025 से होगी। इसके लिए आवेदन की अंतिम तिथि 11 सितंबर है। एसबीआई यूथ फॉर इंडिया फेलोशिप युवाओं को ग्राउंड लेवल पर काम करने का मौका देती है। यह पूरी तरह से फंडेड प्रोग्राम है, जिसमें चुने गए फेलोज रूरल कम्युनिटी के साथ मिलकर 13 प्रतिष्ठित एनजीओ के सहयोग से स्थायी समाधान तैयार करते हैं। इस फेलोशिप का उद्देश्य युवाओं को गांवों के विकास से जोड़ना और उन्हें हेल्थ, एजुकेशन, एनवायरनमेंट और वुमन एंपावरमेंट जैसे क्षेत्रों में वास्तविक अनुभव देना है। यह प्रोग्राम युवाओं को न सिर्फ सामाजिक समस्याओं को समझने का अवसर देता है, बल्कि उन्हें समाधान का हिस्सा भी बनाता है। आवेदक की आयु सीमा 21 से 32 साल के बीच होनी चाहिए। चयनित फेलोज को 4 अक्टूबर को राजस्थान के किशनगढ़, तिलोनिया में ओरिएंटेशन प्रोग्राम के लिए रिपोर्ट करना होगा।

इस तरह करें यूपी पीईटी की तैयारी, मिलेगी सफलता

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूपीएसएसएससी) की पीईटी का आयोजन 6 एवं 7 सितंबर को दो पालियों सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तथा अपराह्न 3 से शाम 5 बजे तक प्रदेश में तय केंद्रों पर होगा।

परीक्षा का यह होगा सिलेबस

परीक्षा में भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन, भूगोल, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन, सामान्य विज्ञान, प्रारंभिक अंकगणित, सामान्य हिंदी, सामान्य अंग्रेजी, तर्क एवं तर्कशक्ति विषयों से 5-5 नंबर के प्रश्न आएंगे। इसके अलावा सामयिकी, सामान्य जागरूकता, अपठित हिंदी गद्यांश, ग्राफ की व्याख्या एवं विश्लेषण और तालिका की व्याख्या एवं विश्लेषण विषयों से 10-10 प्रश्न पूछे जाएंगे।

- **यह रहेगा परीक्षा का पैटर्न :** यूपी पीईटी में बहुविकल्पीय प्रकार के कुल 100 प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक सही उत्तर के लिए अभ्यर्थियों को एक अंक प्रदान किया जाएगा। लेकिन परीक्षा में माइनस मार्किंग भी होगी। प्रत्येक गलत उत्तर देने पर 1/4 अंक की कटौती की जाएगी। प्रश्न पत्र हल करने के लिए कुल 2 घंटे का समय प्रदान किया जाएगा।
- **तीन वर्ष के लिए अनुमन्य रहेगा स्कोरकार्ड :** इस वर्ष से उत्तर प्रदेश सरकार ने पीईटी स्कोर कार्ड की वैधता बदल दी है। पहले स्कोरकार्ड की वैधता केवल एक वर्ष के लिए रहती थी लेकिन अब इसे तीन वर्ष कर दिया गया है। अब एक बार परीक्षा देने के बाद अभ्यर्थी स्कोरकार्ड के जरिये तीन वर्ष तक भर्ती में भाग ले पाएंगे।

ग्रुप 'सी' की इन भर्तियों के लिए पीईटी है जरूरी

अभ्यर्थी परीक्षा एक बार पास करने के बाद ग्रुप 'सी' की सभी भर्तियों के लिए आवेदन कर सकेगा। इनमें यूपी एएनएम मंडी परिषद संयुक्त संवर्ग, राजस्व लेखपाल पद, सहायक बोरिंग टेक्नीशियन, आईटीआई अनुदेशक, सम्मिलित तकनीकी सेवा, वन रक्षक व वन्य जीव रक्षक, ग्राम पंचायत अधिकारी, एक्सरे टेक्नीशियन, एग्रीकल्चर असिस्टेंट, राजस्व विभाग में जूनियर असिस्टेंट, अकाउंटेंट एवं ऑडिटर, गन्ना विभाग में सर्वेयर आदि पदों पर भर्ती के लिए पीईटी अनिवार्य है।

किस विषय के लिए कितने अंक निर्धारित

- भारतीय इतिहास, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन, भूगोल, भारतीय अर्थव्यवस्था, भारतीय संविधान एवं लोक प्रशासन, सामान्य विज्ञान, प्रारंभिक अंकगणित, सामान्य हिन्दी, सामान्य अंग्रेजी, लॉजिक एंड रीजनिंग

(सभी से 5-5 अंकों के प्रश्न)

- करेंट अफेयर्स– 10 अंक
- जनरल अवेयरनेस– 10 अंक
- अपठित हिन्दी गद्यांश – 10 अंक
- ग्राफ की व्याख्या– 10 अंक
- तालिका की व्याख्या– 10 अंक

पांच महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी की गई रद्द

नई दिल्ली। सरकार ने खराब प्रतिक्रिया पर पांचवें दौर की नीलामी में कर्नाटक में दुर्लभ मृदा तत्व ब्लॉक सहित पांच महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द कर दी है। खान मंत्रालय ने कहा कि तीन ब्लॉक गुजरात और छत्तीसगढ़ में दो ग्लौकोनाइट खदानें और कर्नाटक में एक निकल एवं पीजीई (प्लेटिनम ग्रुप एलिमेंट) ब्लॉक के लिए बोली नहीं मिली। उनकी नीलामी रद्द कर दी गई। वहीं, दो अन्य ब्लॉक महाराष्ट्र और कर्नाटक की बिक्री योग्य बोलीदाताओं की कमी के कारण रद्द कर दी गई।

अमृत विचार
कानपुर, गुरुवार, 28 अगस्त 2025
www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

इंडिगो में 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे राकेश

नई दिल्ली। इंडिगो एयरलाइन की मूल कंपनी इंटरग्लोब एविएशन के प्रवर्तक राकेश गंगवाल और उनके पारिवारिक ट्रस्ट ने कंपनी में अपनी 3.1 प्रतिशत हिस्सेदारी लगभग 7,027.7 करोड़ रुपये में बेचने की योजना बनाई है। एक सौदा पत्र में इसकी जानकारी दी गई है। यह हिस्सेदारी बिक्री सौदा बृहस्पतिवार को एनएसई और बीएसई के माध्यम से किया जाएगा। इस बिक्री से मिलने वाली पूरी राशि विक्रेताओं के पास जाएगी। प्रस्तावित बिक्री के तहत 1.21 करोड़ शेयरों की बिक्री 5,808 रुपये प्रति शेयर के न्यूनतम भाव पर की जाएगी, जो मंगलवार के बंद भाव (6,050 रुपये) से लगभग चार प्रतिशत कम है।

आकाश त्रिपाठी बने सेकी के प्रबंध निदेशक

नई दिल्ली। सरकार ने आकाश त्रिपाठी को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सेकी) का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। सेकी ने बुधवार को कहा कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1998 बैच के अधिकारी त्रिपाठी को अतिरिक्त सचिव के रैंक एवं वेतन पर नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आईएएस आकाश त्रिपाठी को प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है, जबकि संतोष सारंगी चेयरमैन बने रहेंगे। सारंगी ने कहा कि त्रिपाठी की नियुक्ति से बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, संस्थागत समन्वय और हरित हाइड्रोजन, ऊर्जा भंडारण और हरित ऊर्जा परियोजनाओं जैसी उभरती प्राथमिकताओं के लिए अलग से नेतृत्व मिलेगा।

पीएफसी और बिजली मंत्रालय में समझौता

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पीएफसी ने बिजली मंत्रालय के साथ एक प्रदर्शन मूल्यांकन समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत एक वार्षिक लक्ष्य रूपरेखा निर्धारित की जाएगी जिसके आधार पर वित्त वर्ष 2025-26 के लिए उसकी उपलब्धियों का आकलन किया जाएगा। सभी सीपीएसई (होल्डिंग एवं अनुषंगी दोनों) को समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर करना है। कंपनी ने कहा कि समझौता ज्ञापन का उद्देश्य मापदंडों पर सीपीएसई के प्रबंधन के प्रदर्शन को मापना है।

अमेरिकी शुल्क से निर्यात होगा प्रभावित

भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क बंगाल की अर्थव्यवस्था के लिए साबित हो सकता है बड़ा झटका

कोलकाता, एजेंसी

अमेरिका का भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क प. बंगाल की निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है। हितधारकों का कहना है कि राज्य के श्रम आधारित चमड़ा, इंजीनियरिंग और समुद्री क्षेत्रों को आगामी त्योहारों से पहले काफी नुकसान होने की आशंका है। रूसी तेल की खरीद के लिए भारतीय उत्पादों पर बढ़ा हुआ शुल्क बुधवार से लागू हो गया, जिससे भारत पर अब कुल शुल्क 50 प्रतिशत हो गया है।

श्रम आधारित चमड़ा, इंजीनियरिंग और समुद्री क्षेत्रों को त्योहारों से पहले काफी नुकसान होने की आशंका

निर्यातकों ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से उत्पन्न भू-राजनीतिक प्रतिकूल परिस्थितियों से निर्यात और यहां तक कि उत्पादन भी फिलहाल रोक दिया गया है। व्यापार अनुमानों के अनुसार, इस कदम से कम से कम 45,000 करोड़ रुपये के भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा और बंगाल सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में से एक है। भारतीय निर्यात संगठन महासंघ (फियो) के क्षेत्रीय चेयरमैन (पूर्व) और समुद्री सामान के प्रमुख निर्यातक योगेश गुप्ता ने कहा, श्रम-प्रधान उद्योग भारी दबाव में हैं। समुद्री निर्यात की बात करें तो बंगाल के वार्षिक निर्यात के अधिकतम हिस्से पर इसका असर पड़ सकता है। भारत के समुद्री खाद्य सामान के निर्यात में राज्य का योगदान 12% है, जिसमें उत्तर और दक्षिण 24-परगना तथा पूर्व मेदिनीपुर जिले से झींगा किस्मों का प्रभुत्व है। भारतीय समुद्री खाद्य निर्यातक संघ (पूर्व) के चेयरमैन राजर्षि बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल से अमेरिका को होने वाले वर्तमान 8,000 करोड़ के कुल निर्यात में से, राज्य से कम से कम 5,000-6,000 करोड़ के समुद्री निर्यात पर सीधा असर पड़ रहा है। गुप्ता ने आगाह किया कि प्रसंस्करण इकाइयों में करीब 7,000-10,000 नौकरियां और कृषि स्तर पर इससे भी अधिक खतरे में हैं क्योंकि आंध्र प्रदेश जैसे राज्य अमेरिका से इतर अन्य बाजारों में बंगाल के साथ प्रतिस्पर्धा करना शुरू कर देंगे।

आंध्र प्रदेश स्थित निर्यातक वर्तमान में अमेरिका पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। चमड़ा उद्योग भी बढ़े हुए शुल्क का खामियाजा भुगत रहा है और अमेरिका इसके सबसे बड़े खरीदारों में से एक है। भारतीय चमड़ा उत्पाद संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष मोहम्मद अजार ने कहा कि कोलकाता के पास बंतला चमड़ा केंद्र में ही पांच लाख लोग कार्यरत हैं। केवल भारत और ब्राजील पर ही 50 प्रतिशत शुल्क लगा है जबकि दक्षिण-पूर्व एशिया में यह दर बहुत कम 19-20 प्रतिशत है। इससे अमेरिका को भारतीय निर्यात पर असर पड़ेगा। अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा था कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को 'ईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है।

भारतीय उत्पादों की आवाजाही होगी बाधित

नई दिल्ली। अमेरिका भेजे जाने वाले भारतीय सामान पर 50% के भारी शुल्क से झींगा, कपड़ा, चमड़ा और रत्न एवं आभूषण जैसे क्षेत्रों में निर्यात और रोजगार सृजन पर गंभीर प्रभाव पड़ेगा। निर्यातकों ने कहा कि 25% शुल्क के अलावा भारत पर 25% का जुर्माना लगाने से उसके सबसे बड़े निर्यात बाजार में भारतीय उत्पादों की आवाजाही बाधित होगी। बीते वित्त वर्ष भारत के 437.42 अरब डॉलर मूल्य के वस्तु निर्यात में अमेरिका का 20% हिस्सा था। अमेरिका 2021-22 से भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। 2024-25 में, वस्तुओं का द्विपक्षीय व्यापार 131.8 अरब अमेरिकी डॉलर रहा। इनमें 86.5 अरब डॉलर निर्यात और 45.3 अरब डॉलर आयात था। चमड़ा क्षेत्र के निर्यातक ने कहा कि 50% शुल्क एक आर्थिक प्रतिबंध की तरह है। इससे इकाइयां बंद होंगी और नौकरियां कम होंगी। कपड़ा निर्यात संवर्धन परिषद (एईपीसी) के महासचिव मिथिलेश्वर ठाकुर ने कहा कि 10.3 अरब डॉलर के निर्यात के साथ कपड़ा क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। उन्होंने कहा कि उद्योग अमेरिका द्वारा घोषित 25% जवाबी शुल्क को लेकर तैयार था। लेकिन, 25% अतिरिक्त बोझ ने ...भारतीय कपड़ा उद्योग को अमेरिकी बाजार से प्रभावी रूप से बाहर कर दिया है। इसका कारण बांग्लादेश, वियतनाम, श्रीलंका, कंबोडिया और इंडोनेशिया जैसे प्रमुख प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में 30-31 प्रतिशत शुल्क के नुकसान के अंतर को पाटना असंभव है।

वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा क्षेत्र के शेयरों पर होगा दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी

विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी सीमा शुल्क से वस्त्र, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा जैसे निर्यात-उन्मुख क्षेत्रों पर दबाव बढ़ने से गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में इन क्षेत्रों के निवेशकों में थोड़ी घबराहट देखने को मिल सकती है। भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत अमेरिकी सीमा शुल्क बुधवार से प्रभावी हो गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूसी तेल की खरीद जारी रखने को लेकर भारत पर अतिरिक्त 25% शुल्क लगाने की घोषणा की थी। इसके पहले भी 25% शुल्क लागू हुआ था। विश्लेषकों के अनुसार वस्त्र एवं परिधान, रत्न एवं आभूषण, झींगा, चमड़ा एवं जूते, पशु उत्पाद, रसायन, विद्युत एवं यांत्रिक मशीनरी जैसे क्षेत्रों को इस शुल्क वृद्धि का सबसे अधिक नुकसान हो सकता है। हालांकि, दवा, ऊर्जा उत्पाद और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं पर यह शुल्क लागू नहीं है। बढ़ा हुआ शुल्क बुधवार से लागू हो गया है लेकिन घरेलू शेयर बाजारों में गणेश चतुर्थी की वजह से बंद होने से इसका असर देखने को नहीं मिला है। ऐसे में गुरुवार का कारोबारी सत्र काफी अहम होने वाला है। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि बाजार में गिरावट के साथ शुरुआत संभव है, लेकिन घबराहट की संभावना कम है क्योंकि 50 प्रतिशत शुल्क लगने की अपेक्षा पहले से ही थी। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बिकवाली जारी रख सकते हैं, लेकिन नकदी से लैस घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) निचले स्तरों पर तगड़ी खरीदारी करेंगे।

घरेलू निवेशकों ने की है सात हजार करोड़ की खरीदारी

विजयकुमार ने कहा कि इस शुल्क का असर मुख्य रूप से वस्त्र, कुछ मशीनरी और रत्न एवं आभूषण क्षेत्र पर पड़ेगा, लेकिन कुल मिलाकर कंपनी आय पर इसका असर नगण्य रहेगा। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने मंगलवार को 6,516.49 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 7,060.37 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की।

भारतीय कंपनियों का राजस्व 5-6% बढ़ेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि दर चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में पांच से छह प्रतिशत रहने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान लगाया है। इससे पिछले तीन माह में भारतीय कंपनियों का राजस्व 5.5 प्रतिशत बढ़ा था।

दूसरी तिमाही में वृद्धि होने का रेटिंग एजेंसी इक्रा का अनुमान

रेटिंग एजेंसी इक्रा ने बयान में कहा कि कच्चे तेल और कोयले जैसी जरूरी चीजों की लागत कम होने के साथ, इसका नतीजा यह होगा कि सालाना आधार पर परिचालन लाभ मार्जिन (ओपीएम) 18 से 18.2 प्रतिशत के बीच स्थिर बना रहेगा। बयान में कहा गया कि परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में भारतीय कंपनियों की वित्तीय प्रतिबद्धताएं पूरी करने की क्षमता काफी हद तक स्थिर रहने की उम्मीद है, जिसमें ब्याज कवरेज अनुपात 4.9-5.1 गुना रहेगा, जबकि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह 4.9 गुना था। इक्रा लिमिटेड की वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सह-समूह प्रमुख (कॉरपोरेट रेटिंग्स) किंजल शाह ने कहा कि वर्तमान भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क मांग की धारणा को प्रभावित कर रहे हैं, विशेष रूप से निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों जैसे कृषि-रसायन, वस्त्र, वाहन और वाहन कलपुर्जे, समुद्री खाद्य, कटे और पॉलिश किए गए हीरे और आईटी सेवाओं के लिए। उन्होंने आगे कहा कि घरेलू ग्रामीण मांग मजबूत बनी हुई है, जबकि शहरी मांग में अब भी उल्लेखनीय सुधार होना बाकी है।

7332 करोड़ में होगा पीएम स्वनिधि योजना का विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेहड़ी-पटरी वालों के लिए पुनर्गठन को दी मंजूरी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 7,332 करोड़ रुपये का व्यय के साथ रेहड़ी-पटरी वालों के लिए पीएम स्वनिधि योजना के पुनर्गठन और विस्तार को 31 मार्च, 2030 तक के लिए मंजूरी दे दी। यह निर्णय प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिया गया।

बैठक में कहा गया है कि प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि (पीएम स्वनिधि) योजना के तहत पहली किस्त की ऋण सीमा 10,000 से बढ़ाकर 15,000 रुपये और दूसरी किस्त 20,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये कर दी गई है। जबकि तीसरी किस्त 50,000 रुपये बनी रहेगी। समय पर दूसरा कर्ज चुकाने वाले रेहड़ी-पटरी वाले आकस्मिक व्यावसायिक और व्यक्तिगत जरूरतों को पूरा करने के लिए यूपीआई (एकीकृत भुगतान इंटरफेस) से जुड़े रुपे क्रेडिट कार्ड के लिए पात्र होंगे। साथ ही, खुदरा और थोक लेनदेन के लिए डिजिटल भुगतान का विकल्प चुनने वाले विक्रेताओं को 1,600 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। यह योजना 31 दिसंबर, 2024 तक वैध थी।

पुनर्गठित योजना का लक्ष्य 50 लाख नए रेहड़ी-पटरी वालों सहित 1.15 करोड़ लाभार्थियों को लाभ पहुंचाना है। इसका कार्यान्वयन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग की संयुक्त जिम्मेदारी होगी। आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय इसका संचालन करेगा, जबकि वित्तीय सेवा विभाग बैंकों और वित्तीय संस्थानों के माध्यम से कर्ज और क्रेडिट कार्ड तक पहुंच को सुगम बनाएगा। योजना में बढ़ी हुई ऋण राशि, यूपीआई-से जुड़ा रुपे क्रेडिट कार्ड, डिजिटल कैशबैक प्रोत्साहन और व्यापक भौगोलिक कवरेज शामिल है। यह उद्यमिता, वित्तीय साक्षरता, डिजिटल कौशल और विपणन पर ध्यान केंद्रित करते हुए रेहड़ी-पटरी वालों की क्षमता निर्माण पर भी केंद्रित है। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के साथ साझेदारी में, रेहड़ी-पटरी वालों के लिए मानक स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर से आतंकियों को दिया कड़ा संदेश

ऑपरेशन महादेव के तहत आतंकवादियों को मार गिराने वाले सेना के 12 जवानों को केंद्रीय गृह मंत्री ने किया सम्मानित

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया कि भारतीय नागरिकों को निशाना बनाने पर उन्हें परिणाम भुगतने होंगे। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से लोगों को जहां संतुष्टि मिली वहीं ऑपरेशन महादेव ने इस संतुष्टि को आत्मविश्वास में बदला।

जम्मू-कश्मीर पुलिस व केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो-दो जवानों को भी किया सम्मानित

गृह मंत्री ने यह बात सेना के उन 12 जवानों को सम्मानित करते हुए कही, जिन्होंने ऑपरेशन महादेव को सफलतापूर्वक अंजाम दिया और पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को मार गिराया। इस अभियान में शामिल जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के दो-दो जवानों को भी सम्मानित किया गया। गृह मंत्री ने कहा कि चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी ने ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव को लेकर खुशी एवं उत्साह महसूस किया और सुरक्षा बलों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति यही विश्वास हर क्षेत्र में दुनिया में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की भारत की आकांक्षा का आधार है।

सशस्त्र बलों ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में मई में ऑपरेशन सिंदूर चलाया था जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों एवं सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया था। पहलगाम नरसंहार के तुरंत बाद शुरू किये गए ऑपरेशन महादेव में 28 जुलाई को तब सफल मिली, जब सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने मुख्य साजिशकर्ता सुलेमान उर्फ आसिफ और उसके दो सहयोगियों जिब्रान और हमजा अफगानी को मार गिराया। यह अभियान तब शुरू किया गया जब तकनीकी सिग्नल से पता चला कि अपराधियों ने सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल किया है। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर और ऑपरेशन महादेव ने आतंक के आकाओं को स्पष्ट संदेश दिया है कि भारतीय नागरिकों की जान से खेलने का क्या परिणाम होता है।

सेना और अर्धसैनिक बलों ने आतंक के खिलाफ निभाई भूमिका

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों ने दुनिया को दिखा दिया है कि आतंकवादी चाहे कोई भी रणनीति अपना लें, वे अब भारत को नुकसान पहुंचाकर बच नहीं सकते। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की न्यायालयी विज्ञान प्रयोगशाला ने पुष्टि की है कि 28 जुलाई को मारे गए आतंकवादी वास्तव में पहलगाम नरसंहार के अपराधी थे। उन्होंने कहा कि जब कश्मीर में पर्यटन फल-फूल रहा था, तब पहलगाम हमला 'कश्मीर मिशन' को पटरी से उतारने का एक असफल प्रयास किया गया था। गृह मंत्री ने कहा कि सेना और अर्धसैनिक बलों के साथ-साथ, जम्मू-कश्मीर पुलिस भी अब आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभा रही है। उन्होंने कहा, "भारतीय नागरिकों के दिलों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करने के लिए मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और पूरे देश की ओर से सुरक्षा बलों को बधाई देता हूं।

डिजिटल साक्ष्य दर्ज करने वाले एलजी के आदेश पर होगी सुनवाई

नई दिल्ली। जिला न्यायपालिका के वकीलों की जारी हड़ताल के बीच, दिल्ली हाईकोर्ट में बुधवार को एक याचिका का उल्लेख किया, जिसमें उपराज्यपाल (एलजी) द्वारा जारी उस अधिसूचना को चुनौती दी गई है, जो पुलिस को थानों से ही अदालतों में डिजिटल माध्यम से साक्ष्य दर्ज करने की अनुमति देती है।

मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया गया। अदालत ने मामले की सुनवाई तीन सितंबर के लिए स्थगित कर दी। पीठ ने कहा कि आप इसे दाखिल करें। यह बुधवार को सूचीबद्ध होगी। दिल्ली की जिला अदालतों के वकील उपराज्यपाल की 13 अगस्त की अधिसूचना को वापस लेने की मांग को लेकर 22 अगस्त से काम से विरत हैं।

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार स्वेच्छा से होना चाहिए : भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी

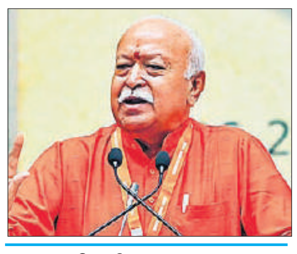

शताब्दी वर्ष पर व्याख्यान श्रृंखला को आरएसएस प्रमुख ने किया संबोधित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने आत्मनिर्भरता की वकालत करते हुए बुधवार को कहा कि अंतर्राष्ट्रीय व्यापार स्वेच्छा से होना चाहिए, दबाव में नहीं। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर व्याख्यान श्रृंखला को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि आत्मनिर्भरता सभी समस्याओं का समाधान है और उन्होंने स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर बल दिया।

भागवत ने कहा कि आत्मनिर्भर होने का मतलब आयात बंद करना नहीं है। दुनिया आगे बढ़ती है, क्योंकि यह एक-दूसरे पर निर्भर है। इसलिए आयात-निर्यात जारी रहेगा। हालांकि, इसमें कोई दबाव नहीं होना चाहिए। स्वदेशी का मतलब यह नहीं है कि उन वस्तुओं का आयात न किया जाए, जो देश में पहले से मौजूद हैं या जिनका विनिर्माण आसानी से किया जा सकता है। बाहर (विदेशों) से वस्तुएं आयात करने से स्थानीय विक्रेताओं को नुकसान होता है। भागवत की यह टिप्पणी ऐसे दिन आई है, जब रूसी तेल की खरीद को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भारत पर लगाया 25% अतिरिक्त शुल्क लागू हो गया है। उन्होंने कहा, जो भी आपके देश में बनता है, उसे बाहर से आयात करने की कोई जरूरत नहीं है।

ट्रंप का फोन आया और मोदी ने सैन्य कार्रवाई रोक दी : राहुल

मुजफ्फरपुर/सीतामढ़ी, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को डोनाल्ड ट्रंप के बयान का हवाला देते हुए दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति के फोन के बाद प्रधानमंत्री मोदी की 'हवा निकल गई' और उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत पाकिस्तान में की जा रही सैन्य कार्रवाई को पांच घंटे में रोक दिया था।

वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस नेता ने लगाए आरोप

उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मुजफ्फरपुर की सभा में कहा कि ट्रंप ने आज कहा है कि जब भारत और पाकिस्तान में युद्ध हो रहा था, तो मैंने नरेन्द्र मोदी को फोन कर कहा कि आप यह जो कर रहे हैं, उसे 24 घंटे के अंदर बंद करिए। मोदी ने 24 घंटे में नहीं, सिर्फ पांच घंटे में ही सैन्य अभियान रोक दिया। उन्होंने दावा किया कि इसे मीडिया में नहीं बताया जाएगा। बाद में उन्होंने सीतामढ़ी की सभा में भी इस विषय को उठाया। उन्होंने कहा, मैंने लोकसभा में कहा था कि अगर दम है तो बोलिए कि ट्रंप ने झूठ बोला। उनके मुंह से चूं नहीं निकला। उन्होंने डेढ़ घंटे तक भाषण दिया, लेकिन ट्रंप के बारे में नहीं बोल पाए। यह कैसे प्रधानमंत्री हैं, जो 56 इंच की छाती की बात करते हैं, लेकिन ट्रंप का एक फोन आता है और पूरी हवा निकल जाती है।

महाराष्ट्र के विरार में अवैध इमारत गिरने से छह लोगों की मौत

पालघर (महाराष्ट्र)। महाराष्ट्र के पालघर जिले के विरार में अनधिकृत चार मंजिला इमारत का एक हिस्सा बगल की खाली इमारत पर गिरने से छह लोगों की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए।

राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम ने घटना के 18 घंटे बाद बुधवार को मलबे के नीचे से तीन और शव निकाले। रमाबाई अपार्टमेंट का पिछला हिस्सा मंगलवार रात 12.05 बजे ढह गया था। वसई विरार महानगरपालिका (वीवीएमसी) द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने इमारत के बिल्डर को गिरफ्तार कर लिया। डीएम इंदु रानी जाखड़ ने मौके का दौरा किया। उन्होंने मलबे में अब भी कुछ और लोगों के दबे होने की आशंका जताई।

आपराधिक मामले को लंबा खींचना एक प्रकार की पीड़ा : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी आपराधिक मामले को अनुचित अवधि तक खींचना एक प्रकार की पीड़ा है, जो कार्यवाही का सामना कर रहे व्यक्ति के लिए मानसिक कारावास के समान है। न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया और एएस चंदुरकर ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उन्होंने एक महिला को भ्रष्टाचार के मामले में सुनाई सजा को घटाकर केवल पहले से जेल में बिताई जा चुकी अवधि तक सीमित कर दिया।

उसकी दोषसिद्धि की पुष्टि करते हुए पीठ ने कहा कि यह घटना 22 वर्ष पहले घटित हुई और महिला अब 75 वर्ष की है। अदालत ने उन पर लगाए जुर्माने को भी जुर्माने से 25,000 रुपये अधिक कर दिया। पीठ ने 21 अगस्त को कहा कि किसी आपराधिक मामले को अनुचित अवधि तक खींचना अपने आप में एक प्रकार की पीड़ा है। ऐसी कार्यवाही का सामना करने वाले व्यक्ति के लिए यह मानसिक कारावास के समान है।

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला महिला द्वारा मद्रास हाईकोर्ट के अगस्त 2010 के फैसले के खिलाफ दायर अपील पर आया, जिसमें अधीनस्थ अदालत के आदेश की पुष्टि की गई थी। निचली अदालत ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षक के रूप में कार्यरत महिला को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 के प्रावधानों के तहत दोषी ठहराया और उसे एक वर्ष कारावास की सजा सुनाई। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि सितंबर 2002 में उसने 300 रुपये की रिश्वत मांग की थी। शीर्ष अदालत ने कहा कि जो व्यक्ति दोषसिद्धि के खिलाफ अपील करता है और हर दिन मुकदमे के परिणाम का इंतजार करता है, वह अपना समय परेशानी में बिताता है। न्याय प्रशासन की वर्तमान प्रणाली में, जिसमें कार्यवाही अक्सर अनुचित रूप से लंबी और असहनीय हो जाती है, लंबा समय बीतने से व्यक्ति को मानसिक पीड़ा होती है।

सजा से ज्यादा जेल में रहने पर मप्र से जवाब तलब

सुप्रीम कोर्ट ने दुष्कर्म के मामले में सात साल की सजा काटने के बावजूद दोषी के आठ साल से अधिक समय तक जेल में रहने के मामले में मध्यप्रदेश सरकार से स्पष्टीकरण मांगा है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और केवी विश्वनाथन की पीठ ने राज्य सरकार से दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा। शीर्ष अदालत ने पाया कि दोषी पर मध्य प्रदेश के सागर जिले के खुरई स्थित सत्र न्यायालय में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत दुष्कर्म समेत अन्य अपराधों के लिए मुकदमा चलाया गया था। पीठ ने कहा कि हम जानना चाहेंगे कि इतनी गंभीर चूक कैसे हुई और याचिकाकर्ता सात साल की सजा काटने के बाद भी आठ साल से अधिक समय तक जेल में क्यों रहा। हम चाहते हैं कि राज्य इस संबंध में स्पष्टीकरण दे। अधीनस्थ अदालत ने दोषी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी और 2,000 का जुर्माना लगाया था।

एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य के आरोप की जांच का आदेश

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय अधिकरण (एनसीएलएटी) के न्यायिक सदस्य के इस आरोप की जांच का आदेश दिया है कि उच्च न्यायपालिका के सबसे सम्मानित सदस्यों में से एक ने उनसे एक पक्ष के हक में आदेश सुनाने के लिए संपर्क किया था। सूत्रों ने बताया कि जांच सुप्रीम कोर्ट के महासचिव द्वारा की जाएगी और शीर्ष अदालत इसके आधार पर आगे की कार्रवाई पर निर्णय करेगा। चेन्नई स्थित एनसीएलएटी के न्यायिक सदस्य न्यायमूर्ति शरद कुमार शर्मा ने आरोप लगाया है कि उच्च न्यायपालिका के सदस्य ने उनसे संपर्क कर उनके समक्ष लंबित मामले में अनुकूल आदेश सुनाने का आग्रह किया था। न्यायमूर्ति शर्मा ने सुनवाई से खुद को अलग कर लिया और 13 अगस्त को पारित दो पैरा के आदेश में इस घटना को दर्ज भी किया।

वर्ल्ड ब्रीफ

भारत ने गाजा में पत्रकारों की हत्या की निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने इजराइल और हमास के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान गाजा पट्टी पर हमले में पत्रकारों की मौत की निंदा करते हुए इसे अफसोसनाक करार दिया है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गाजा पट्टी के खान यूनिस में हमलों में पत्रकारों की मौत के संबंध में मीडिया के प्रश्नों के जवाब में कहा कि भारत ने संघर्षों के दौरान आम नागरिकों के मारे जाने की हमेशा निंदा की है। उन्होंने कहा, पत्रकारों की हत्या स्तब्धकारी और अत्यंत खेदजनक है। हम समझते हैं कि इजराइली अधिकारियों ने पहले ही जांच शुरू कर दी है। सोमवार को गाजा पट्टी पर इजराइली हमले में पांच पत्रकारों की मौत हुई है।

नेपाल में हिंदू समुदाय ने गणेश चतुर्थी मनाई

काठमांडू। नेपाल में हिंदुओं ने बुधवार को भगवान गणेश के मंदिरों में पूजा-अर्चना करके गणेश चतुर्थी मनाई। भगवान गणेश विघ्नहर्ता और बुद्धि एवं समृद्धि के देवता हैं। चंद्र कैलेंडर के अनुसार भाद्र शुक्ल चतुर्थी को मनाए जाने वाले इस त्योहार के अवसर पर काठमांडू के कमलादि गणेश, अशोक बिनायक और सूर्य बिनायक सहित प्रमुख मंदिरों के अलावा अन्य शहरों के मंदिरों में भी श्रद्धालुओं की अपार भीड़ उमड़ी। श्रद्धालुओं ने भगवान विघ्न विनाशन गणेश को फूल, फल और मिठाइयाँ अर्पित कीं तथा सौभाग्य, ज्ञान और समृद्धि की कामना की।

जिम्बाब्वे के छात्र की मौत पर मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने पंजाब के बठिंडा में जिम्बाब्वे के छात्र पर हुए हमले के बाद उसकी मौत से संबंधित मीडिया रिपोर्टों पर स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने यहां जारी एक बयान में कहा कि गुरु काशी विश्वविद्यालय में स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्र पर हुए हमले के बाद 21 अगस्त को बठिंडा के एम्स में उसकी मृत्यु हो गयी थी। रिपोर्टों के अनुसार 13 अगस्त को एक सुरक्षा गार्ड के साथ उसका किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि गार्ड ने इसके बाद अपने साथियों के साथ मिलकर छात्र पर हमला किया। घटना के संबंध में एक प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई थी।

इजराइली हमलों में मारे गए छह सीरियाई सैनिक

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के दक्षिणी उपनगर पर इजराइली ड्रोन हमलों में छह सैनिक मारे गए और अन्य घायल हो गए। सरकारी मीडिया और एक युद्ध पर निगरानी रखने वाली संस्था ने बुधवार को यह जानकारी दी। 'अल-इखबरिया' ने बताया कि नवीनतम ड्रोन हमले मंगलवार को दक्षिणी दमिश्क के उपनगर किस्वा में हुए, जिसमें छह सैनिक मारे गए। हालांकि इस बारे में अधिक जानकारी नहीं दी गई। इजराइली सेना ने इन हमलों पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की।

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बेटे की हत्या के बाद चुनाव में उतरे पिता

बोगोटा, एजेंसी

- कोलंबिया में अगले साल होना है राष्ट्रपति पद का चुनाव

कोलंबिया में इस साल के शुरू में राजनीतिक रैली के दौरान राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार मिगुएल उरीबे की गोली मारकर हत्या के बाद उनके पिता ने मंगलवार को राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवारी की घोषणा की। बहत्तर वर्षीय मिगुएल उरीबे लोंदोनो ने कहा कि यह उनके बेटे की विरासत को जीवित रखने तथा सुरक्षित एवं समृद्ध कोलंबिया बनाने की कोशिश है।

उन्होंने राजधानी में कांग्रेस (संसद) की इमारत के बाहर एक भाषण के दौरान अपनी उम्मीदवारी का एलान किया। उन्होंने अपने दिवंगत बेटे द्वारा इस्तेमाल किए गए लोगो से सुसज्जित मंच से भाषण दिया। उनका बेटा सीनेट का सदस्य था। वह खासे लोकप्रिय भी थे। उरीबे लोंदोनो 80 के दशक के अंत में बोगोटा नगर परिषद के सदस्य और 90 के दशक की शुरुआत में कोलंबिया की कंज़र्वेटिव पार्टी के सीनेटर थे। लेकिन अपने बेटे की मृत्यु से पहले उनकी राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने की कोई योजना नहीं थी, और जनता उन्हें ज्यादा जानती भी नहीं थी। उनके बेटे के अंतिम संस्कार को राष्ट्रीय स्तर पर कवर किया गया था।

बढ़ती चुनौतियों से आगाह भारत

समुद्र में बढ़ती शक्ति

वैसे तो हिंद महासागर क्षेत्र में भारत शीर्ष शक्तियों में शामिल है और नजदीकी समुद्री इलाकों के साथ लॉजिस्टिक नेटवर्क और आपदा राहत में उसकी पकड़ मजबूत है लेकिन कई ऐसी नई चुनौतियां हैं जिन्होंने उसे अपनी नौसेना की ताकत और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। वैश्विक फायरपावर रैंकिंग 2025 के अनुसार, भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी नौसेना है, जिसमें 293 जहाजों के साथ उसका छठा स्थान है लेकिन चीन की बढ़ती नौसैनिक शक्ति, खासकर उसकी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के विस्तार के मुकाबले भारतीय नौसेना का निर्माण धीमा है। इसके अलावा दक्षिण एशिया में अस्थिरता ऐसी प्रमुख चुनौती है जिससे निपटने के लिए भारत ने रणनीतिक साझेदारी, आधुनिकीकरण और घरेलू निर्माण पर जोर दिया है। इसमें ब्रह्मोस मिसाइल सिस्टम और उन्नत युद्धपोत शामिल हैं, और भविष्य में भारतीय नौसेना और अधिक शक्तिशाली बनने के लिए तैयार है।

भारत की ओर से कदम

दूसरे देशों के साथ अभ्यास, अग्रिम तैनाती और मिशन बेस्ड डिप्लॉयमेंट के तहत अरब सागर, बंगाल की खाड़ी, अंडमान निकोबार, मालदीव और ईस्ट अफ्रीका तक सतत गश्त। इसके साथ एंटी-पाइरेसी और समुद्री सुरक्षा के तहत दूरदराज तक डेस्ट्रॉयर/फ्रिगेट/पेट्रोल एयरक्राफ्ट भेजकर जहाजों का एस्कॉर्ट।

समुद्र में उभरी नई चुनौतियां

- चीन का बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव और दक्षिण एशिया के देशों के साथ उसके मजबूत संबंध भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए एक चुनौती है। इससे क्षेत्रीय शक्ति संतुलन बदल रहा है।
- भारत का नौसेना बजट चीन की तुलना में कम है, इसके साथ युद्धपोतों के निर्माण की गति भी धीमी है जो संसाधनों और निर्माण की गति में असमानता की ओर इशारा करती है।
- पारंपरिक और अनौपचारिक खतरों के बीच की रेखा धुंधली हो रही है। इससे समुद्री खतरों की जटिलता भी बढ़ी है। लिहाजा तटीय सुरक्षा पर और अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

वैश्विक तुलना

- अमेरिका परमाणु कैरियरों, न्यूक्लियर अटैक सबमरीन और लॉजिस्टिक्स के कारण अपराजेय माना जाता है।
- चीन की नौसेना सबसे बड़ी होने के साथ तेजी से बढ़ता बेड़ा है। हिंद महासागर में उसकी मौजूदगी बढ़ रही है।
- जापान, यूके, फ्रांस की नौसेना तकनीकी रूप से अत्याधुनिक है, लेकिन हिंद महासागर क्षेत्र में उनकी स्थाई उपस्थिति भारत की तुलना में कम है।
- भारत डेढ़ सौ से ज्यादा युद्धपोतों, एयरक्राफ्ट कैरियर, परमाणु बैलिस्टिक पनडुब्बी से संपन्न है। मगर उसकी ताकत अमेरिका-चीन के स्तर की नहीं है।

भारतीय नौसेना के बेड़े में वृद्धि

- भारतीय नौसेना के बेड़े में विस्तार के लिए नए विमान वाहक, विध्वंसक और पनडुब्बियों का समावेश किया गया है।
- आधुनिक रडार, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और संचार प्रणालियों को शामिल कर नई प्रौद्योगिकियों को अपनाया जा रहा है।
- ब्रह्मोस और बराक जैसी सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों ने युद्धपोतों की रक्षा क्षमता काफी बढ़ाई है।
- उन्नत रडार और इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम अपनाए हैं जो किसी खतरे का पता लगाकर जवाबी कार्रवाई करने में मदद करते हैं।

भावी योजनाएं

- नौसेना में एयरक्राफ्ट कैरियर बढ़ाना, युद्धपोत पर विमान लांच करने की प्रणालियों के विकास के लिए निर्णय नीति और बजट पर मंथन।
- जंगी मिशन के लिए एयर इन्डिपेन्डेंट प्रोपल्शन वाली अगली पनडुब्बी लाइन, 6 इंडीजीनियस सबमरीन की गोपनीय पर दीर्घकालिक स्वीकृति। अगली पीढ़ी के डेस्ट्रॉयर, फ्रिगेट।

पाकिस्तान में करतारपुर कॉरिडोर बाढ़ के पानी में डूबा, सौ से ज्यादा लोग फंसे

गुरुद्वारा दरबार साहिब भी जलमग्न, हेलीकॉप्टर-नावों से लोगों को निकालने की कोशिश

लाहौर, एजेंसी

रावी नदी में बाढ़ के कारण पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के नारोवाल जिले में गुरुद्वारा दरबार साहिब सहित करतारपुर कॉरिडोर जलमग्न हो गया, जिस कारण 100 से अधिक लोग फंस गए। इनमें अधिकतर कर्मचारी बताए जा रहे हैं। पाकिस्तान सरकार हेलीकॉप्टर और नावों के जरिए फंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रही है।

करतारपुर कॉरिडोर परियोजना प्रबंधन इकाई के प्रमुख सैफुल्लाह खोखर ने बताया, गुरुद्वारा दरबार साहिब सहित पूरा करतारपुर कॉरिडोर परिसर बाढ़ के पानी में डूब गया है। उन्होंने कहा कि फंसे हुए लोगों को नावों और एक हेलीकॉप्टर से बचाया जा रहा है, जिनमें ज्यादातर करतारपुर परियोजना प्रबंधन इकाई के कर्मचारी हैं। सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रही तस्वीरों और वीडियो में पवित्र सिख तीर्थस्थल बाढ़ के पानी से घिरा हुआ दिखाई दे रहा है।

नारोवाल के उपायुक्त हसन रज़ा के अनुसार, भारत द्वारा रावी नदी में पानी छोड़े जाने के बाद बाढ़ग्रस्त इलाकों से सैकड़ों निवासियों को निकाला गया है। उन्होंने बताया कि शकरगढ़ तहसील के कोट नैन में रावी नदी का जल स्तर 1,55,000 क्यूसेक पर पहुंच गया है, जबकि इसकी क्षमता 1,50,000 क्यूसेक है। रविवार को, भारत ने मानवीय आधार पर राजनयिक माध्यमों से पाकिस्तान को बाढ़ की चेतावनी दी थी। मई में दोनों पक्षों के बीच चार दिनों तक चले संघर्ष के बाद यह भारत और पाकिस्तान के बीच पहला ज्ञात आधिकारिक संपर्क था। आमतौर पर बाढ़ की चेतावनी सिंधु जल आयोग के माध्यम से साझा की जाती है।

अधिकारियों ने बताया कि हजारों एकड़ कृषि भूमि जलमग्न हो गई है, जिससे धान की फसल और पशु चारे को नुकसान पहुंचा है। रज़ा ने कहा कि पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है, जिससे गांव और फसलें जलमग्न हो गईं।

करतारपुर कॉरिडोर में गुरुद्वारा साहिब के जलभराव वाले इलाके से बुधवार को गुजरते लोग।

पंजाब में बाढ़ पर शहबाज ने बुलाई आपात बैठक

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बुधवार को स्थिति की समीक्षा के लिए एक आपात बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को समय पर अलर्ट सुनिश्चित करने के लिए पूर्व चेतावनी प्रणालियों में सुधार करने का निर्देश दिया। प्रांतीय सरकार ने पंजाब में पहले से ही बाढ़ग्रस्त इलाकों से लोगों को बचाने और राहत एवं निकासी प्रयासों में मदद के लिए दिन में ही सेना बुला ली थी। लगभग सभी पूर्वी नदियों में बढ़ते जलस्तर के बीच, पंजाब भर में बाढ़ की दृष्टि से संवेदनशील इलाकों से 2,50,000 से ज़्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है।

- पाकिस्तान सरकार ने नवंबर 2019 में करतारपुर कॉरिडोर खोला था, जो पाकिस्तान-भारत सीमा से लगभग 4.1 किलोमीटर दूर है। यह कॉरिडोर पाकिस्तान के गुरुद्वारा दरबार साहिब को पंजाब के गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक से जोड़ता है, जहां 16वीं शताब्दी की शुरुआत में सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी जीवन के अंतिम समय में रहे थे। यह कॉरिडोर भारतीय श्रद्धालुओं को गुरुद्वारा दरबार साहिब के दर्शन के लिए वीजामुक्त पहुंच प्रदान करता है।

भारत ने पाकिस्तान के लिए बाढ़ के खतरे की नई चेतावनी जारी की

नई दिल्ली। भारत ने तवी नदी में बाढ़ की अत्यधिक आशंका को लेकर पाकिस्तान को नए अलर्ट जारी किए हैं। वहीं, उत्तरी राज्यों में लगातार बारिश के कारण प्रमुख बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़ना पड़ रहा है। सूत्रों ने बताया कि विदेश मंत्रालय के माध्यम से इस्लामाबाद भेजे गए ये अलर्ट मानवीय आधार पर जारी किए गए हैं। पहला अलर्ट सोमवार को जारी किया गया था। एक सूत्र ने बताया, हमने कल मंगलवार और बुधवार को तवी नदी में बाढ़ की उच्च आशंका के मद्देनजर एक और अलर्ट जारी किया। भारतीय क्षेत्रों में हो रही अत्यधिक बारिश के कारण कुछ बांधों के फाटक खोलने पड़े। तवी नदी हिमालय से निकलती है और पाकिस्तान में चिनाब नदी में मिलने से पहले जम्मू संभाग से होकर गुजरती है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा 26 लोगों की हत्या करने के बाद भारत ने सिंधु जल संधि के तहत पाकिस्तान के साथ जल विज्ञान संबंधी आंकड़ों के नियमित आदान-प्रदान को स्थगित कर दिया था। पहलगाम हमले में मारे गए अधिकतर लोग पर्यटक थे। सूत्रों ने बताया कि इस रोक के बावजूद सीमा पार जान-माल के नुकसान से बचने के लिए बाढ़ की ताजा चेतावनी जारी की गई है।

शांति की कोशिशें नाकाम, रूस ने यूक्रेन के आठवें क्षेत्र पर शुरू की कब्जे की कोशिश

कीव, एजेंसी

- यूक्रेन के दनिप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के गांवों में घुसी रूस की सेना, दो गांवों पर किया कब्जा

अमेरिका के नेतृत्व में चल रहे शांति प्रयासों के ठहर जाने के बीच रूस की सेना ने यूक्रेन के एक और नए क्षेत्र 'दनिप्रोपेत्रोव्स्क' में सेंध लगा ली है। इसके साथ ही यह यूक्रेन में चल रहे तीन साल लंबे युद्ध में आठवां क्षेत्र बन गया है, जिस पर रूस अपना कब्जा जमाने क प्रयास कर रहा है।

यूक्रेनी थल सेना के प्रवक्ता विक्टर त्रेहुबोव ने बताया कि कुछ रूसी सैनिक नोवोहेओर्हिवका और जैपोरीज्के नामक गांवों में दाखिल हो गए हैं। ये गांव पूर्वी यूक्रेन के प्रमुख औद्योगिक केंद्र दनिप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र में हैं, जो दोनेत्स्क से सटा हुआ है और जहां पहले से भीषण लड़ाई जारी है। हालांकि, रूस के रक्षा मंत्रालय ने पहले ही दावा किया था कि उसने इन दोनों गांवों पर कब्जा कर लिया है, लेकिन त्रेहुबोव के मुताबिक, वहां अभी रूसी सेना ने न तो मोर्चाबंदी की है और न ही किलेबंदी तथा लड़ाई अब भी जारी है।

यूक्रेनी सेना रूस की बड़ी और संसाधन-सम्पन्न सेना के सामने दबाव में है। सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि फिलहाल यूक्रेन की रक्षा पंक्ति टूटने के कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं, लेकिन रूस की धीमी लेकिन सतत प्रगति यूक्रेन पर दबाव बनाए हुए है। इस जंग का मोर्चा करीब 1000 किलोमीटर तक फैला हुआ है, जहां दोनों पक्षों के हजारों सैनिक मारे जा चुके हैं। रूस की सेनाएं पहले ही सुमी, खारकीव, लुहान्स्क, दोनेत्स्क, जेपोरिज्जिया, खेरसॉन और मायकोलाइव क्षेत्रों में मौजूद हैं।

गौरतलब है कि रूस ने 2014 में यूक्रेन से क्रीमिया प्रायद्वीप को अवैध रूप से हड़प लिया था, और अब यूक्रेन के लगभग पांचवें हिस्से पर कब्जा कर चुका है।

जेलेंस्की से सीधी वार्ता नहीं करेंगे पुतिन तो उठाएंगे कदम : ट्रंप

इस बीच, पश्चिमी देशों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शांति वार्ता में जानबूझकर टालमटोल करने और गंभीर बातचीत से बचने के आरोप लगाए हैं, जबकि उनकी सेना यूक्रेन में और अंदर तक घुसपैठ करती जा रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को पुतिन की ओर से शांति वार्ता के प्रस्तावों को नजरअंदाज किए जाने पर नाराजगी जाहिर की। ट्रंप ने कहा कि यदि दो सप्ताह में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के साथ सीधी बातचीत की योजना नहीं बनती, तो वह अगला कदम तय करेंगे।

चीनी छात्रों पर बदला ट्रंप का रुख, अमेरिका में पढ़ने की अनुमति दी

- चीन से व्यापार वार्ता के बीच ट्रंप की नई घोषणा का बीजिंग ने किया स्वागत

बीजिंग। चीन ने बुधवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस टिप्पणी का सावधानीपूर्वक स्वागत किया, जिसमें उन्होंने छह लाख चीनी छात्रों को अमेरिका में अध्ययन करने की अनुमति दी है। चीन ने इससे पहले वीजा रद्द करने संबंधी ट्रंप की धमकी के मद्देनजर अमेरिका से चीनी छात्रों का उत्पीड़न बंद करने का आग्रह किया था।

मई में , ट्रंप ने अमेरिकी विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे हजारों चीनी छात्रों के वीजा रद्द करने की धमकी दी थी। हांगकांग से प्रकाशित होने वाली साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की खबर के अनुसार, हालांकि, इस साल के अंत में अपनी संभावित चीन यात्रा से पहले नीति में बदलाव करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में मंत्रिमंडल की बैठक में कहा कि वह चीनी छात्रों का स्वागत करेंगे। उन्होंने तर्क दिया कि उनके बिना अमेरिकी कॉलेज प्रणाली बहुत जल्द बर्बाद हो जाएगी।

अब इस मुद्दे पर ट्रंप के रुख में बदलाव वाशिंगटन और बीजिंग के बीच चल रही व्यापार वार्ता के बीच आया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा कि बीजिंग को उम्मीद है कि अमेरिका चीनी छात्रों का स्वागत करने की राष्ट्रपति ट्रंप की प्रतिबद्धता पर काम करेगा और उन्हें बेवजह परेशान करना, उनसे पूछताछ करना या उन्हें वापस भेजना बंद करेगा तथा उनके वैध और कानूनी अधिकारों और हितों की ईमानदारी से रक्षा करेगा।

ईरान में अपना अभियान फिर शुरू करने के लिए लौटी आईएईए टीम

तेहरान। संयुक्त राष्ट्र की परमाणु निगरानी संस्था, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की एक टीम ईरान में अपना अभियान फिर से शुरू करने के लिए आई है। ईरान ने इजराइल के साथ हाल में ही हुई जंग के दौरान एजेंसी के सभी निरीक्षकों को अपने यहां से निकाल दिया था।

ईरानी मीडिया के अनुसार, आईएईए प्रमुख रफायल ग्रॉसी ने कहा, आईएईए निरीक्षकों की पहली टीम ईरान लौट आई है और अभियान फिर शुरू करने वाली है। परमाणु सामग्री प्रबंधन संस्थान की सालाना बैठक में शिरकत करने वाशिंगटन डीसी पहुंचे ग्रॉसी ने यह नहीं बताया कि क्या इसे फिर शुरू करने के लिए कोई समयसीमा तय की गई है, या कोई अन्य प्रकिया अपनाई जाएगी। ग्रॉसी ने एक साक्षात्कार में कहा कि ईरान में कई परमाणु संयंत्र हैं। इसलिए हम इस पर चर्चा कर रहे हैं कि वहां हमारे काम को फिर से शुरू करने के लिए किस तरह के व्यावहारिक तौर-तरीके लागू हो सकते हैं।

इमरान का आरोप, सत्ता के भूखे और तानाशाह हैं सेना प्रमुख मुनीर

- नौ मई के दंगों की साजिश रचने का आरोप लगाया

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को सेना प्रमुख आसिम मुनीर पर सत्ता के भूखे होने और देश में सबसे खराब प्रकार की तानाशाही का आरोप लगाया।

कई मामलों में दो साल से अधिक समय से जेल में बंद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के मुख्य संरक्षक ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, सेना प्रमुख असीम मुनीर सत्ता के भूखे हैं, यही वजह है कि उन्होंने पाकिस्तान में सबसे खराब तरह की तानाशाही लागू कर दी है। मुनीर न तो नैतिकता और न ही इस्लाम को समझते हैं।

खान ने कहा, मुझसे माफी मांगने को कहने के बजाय, मुनीर को मुझसे 9 मई, 2023 के दंगों के लिए माफी मांगनी चाहिए। मुनीर ने ही नौ मई की साजिश रची थी और उसने ही सीसीटीवी फुटेज चुराई थी। आज, नौ मई आसिम मुनीर की बीमा पॉलिसी है। क्रिकेटर से राजनेता बने 72 वर्षीय इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं, क्योंकि उन पर कई मुकदमे हैं। फ़िलहाल, वह रावलपिंडी की अडियाला जेल में हैं।

ब्रिटेन में यौन अपराध के लिए दोषी करार दिए गए लोगों में सबसे ज्यादा भारत के नागरिक

लंदन, एजेंसी

- सजा पाने वाले भारतीयों की संख्या चार वर्षों में 257 प्रतिशत बढ़ी

ब्रिटिश सरकार के आंकड़ों के विश्लेषण के अनुसार, ब्रिटेन में यौन अपराधों के लिए सजा पाने वाले विदेशियों की संख्या में पिछले चार वर्षों में काफी वृद्धि हुई है और इनमें भारतीय नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है।

वर्ष 2021 और 2024 के बीच यौन अपराधों के लिए दोषी करार दिये गए विदेशी नागरिकों में भारतीयों की संख्या में 257 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि इस अवधि के दौरान यौन अपराधों के लिए दोषी करार दिये गए विदेशी नागरिकों की संख्या में कुल 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये आंकड़े ब्रिटेन के न्याय मंत्रालय के पुलिस राष्ट्रीय कंप्यूटर से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित हैं।

इसके बाद, आव्रजन रोधी थिंक टैंक 'सेंटर फॉर माइग्रेशन कंट्रोल' द्वारा इनका विश्लेषण किया गया। सीएमसी ने इस सप्ताह अपने विश्लेषण में कहा, यौन अपराधों के लिए दोषी करार दिये गए विदेशी नागरिकों की संख्या 2021 और 2024 के बीच 62 प्रतिशत बढ़कर 687 से 1,114 हो गई। इस अवधि के दौरान, इन अपराधों के लिए ब्रिटिश दोषसिद्धि दर में 39.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई। थिंक टैंक के आंकड़ों के अनुसार, 2021 से भारतीय इस चार्ट में सबसे ऊपर बने हुए हैं, जब ऐसे 28 आपराधिक मामले दर्ज किये गए थे। इसके बाद, 2022 में 53, 2023 में 67 और पिछले साल 100 आपराधिक मामले दर्ज किये गए।

वर्ष 2021 और 2024 के बीच, चार्ट में शीर्ष पांच देशों में, नाइजीरियाई नागरिकों के मामले 166 प्रतिशत, इराकियों के 160 प्रतिशत, सूडानी के 117 प्रतिशत और अफगान के 115 प्रतिशत बढ़े हैं। विश्लेषण में जिन अन्य दक्षिण एशियाई देशों को चिह्नित किया गया है, उनमें बांग्लादेशी शामिल हैं जो छठे स्थान पर हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 28 अगस्त, गुरुवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 17.56 तक तत्पश्चात षष्ठी।

आज का पंचांग

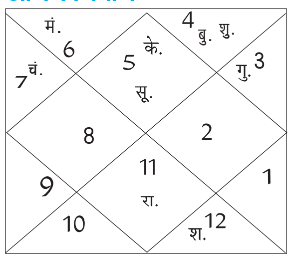

दिशाशूल- दक्षिण, **ऋतु**- वर्षा।

चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, स्वाति, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-चित्रा 08.43 तक तत्पश्चात स्वाती।

मेष – आज व्यापार में आपको उत्तम धन लाभ प्राप्त होगा। परिवार का खर्च बढ़ने की संभावना बन रही है। दांपत्य जीवन में रोमांस का आनंद उठायेंगे। विरोधियों के ऊपर आपका प्रभाव बढ़ेगा। सभी काम शान्तिपूर्वक पूर्ण होंगे।

वृष – आज नए प्रेम-संबंध विकसित हो सकते हैं। लोग आपके व्यवहार की प्रशंसा करेंगे। नौकरी में उच्च पद मिलने की संभावना बन रही है। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा। परिवार के साथ शॉपिंग करने के लिए जा सकते हैं। भावनाओं में आकर अधिक खर्च न करें।

मिथुन – आज कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ आप किसी महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा कर सकते हैं। अत्यधिक आदर्शवाद से आपको बचना चाहिए। आज आप भौतिक सुख-सुविधाओं पर धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ अनावश्यक बहसबाजी में न पड़ें। व्यापार को लेकर कुछ चिन्तित रहेंगे।

कर्क – आज स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बिल्कुल भी न करें। अपनी कमियों से सीखने का प्रयास करें। पुरानी उधारी चुकाने का दबाव रहेगा। छोटी-मोटी बातों को अधिक महत्व न दें। जीवनसाथी आपसे प्रसन्न रहेंगे। मित्रों के लिए उपहार खरीद सकते हैं।

सिंह – आज कार्यक्षेत्र में आपकी लोकप्रियता में वृद्धि होगी। दांपत्य संबंधों में प्रेमभाव बढ़ेगा। बच्चों के साथ अच्छा समय बितायेंगे। धर्म-कर्म में आपकी स्वाभाविक रुचि और बढ़ेगी। धन को लेकर अपने रिश्ते खराब न करें। नौकरी में बदलाव करने का प्रयास कर सकते हैं।

कन्या – आज आपकी दिनचर्या अत्यधिक अस्त-व्यस्त रहेगी। घर वालों के साथ समय बिताने का प्रयास करेंगे। धन से जुड़े मामलों में हानि हो सकती है। मार्केटिंग से जुड़े कार्यों में उचित लाभ मिलेगा। प्रेम-संबंधों को लेकर मन में कुछ शंका न होने दें।

तुला – आज आपको कुछ नया सीखने को प्राप्त होगा। फर्जी फोन कॉल्स से सावधान रहें। अनावश्यक राजनीतिक चर्चाओं से स्वयं को दूर रखें। आपको कार्यक्षेत्र में काफी अच्छा सम्मान मिलेगा। नई योजना बनाने के लिए समय उत्तम है।

वृश्चिक – आज राजनीति से जुड़े लोगों को कठिनाई होगी। महंगी वस्तुओं की खरीदारी कर रहे हैं तो बजट का ध्यान अवश्य रखें। कार्यक्षेत्र में अपयश जैसी स्थिति उत्पन्न हो सकती है। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। सिरदर्द और थकान जैसी स्थिति बन सकती है।

धनु – आज संतान को लेकर समस्या दूर होगी। भाग्य का साथ मिलने से अचानक महत्वपूर्ण मौके मिल सकते हैं। निवेश के मामले में आज दिन बहुत शुभ है। शेयर मार्केट से काफी अच्छा लाभ कमा सकते हैं। छात्र अपनी पढ़ाई को लेकर अत्यंत सतर्क रहेंगे।

मकर – आज बैंकिंग से जुड़े लोगों को करियर में अच्छे परिणाम मिलेंगे। आर्थिक मामलों में किसी पर विश्वास न करें। अपनी योग्यता और क्षमता का विस्तार कर सकते हैं। व्यापार में नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। नए लोगों के साथ आपके संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कुंभ – आज परिजनों के साथ कई विषयों पर चर्चा कर सकते हैं। जीवनसाथी के सुझावों पर गौर अवश्य करें। अटके हुये कार्यों को लेकर कुछ परेशान रहेंगे। शाम के समय कहीं घूमने जाने की योजना बना सकते हैं।

मीन – आज जीवनसाथी आपसे शिकायत कर सकता है। मकान की साफ-सफाई का ध्यान रखें। जोड़ों में दर्द की समस्या हो सकती है। आलस्य में आपको समय बर्बाद नहीं करना चाहिए। विरोधियों से सावधान रहें।

सुडोकू-82

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			4		9	5		
5								2
	6		5		1		3	
	3			5		4		7
	1						9	
7		8		3			5	
	5	2	3		8			
3					5			8
		4	7		6			

सुडोकू - 81 का हल

2	6	7	8	3	1	4	9	5
5	3	8	4	7	9	2	6	1
9	1	4	2	5	6	3	8	7
3	9	5	1	8	2	6	7	4
4	2	1	6	9	7	5	3	8
8	7	6	3	4	5	1	2	9
6	8	2	7	1	4	9	5	3
1	5	3	9	6	8	7	4	2
7	4	9	5	2	3	8	1	6

यूएस ओपन में आकर बहुत अच्छा लग रहा है। यह एक बहुत ही खास टूर्नामेंट है। पहले सेट में मेरा पहला सर्व प्रतिशत कम था। उसके बाद, मैंने धीरे-धीरे खुद को ढाला और अपनी सोच को स्पष्ट किया।
-जैनिक सिनर

स्टेडियम

कानपुर, गुरुवार, 28 अगस्त 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

फिडे विश्व कप की मेजबानी खुशी की बात

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि दो दशक से

अधिक समय के बाद प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है। मोदी ने कहा कि शतरंज युवाओं के बीच लोकप्रियता हासिल कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस टूर्नामेंट में रोमांचक मैच देखने को मिलेंगे और दुनिया भर के शीर्ष खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा, ''प्रतिष्ठित फिडे विश्व कप 2025 की मेजबानी करना भारत के लिए प्रसन्नता की बात है और वह भी दो दशक से अधिक समय के बाद।'' फिडे शतरंज विश्व कप का आयोजन गोवा में 30 अक्टूबर से 27 नवंबर तक किया जाएगा।

क्लार्क की कैंसर की छठी सर्जरी हुई

मेलबर्न : ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क की त्वचा कैंसर की छठी सर्जरी हुई है। उनकी यह सर्जरी नाक से एक घाव को हटाने के लिए हुई है। विश्व कप 2015 विजेता कप्तान 44 वर्षीय क्लार्क ने इंस्टाग्राम पर ऑपरेशन के बाद की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें लोगों से नियमित रूप से त्वचा की जांच को प्राथमिकता देने का आग्रह किया गया, विशेषकर ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में जहां सूर्य की किरणों का संपर्क अधिक होता है। क्लार्क ने इंस्टाग्राम पर लिखा त्वचा कैंसर वास्तविक है! खासकर ऑस्ट्रेलिया में।

सिंधु प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस : भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने एक बार फिर अंतिम क्षण में मिली बढ़त की बदौलत बुधवार को मलेशिया की लेत्शाना करुपाथेवन को हराकर बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप के महिला एकल प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने पहले गेम में 12-18 से पिछड़ने के बावजूद वापसी करते हुए दुनिया की 40वें नंबर की खिलाड़ी लेत्शाना को 42 मिनट में 21-19, 21-15 से शिकस्त दी। ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने आयरलैंड के जोशुआ मैगी और मोया रयान की जोड़ी को महज 35 मिनट में 21-11, 21-16 से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

प्रज्ञानानंदा ने ड्रॉ खेला, गुकेश बाहर

सेंट लुई (अमेरिका) : ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने यहां सिंकफील्ड कप के आठवें दौर में अमेरिका के वेस्ली सो से ड्रॉ खेलकर ग्रैंड चेस टूर में ओवरऑल शीर्ष चार में जगह बनाने की दावेदारी बरकरार रखी। गत विश्व चैंपियन डी गुकेश ने भी अमेरिका के लेवोन अरोनियन से ड्रॉ खेला लेकिन वह राउंड रोबिन प्रतियोगिता में बाहर हो गए।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास लिया

सोशल मीडिया एक्स पर की घोषणा, सुपरकिंग्स में भविष्य को लेकर चल रही अटकलों को लगा विराम

चेन्नई, एजेंसी

अनुभवी भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास की घोषणा कर दी। इससे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के कुछ ही महीनों के भीतर इस टूर्नामेंट के साथ उनके 16 साल लंबे जुड़ाव का अंत हो गया। अश्विन ने सोशल मीडिया पोस्ट 'एक्स' के जरिए यह घोषणा की।

उन्होंने कहा मैं सभी फ्रेंचाइजी को वर्षों से मिली शानदार यादों और रिश्तों के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं और सबसे महत्वपूर्ण आईपीएल और बीसीसीआई को उन चीजों के लिए जो उन्होंने अब तक मुझे दीं। आगे जो भी मेरे सामने है उसका पूरा आनंद लेने और उसका पूरा फायदा उठाने के लिए उत्सुक हूं। अश्विन की सुपरकिंग्स ने सोशल मीडिया पोस्ट में भावुक सराहना की। सुपरकिंग्स ने लिखा, चेपक का अपना। कैरम-बॉल थिरुपुरा-सुंदरन! अंबुदेन की धूल भरी पिचों पर पीली जर्सी में अपने पहले रन-अप से लेकर दुनिया के सबसे बड़े मंचों पर स्पिन के पूर्ण प्रभुत्व तक, आपने हमें सब कुछ दिया है।

फ्रेंचाइजी ने लिखा आपने हमारी विरासत को आधार बनाया है और किले चेपक को बेमिसाल बनाया है! आप वाकई कमाल करते हैं, अश्विन!

संन्यास की घोषणा इस महीने की शुरुआत में सुपरकिंग्स में अश्विन के भविष्य को लेकर चल रही अटकलों के बीच हुई है क्योंकि आईपीएल 2025 में अश्विन ने केवल नौ मैच खेले थे जो 2009 में पदार्पण सत्र के बाद एक सत्र में उनके दूसरे सबसे कम मैच हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन के साथ संभावित ट्रेड (टीम के साथ अदला-बदली) की चर्चा के बीच अनुभवी ऑफ स्पिनर ने स्वीकार किया था कि उन्होंने अपनी भूमिका पर सुपरकिंग्स से स्पष्टता मांगी थी।

अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर सैमसन के साथ एक पॉडकास्ट में कहा पिछले साल मैंने केवल नौ मैच खेले थे। आईपीएल में खेलने के अपने इतने वर्षों में यह पहला साल था जब मैंने सिर्फ नौ मैच खेले। मैं हमेशा हर मैच खेलता था इसलिए यह मेरा ऐसा पहला अनुभव था। मैंने अपनी तरफ से स्पष्टता की मांग की थी लेकिन मैंने आईपीएल सत्र के दौरान ही यह मांग की थी।

इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने सैमसन के साथ संभावित ट्रेड को लेकर चल रही चर्चा को स्वीकार किया लेकिन जोर देकर कहा कि यह अधिकतर खिलाड़ियों के नियंत्रण से बाहर है। अश्विन ने कहा अगर सैमसन का ट्रेड होता है तो सीएसके को 18 करोड़ रुपये रखने होंगे और फिर आपको देखना होगा कि आप उस जगह को बनाने के लिए किसे रिलीज कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अगर कल मैं सीएसके टीम में नहीं हूं तो इससे उन्हें फायदा हो सकता है - इसमें कोई शक नहीं है। लेकिन यह सब मेरे बारे में नहीं हो सकता। अभी मेरे हाथ में कुछ नहीं है। और ये सारी अफवाहें खिलाड़ी की तरफ से नहीं आतीं... इसके कई पहलू हैं।

अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। वह अनिल कुंबले (619) के बाद टेस्ट मैच में भारत के दूसरे सबसे अधिक विकेट (537) लेने वाले गेंदबाज हैं। आईपीएल में अश्विन ने 2009 में चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए पदार्पण किया था। एक दशक के लंबे अंतराल के बाद 9.75 करोड़ रुपये में सुपरकिंग्स से दोबारा जुड़ने के बाद उन्होंने आईपीएल 2025 में इसी टीम की ओर से अपना आखिरी मैच खेला। अश्विन ने कुल मिलाकर 221 आईपीएल मैच में 30.22 की औसत से 187 विकेट लिए जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 34 रन पर चार विकेट रहा।

बल्ले से उन्होंने 50 के उच्चतम स्कोर और 13.02 की औसत से 833 रन बनाए। अश्विन 2010 और 2011 में सुपरकिंग्स की खिताबी जीत के दौरान टीम के अहम सदस्य थे। वह आईपीएल में अपने करियर के दौरान अब बंद हो चुकी राइजिंग पुणे सुपरजाइंट्स, पंजाब किंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेले।

आर. अश्विन के कुछ खास आईपीएल पल

- सुपरकिंग्स के साथ उनके शुरुआती वर्षों में आए। महेंद्र सिंह धोनी के नेतृत्व में अपने पहले तीन सत्र में अश्विन की कैरम बॉल का जलवा खूब चला और आखिरकार उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली। बाद के वर्षों में कप्तानी की महत्वाकांक्षाओं के चलते अश्विन ने फ्रेंचाइजी बदली और उन्होंने कुछ समय के लिए पंजाब किंग्स की कप्तानी भी की। लेकिन जैसे-जैसे लीग विकसित हुई तो उन्हें आक्रामक मानसिकता और लगातार प्रयोग करने की कभी-कभी कीमत चुकानी पड़ी और बाद के वर्षों में उनकी लोकप्रियता गिरती गई। सके बावजूद एक दशक के बाद 2024-25 में सुपरकिंग्स में उनकी वापसी हुई जिसकी मुख्य वजह सुपरकिंग्स के मुखिया एन श्रीनिवासन की फ्रेंचाइजी में शागिर्द को वापस लाने की इच्छा थी। अश्विन के आईपीएल करियर में भी विवादों का दौर रहा। 2019 में किंग्स इलेवन पंजाब के लिए खेलते हुए राजस्थान रॉयल्स के जोस बटलर को मांकड़ आउट करने के बाद क्रिकेट की भावना पर व्यापक बहस छिड़ गई। बाद में जब 2022 में अश्विन राजस्थान रॉयल्स में बटलर के साथ शामिल हुए तो दोनों ने अपने मतभेद भुला दिए।

> कहते हैं कि हर अंत के साथ एक नई शुरुआत होती है। आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है लेकिन विभिन्न लीग में खेल की खोज करने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है।
> -आर अश्विन

गिल और रोहित वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर

दुबई : भारतीय बल्लेबाज शुभमन गिल और रोहित शर्मा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर बरकरार हैं जबकि विराट कोहली चौथे नंबर पर मौजूद हैं।

वहीं हाल में मैके में शृंखला के आखिरी मैच में दक्षिण अफ्रीका पर रिकॉर्ड जीत के बाद ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को भी फायदा मिला है। हालांकि शृंखला दक्षिण अफ्रीका ने जीती। गिल (784 रेटिंग अंक) और रोहित (756) क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर बने हुए हैं जबकि पाकिस्तान के बाबर आजम (739) शीर्ष तीन में शामिल हैं। कोहली के 736 अंक हैं।

हाल के महीनों में भारतीय टीम ने वनडे में हिस्सा नहीं लिया है लेकिन गेंदबाजों की ताजा वनडे रैंकिंग में कुलदीप यादव (650) और रविंद्र जडेजा (616) अब भी क्रमशः तीसरे और नौवें नंबर पर बने हुए हैं। रोहित और कोहली टी20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं लेकिन ये दोनों वनडे प्रारूप में सक्रिय हैं। रोहित और कोहली दोनों ने आखिरी बार फरवरी 2025 में संयुक्त अरब अमीरात में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के दौरान वनडे मैच खेला था जिसमें उन्होंने भारत के खिताबी अभियान में अहम भूमिका निभाई थी।

दलीप ट्रॉफी की पारंपरिक प्रारूप में वापसी, आज से होंगे मुकाबले

बेंगलुरु, एजेंसी

युवा और महत्वाकांक्षी खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के मंच पर अपना दबदबा बनाने की कोशिश करेंगे जब बृहस्पतिवार से लाल गेंद की इस प्रतियोगिता की अपने पारंपरिक क्षेत्रीय प्रारूप में वापसी होगी और इसके साथ ही भारत के घरेलू क्रिकेट सत्र की शुरुआत होगी।

छह क्षेत्रीय टीम 1960 के दशक में शुरू की गई इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। पिछले सत्र में जब यह प्रतियोगिता अव्यवस्थित ढंग से तैयार भारत ए, बी, सी और डी टीमों के बीच खेली गई थी तो हितधारक खुश नहीं थे और फिर उम्मीद के मुताबिक प्रतियोगिता की पुराने प्रारूप में वापसी हुई है। इस टूर्नामेंट ने पहले अधिक सुर्खियां नहीं बटोरी थी, लेकिन बीसीसीआई द्वारा अपने स्टार खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय टीम में नहीं होने या चोटिल नहीं होने पर घरेलू प्रतियोगिताओं में भाग लेना अनिवार्य करने के बाद यह फिर से प्रासंगिक हो गया है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टेस्ट टीम में शामिल शारदुल ठाकुर पश्चिम क्षेत्र की टीम की कप्तानी करेंगे जिसमें श्रेयस अय्यर, सरफराज खान और यशस्वी जायसवाल शामिल हैं।

भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह गंवा चुके अय्यर ढेरों रन बनाना चाहेंगे जबकि सरफराज के साथ भी यही स्थिति है जिन्हें हाल ही में इंग्लैंड दौरे के लिए नजरअंदाज़ किया गया था। एशिया कप टी20 के लिए नहीं चुना जाना अय्यर के लिए प्रेरणा का एक अतिरिक्त स्रोत होगा। जायसवाल को भी उनकी कोई गलती नहीं होने के बावजूद एशिया कप टीम से बाहर कर दिया गया था। घरेलू और विदेशी दोनों ही जगहों पर भारत के लिए लाल गेंद से उनका प्रदर्शन विशेष रहा है और वह अपने सत्र की शुरुआत अच्छी पारियों से करना चाहेंगे।

- 1960 के दशक में शुरू की गई थी प्रतियोगिता
- नरजअंदाज किए जा रहे श्रेयस अय्यर बनाना चाहेंगे ढेरों रन

टीम व प्रमुख खिलाड़ी

दक्षिण क्षेत्र : तिलक वर्मा, मोहम्मद अजहरुद्दीन, तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीशन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर।

पूर्व क्षेत्र : अभिमन्यु ईश्वरन, संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधू जायसवाल।

पश्चिम क्षेत्र : शारदुल ठाकुर, श्रेयस अय्यर, यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले।

उत्तर क्षेत्र : शुभम खजूरिया, अंकित कुमार, आयुष बडोनी, यश धुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा।

मध्य क्षेत्र : ध्रुव जुरेल, रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़।

पूर्वोत्तर क्षेत्र : जोनाथन रोंगसेन, आकाश कुमार चौधरी, तेची डोरिया, युमनुम कर्णजीत, सेडेझाली रूपेरो, आशीष थापा, हेम बहादुर छेत्री, जेहू एंडरसन।

अनीष भानवाला ने रजत पदक जीता

शिमकेंट (कजाखस्तान): भारतीय निशानेबाज अनीष भानवाला ने बुधवार को यहां एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा का रजत पदक जीता। बाइस साल के अनीष स्वर्ण पदक की दौड़ में सिर्फ एक अंक से चूक गए। उन्होंने 35 अंक जुटाए जो स्वर्ण पदक विजेता चीन के शु लियानबोफान से एक अंक कम रहा। कांस्य पदक कोरिया के ली जेइकयून ने जीता।

ओलंपियन अनीष शुरुआती चार सीरीज के बाद एक अंक से आगे चल रहे थे लेकिन इसके बाद पिछड़ गए। स्पर्धा में हिस्सा ले रहे एक अन्य भारतीय आदर्श सिंह पांचवें स्थान पर रहे। राष्ट्रमंडल खेल 2018 के स्वर्ण पदक विजेता अनीष मंगलवार को 30 शॉट के प्रिसिजन दौर के बाद 290 अंक के साथ छठे स्थान पर थे।

एआईएफएफ पर प्रतिबंध का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय फुटबॉल पर अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि वैश्विक संचालन संस्था फीफा और एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने संकटग्रस्त अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को सख्त चेतावनी दी है कि उसे 30 अक्टूबर तक नया संविधान अपनाना और उसकी पुष्टि करनी होगी या फिर निलंबन का जोखिम उठाना पड़ेगा।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे को मंगलवार को लिखे दो पन्नों के कड़े पत्र में दोनों अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं ने 2017 से उच्चतम न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद महासंघ द्वारा अपने संविधान को अंतिम रूप देने में विफलता पर 'गहरी चिंता' व्यक्त की। शीर्ष अदालत बृहस्पतिवार को इस मामले की सुनवाई करेगी।

निलंबन का मतलब होगा कि राष्ट्रीय टीमों और क्लबों को सभी अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और साथ ही अहमदाबाद में 2036 के ओलंपिक खेलों के लिए भारत की महत्वाकांक्षी बोली भी अनिश्चितता में पड़ जाएगी। फीफा और एएफसी ने चौबे के नेतृत्व वाले एआईएफएफ को संशोधित संविधान को मंजूरी देने के लिए उच्चतम न्यायालय से एक 'निश्चित आदेश' प्राप्त करने, इसे फीफा और एएफसी के अनिवार्य नियमों के अनुरूप बनाने और 30 अक्टूबर की समय-सीमा से पहले अगली आम सभा की बैठक में इसकी पुष्टि करने का निर्देश दिया है। पत्र में कहा गया है इस कार्यक्रम का पालन नहीं करने पर हमारे पास इस मामले को निर्णय लेने वाली फीफा की संबंधित संस्था के पास विचार और निर्णय के लिए भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचेगा... जिसमें निलंबन की संभावना भी शामिल है। इस पत्र पर फीफा के मुख्य सदस्य संघ अधिकारी एल्खान मामादोव और एएफसी के उप महासचिव (सदस्य संघ) वाहिद कर्दानी ने संयुक्त रूप से हस्ताक्षर किए हैं।

यह प्रतिबंध देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के जश्न के दौरान लगाया गया था लेकिन सीओए के भंग होने और चुनाव होने के दो सप्ताह के भीतर इसे हटा लिया गया था। चुनावों में चौबे ने एकतरफा परिणाम में दिग्गज फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया को हराया था। विश्व निकायों ने 'अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संशोधित संविधान को अंतिम रूप देने और लागू करने में निरंतर विफलता' पर चिंता व्यक्त की। यह मामला 2017 से भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय के समक्ष विचाराधीन है। पत्र में कहा गया है, बार-बार आश्वासन के बावजूद, एक स्पष्ट और अनुपालनकारी प्रशासनिक ढांचे के अभाव ने भारतीय फुटबॉल के मूल में शून्य और कानूनी अनिश्चितताएं पैदा कर दी हैं। पत्र में इसे लंबे समय से चल रहा गतिरोध बताते हुए कहा गया है कि इसने प्रशासन और संचालन संबंधी संकट को जन्म दिया है।

- फीफा और एएफसी ने 30 अक्टूबर की समय-सीमा तय की

पहले भी हो चुकी है कार्रवाई

- यह पहली बार नहीं है जब भारतीय फुटबॉल को इस तरह की शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। अगस्त 2022 में फीफा ने भारत को तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के आरोप में निलंबित कर दिया था जब उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त प्रशासकों की समिति (सीओए) ने अस्थायी रूप से एआईएफएफ का संचालन किया था।

गॉफ, ओसाका और सिनर जीते

न्यूयॉर्क, एजेंसी

यूएस ओपन एकल स्पर्धाओं का पहला दौर मंगलवार को संपन्न हो गया। इसमें गत विजेता जैनिक सिनर के साथ-साथ शीर्ष दावेदार इगा स्वियाटेक, कोको गॉफ और नाओमी ओसाका ने भी शानदार जीत दर्ज की।

पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के विट कोप्रिवा को मात्र 98 मिनट में 6-1, 6-1, 6-2 से हरा दिया। तीसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने भी चिली के एलेजांद्रो ताबिलो के खिलाफ सीधे सेटों में 6-2, 7-6(4), 6-4 से जीत हासिल की।

महिला वर्ग में, चैंपियन खिलाड़ियों ने पूरी ताकत से प्रदर्शन किया। स्वियाटेक ने कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो को 6-1, 6-2 से हराकर डब्ल्यूटीए एकल के पहले मैच में अपनी लगातार 65वीं जीत दर्ज की - जो ओपन युग में एक नया रिकॉर्ड है। दो बार की यूएस ओपन चैंपियन ओसाका को 2022 के बाद पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम में वरीयता दी गई थी, और उन्होंने बेल्जियम की ग्रीट मिनेन पर 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। गॉफ के लिए सबसे बड़ी चुनौती थी। 2023 यूएस ओपन चैंपियन ने लगभग तीन घंटे तक संघर्ष किया और अंततः अजला तोमालानोविच को 6-4, 6-7(2), 7-5 से हराया। गॉफ, जो अपनी सर्विस की समस्या को दूर करने की कोशिश कर रही हैं, ने 10 डबल फॉल्ट किए, लेकिन महत्वपूर्ण क्षणों में संयम बनाए रखा। चीनी स्टार वांग शिन्यू ने अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी कैरोलिन डोलेहाइड को हराया।

अमेरिका की कोको गॉफ ऑस्ट्रेलिया की अजला तोमालानोविच को शॉट लौटाती हुईं।

अजीत ने स्वर्ण और निरुपमा ने रजत पदक जीता

अहमदाबाद : भारतीय भारोत्तोलक अजीत नारायण और निरुपमा देवी सेराम ने बुधवार को यहां राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप में पुरुषों के 71 किग्रा और महिलाओं के 63 किग्रा वर्ग में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। छब्बीस वर्षीय अजीत ने कुल 317 किग्रा (145 किग्रा स्नैच और 172 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल किया और इस दौरान नए राष्ट्रमंडल रिकॉर्ड भी बनाए।

अजीत ने नाइजीरिया के जोसेफ एडिडियोंग उमोआफिया को पछाड़ा जिन्होंने कुल 316 किग्रा (146 किग्रा स्नैच और 170 किग्रा क्लीन एवं जर्क) वजन उठाकर रजत पदक जीता। एजेकील मोसेस ने कुल 290 किग्रा (135 किग्रा स्नैच और 155 किग्रा क्लीन एवं जर्क) भार उठाकर कांस्य जीता। महिलाओं के 63 किग्रा में निरुपमा ने दूसरा स्थान हासिल किया।

डायमंड लीग फाइनल | विजेताओं को घोषित किया जाएगा इस वर्ष का चैंपियन

चोपड़ा शानदार प्रदर्शन के साथ चाहेंगे ट्रॉफी

ज्यूरिख, एजेंसी

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा बृहस्पतिवार को यहां डायमंड लीग फाइनल में सत्र के अब तक के अपने सबसे शानदार 90 मीटर प्रदर्शन को दोहराते हुए ट्रॉफी पर कब्जा करना चाहेंगे।

डायमंड लीग के 14 लीग चरण में से चार में पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा शामिल थी जिसमें से चोपड़ा ने केवल दो में ही हिस्सा लिया और 15 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

चोपड़ा ने अगस्त में सिलेसिया और ब्रसेल्स चरण में हिस्सा नहीं लिया था। उन्होंने पिछली बार 2022 में डायमंड लीग ट्रॉफी जीती थी। इन चार मुकाबलों में अंक तालिका में शीर्ष छह फाइनल के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 32 स्पर्धाएं होती हैं इसलिए डायमंड लीग फाइनल दो दिन तक चलता है। बुधवार को छह स्पर्धाएं होंगी। डायमंड लीग फाइनल में प्रत्येक स्पर्धा के विजेता को इस वर्ष का चैंपियन घोषित किया जाएगा और उसे एक डीएल ट्रॉफी के साथ 30,000 से 50,000 अमेरिकी डॉलर तक की पुरस्कार राशि और अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश मिलेगा। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रोमांचक मुकाबला होने वाला है जिसमें तोक्यो ओलंपिक के स्वर्ण और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता चोपड़ा का सामना सात पुरुषों के फाइनल में ग्रेनाडा के गत चैंपियन एंडरसन पीटर्स और जर्मनी के जूलियन वेबर से होगा। कीनिया के 2015 विश्व चैंपियन जूलियस येगो, त्रिनिदाद और टोबैगो के केशोर्न वाल्कोट और मोल्दोवा के एंड्रियन मार्डारे अंक तालिका में शीर्ष छह में शामिल होंगे।

नीरज चोपड़ा ने दोहा में हुई डायमंड लीग में 90.23 मीटर के साथ 90 मीटर का आंकड़ा पार किया हालांकि वह वेबर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। चोपड़ा का आखिरी टूर्नामेंट पांच जुलाई को बेंगलुरु में एनसी क्लासिक था जिसमें जीत हासिल की थी।

सुधार पर कर रहा हूं काम : चोपड़ा

- नीरज चोपड़ा ने स्वीकार किया कि वह अभी अपनी तकनीक से संतुष्ट नहीं हैं और मई में दोहा डायमंड लीग में 90 प्लस मीटर का थ्रो भी 'परफेक्ट' नहीं था। चोपड़ा ने 90 .23 मीटर का थ्रो फेंका था और वह दूसरे स्थान पर रहे थे। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा ने डायमंड लीग फाइनल्स से पहले पत्रकारों से कहा मुझे लगता है कि मेरा रनअप तेज है लेकिन मैं उस रफ्तार का इस्तेमाल नहीं कर पा रहा हूं। दोहा में 90 मीटर का थ्रो अच्छा था लेकिन तकनीकी तौर पर यह परफेक्ट नहीं था। अगर मेरा बायां पैर सीधा है और परफेक्ट ब्लॉक का इस्तेमाल कर रहा हूं तो यह अच्छा थ्रो होगा।